हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

रायपुर-बलौदाबाजार मुख्य मार्ग पर खरोरा के पास भयावह हादसा

पारिवारिक कार्यक्रम से लौट रहे थे ग्रामीण, कई की हालत गंभीर

मौके पर पहुंचे पुलिस के आला अफसर, बढ़ सकता है मौत का आंकड़ा

हाईवा से टकराकर ट्रेलर में घुसी माजदा 14 की मौत, सड़क पर बिखरी लाशें

रायपुर-बलौदाबाजार मुख्यमार्ग पर रविवार की देर रात करीब 12.30 के आसपास हुए एक सड़क हादसे में 14 से अधिक लोगों की मौत हो गई। वहीं, दर्जनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा उस वक्त हुआ, जब ग्राम चटौद (थाना विधानसभा क्षेत्र) के ग्रामीण स्वराज माजदा से पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होकर खरोरा थाना क्षेत्र के ग्राम बाना बनारसी से लौट रहे थे। मृतकों में 10 महिलाएं, दो बालिकाएं, एक बालक और एक छह माह की बच्ची शामिल है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/ बलौदाबाजार

सारागांव के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार ट्रेलर ने माजदा वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। इससे पहले माजदा की टक्कर हाईवा से हुई थी, जिसके बाद वह ट्रेलर में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि माजदा वाहन में सवार लोगों में से कई की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना में एक साल से कम उम्र के बच्चे की भी मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार हादसे के समय माजदा वाहन में 30 से अधिक लोग सवार थे, जो एक पारिवारिक कार्यक्रम से लौट रहे थे। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। कई लोग वाहन में फंसे रह गए, जिन्हें ग्रामीणों और पुलिस की मदद से बाहर निकाला गया। घायलों को तत्काल खरोरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और रायपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे।

पुलिस के आला अफसर पहुंचे

हादसे की जानकारी मिलते ही देर को ही स्थानीय के साथ जिला मुख्यालय से आला अफसर भी घटनास्थल पहुंचे। पुलिस अधीक्षक ने घटनास्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया। अधीनस्थों को व्यवस्था बनाने कहा। साथ बचे हुए लोगों को घर, घायल को अस्पताल व शवों को मरच्युरी भिजवाने का निर्देश दिया।

सड़क पर दिखा दर्दनाक मंजर

हादसे की भयावहता का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि सड़क में लाशें बिखरीं पड़ी थीं। शरीर के अंग उड़कर इधर-उधर बिखरे थे। चारों की ओर चीख- पुकार का आलम था। सड़क पर दर्दनाक मंजर था। देर रात का हादसा होने के कारण लोगों की सूचना के बाद पुलिस, एंबुलेंस पहुंचीं। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

पारिवारिक कार्यक्रम से लौटते वक्त हादसा

ग्राम चटौद, थाना विधानसभा के पुनीत साहू की पुत्री के बच्चे होने के कार्यक्रम में पुनीत साहू के रिश्तेदार स्वराज माजदा वाहन क्रमांक सीजी 04, एमक्यू 1259 में सम्मिलित होने के लिए थाना खरोरा के ग्राम बाना बनारसी के नीलकंठ साहू के घर गए हुए थे। कार्यक्रम पश्चात वापस आ रहे थे, तभी रायपुर-बलौदबाज़ार रोड के सारागांव के समीप एक ट्रेलर गाड़ी ▶▶| शेष पेज 7 पर

मृतकों के शवों को पीएम के लिए लाया गया रायपुर

कलेक्टर-एसएसपी पहुंचे अस्पताल

रायपुर कलेक्टर डॉक्टर गौरव सिंह हादसे के बाद डॉ. आंबेडकर अस्पताल पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही दुखद घटना है। कुछ लोग पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गए हुए थे। 10 से ज्यादा लोगों के निधन की सूचना है।

विधायक बोले- सभी तरह की मदद देंगे

विधायक गुरु खुशवंत और विधायक अनुज शर्मा अस्पताल पहुंचे। विधायक गुरु खुशवंत ने कहा, हम सभी हर तरह की सहायता देने के लिए अस्पताल पहुंचे हुए हैं। घायलों को लाया जा रहा है, ताकि उन्हें अच्छे से अच्छा इलाज मिल सके। हम यह भी प्रयास करेंगे कि उन्हें किसी भी तरह की समस्या ना हो।

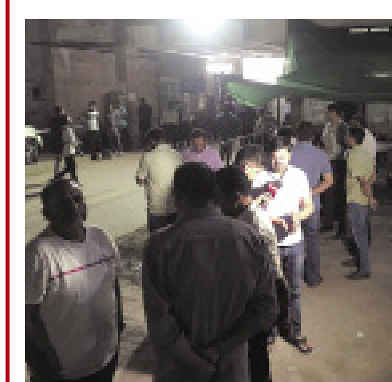

थम नहीं रहा रफ्तार का कहर

तेज रफ्तार के कारण हादसा होना बताया जा रहा है। लोगों से भरी माजदा के हाईव, ट्रेलर से टकराने के कारण लोगों की मौत हुई है। लोगों को जागरूक करने के बाद बावजूद माल वाहकों पर सफर करने बाज नहीं आ रहे हैं। अक्सर ग्रामीण इलाकों के कार्यक्रमों के बाद घर लौटने के दौरान वाहनों की रफ्तार काफी तेज होती है, जिससे कई जानें चलीं जाती हैं।

इधर, दो मजदूर जलकर हो गए कंकाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/अभनपुर

भारत माला प्रोजेक्ट के तहत सड़क निर्माण कार्य में लगे दो मजदूरों की रसोई गैस सिलेंडर ब्लास्ट होने से मौके पर ही मौत हो गई, वहीं एक अन्य मजदूर अपने साथियों की मदद से बच गया। घटना अभनपुर थाना क्षेत्र के उरला की है। घटना की

कंटेनर में सिलेंडर ब्लास्ट

जानकारी मिलने के बाद मौके पर पुलिस तथा फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम पहुंचकर जांच में जुट गई है। जिन दो मजदूरों की मौत हुई है, वे इतनी बुरी कदर जल चुके थे कि पुलिस को उनका कंकाल ही मिल पाया। घटना रविवार शाम करीब 7 बजे की है। एएसपी विवेक शुक्ला के अनुसार, सिलेंडर ब्लास्ट में मृतक मजदूरों की पहचान उत्तरप्रदेश के अमरोहा निवासी परमान अली (25) तथा शादाब ▶▶| शेष पेज 7 पर

INDIA'S 13th PRIVATE UNIVERSITY WITH "UGC12(B)"
SHRI RAWATPURA SARKAR UNIVERSITY
RAIPUR, CHHATTISGARH, INDIA
(Approved by UGC U/S 2(f) of the UGC Act-1956)
APPROVED & RECOGNIZED BY:
श्री रावतपुरा सरकार लोक कल्याण ट्रस्ट 25 रजत जयंती वर्ष सेवा - आस्था - विश्वास - परिश्रम - प्रयास
Because here, Education isn't just taught — it's lived
ARTS
B.A. Yoga
B.Sc. Yoga
PG Diploma in Yoga
B.Lib.
M.P.E.S.
M.A. Yoga
M.Sc. Yoga
B.P.E.S.
M.Lib.
B.A.
Economics
English
History
Psychology
Sociology
Education
Hindi
Political Science
Geography
Vedic Studies/Sanskrit
M.A.
Economics
English
History
Psychology
Sociology
Education
Hindi
Political Science
Geography
ENGINEERING
Diploma & B.Tech.
Civil
CSE
EEE
Electrical
Metallurgy
Fire & Safety
Mining
Mechanical
M.Tech.
Automobile
Computer Science
HSE
Metallurgy
Mining
Production
Thermal
Instrumentation & Control
Power System & Control
Urban & Town Planning
Construction
Geotech
Highway
Machine Design
Power Electronics
Structure
SCIENCE
B. Optometry
M. Optometry
BCA
MCA
B.Sc.
Biotech
EVS
CBZ
MLT
Nutrition & Dietetics
Computer Science
Microbiology
Dialysis Technology
PCM
Bio-Chemistry
M.Sc.
Biotech
Chemistry
EVS
Physics
Nutrition & Dietetics
Computer Science
Botany
Microbiology
Maths
Zoology
Bio-Chemistry
PHARMACY
D. Pharmacy
B. Pharmacy
M.Pharmacy
Pharmaceutics
Pharmaceutical Chemistry
LAW
B.A. LL.B.
B.Com. LL.B.
LL.B.
L.L.M.
EDUCATION
D.ED SPL-IDD
B.ED SPL-IDD
B.ED.
BP.ED.
COMMERCE & MANAGEMENT
B.Com.
M.Com.
B.B.A.
M.B.A.
E-M.B.A.
65 Acre Lush Green Campus
8000+ National and International Students
100% Campus Placement Drive
Global National & International Collaborations
Research and Innovations
National Excellence Partnerships
Advance Learning Infrastructure
Career Development
Scholarship Schemes
Hassle-free Payment Plans with Multiple Options
Companies Shared for Placement
TOYOTA
Reliance
Capgemini
BYJU'S
UltraTech
Ambuja Cement
HIRA
TITAN EYEWEAR
IndusInd Bank
IDFC FIRST Bank
ICICI Bank
Dr.Reddy's
Bandhan Bank
vedanta
CARE
CRYOVIVA
IntelliPaat
Johnson
Apollo
Vandana Global
Scan For Apply Now
7222910411
NH-30, New Dhamtari Road, Raipur (C.G.)

रायपुर
सोमवार, 12 मई 2025
वैशाख शुक्ल पक्ष पूर्णिमा
वर्ष : 23, अंक : 294
पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 41.0
न्यून. 29.1

haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

‘सबूत’ का दम, अब चलीं गोलियां, तो हम बरसाएंगे बम

ये तीन आतंकी हुए ढेर

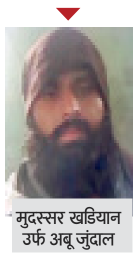
मुदस्सर खडियान उर्फ अबू जुंदाल

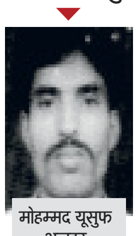
मोहम्मद यूसुफ अजहर

हाफ़िज़ मुहम्मद जमील

पाकिस्तान को तगड़ा झटका

- **100** आतंकी मारे गए
- **03** बड़े आतंकी भी मृतकों में
- **09** आतंकी अड्डे तबाह किए
- **40** अफसर-जवानों की मौत
- **03** रडार नष्ट किए एयरबेस भी तबाह

ऑपरेशन सिंदूर पर तीनों सेना प्रमुखों ने बताई पाक की बरबादी

सेना ने तबाह हुए आतंकी ठिकानों की तस्वीरें साझा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने साफ कर दिया है कि ‘ऑपरेशन सिंदूर’ अभी खत्म नहीं हुआ है। 7 मई को पाकिस्तान नियंत्रित क्षेत्रों में आतंकियों के ठिकानों पर की गई कार्रवाई के बाद भारत का संदेश बिल्कुल साफ है, अगर पाकिस्तान गोली चलाएगा तो भारत दो गुना ताकत से जवाब देगा। रविवार को भारतीय सेना की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंक पर की गई कड़ी कर्रवाई की ब्रीफिंग दी गई। डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, वाइस एडमिरल एएन प्रमोद और एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा- आप सबको पता है कि पहलगाम अटैक में किस क्रूरता से 26 लोगों को मारा गया था। इसके बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके स्थित आतंकी ठिकानों को टारगेट किया। इसमें दुश्मनों को भारी नुकसान हुआ। घई ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत 7 मई को हुई कार्रवाई में सीमा पार 9 ठिकानों पर हमने 100 आतंकवादी मार गिराए। इसमें कंधार हाईजैक और पुलवामा अटैक में शामिल 3 बड़े आतंकी चेहरे भी शामिल थे। 7 मई को हुई कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइल्स से हमारे ▶▶|शेष पेज 7 पर

- **ऑपरेशन सिंदूर में भारत के 5 जवान बलिदान**
- **अब पाक फिर हमला करेगा, तो हमें निपटने की खुली छूट**

भारतीय सेना द्वारा सीमा पर पाकिस्तान की कायराना हरकतों का मुंह तोड़ जवाब देने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि अगर सीमा पार से गोली चलेगी तो भारत गोलों से उनका जवाब देगा। इधर, भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर के 25 घंटे बाद रविवार को तीनों सेनाओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और ऑपरेशन सिंदूर का ब्योरा साझा किया। इस बीच, भारत ने आतंकवाद में पाकिस्तान की संलिप्तता के नवीनतम सबूतों के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक टीम भेजने का निर्णय लिया है।

ना-पाक चाल का दिखाया सबूत

‘नापाक’ चेहरा करेंगे बेनकाब

इधर, भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पूरी तरह से आक्रामक कार्रवाई का रुख अपना लिया है। पहले संघर्ष के मैदान में हर तरीके से पछाड़ने के बाद अब भारत पाकिस्तान को वैश्विक स्तर पर उसका आतंकवाद के समर्थक वाला चेहरा बेनकाब करेगा। भारत आतंकवाद में पाकिस्तान की संलिप्तता के नवीनतम सबूतों के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में एक टीम भेजेगा। अगले सप्ताह यूएनएससीआर 1267 प्रतिबंध समिति की बैठक होगी।

यहां राहत भरी खबर

- सुबह से भारत एवं पाकिस्तान बार्डर पर रही शांति
- पंजाब में शांति कायम, आज से खुलेंगे स्कूल
- राजस्थान में आंशिक रूप से रद्द 16 ट्रेंनें चलेंगी
- हरियाणा में 6 ट्रेंने अपने निर्धारित समय पर बहाल
- जम्मू-कश्मीर में हालात हो रहे सामान्य, बाजार खुले

ऐसा अलर्ट

दिल्ली हवाई अड्डे पर करीब 100 उड़ानें रद्द

दिल्ली हवाई अड्डे से प्रस्थान और आगमन वाली करीब 100 उड़ानें रविवार को रद्द कर दी गईं। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के मद्देनजर सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए गए हैं। देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में कम से कम 32 हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है।

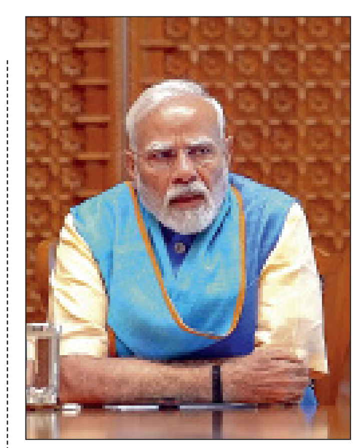

इधर, पीएम मोदी की दो टूक

हमला किया तो अंजाम ठीक नहीं होगा

पीएम मोदी ने कहा है कि अगर पाकिस्तान की तरफ से कोई भी हमला किया जाता है तो इसका अंजाम ठीक नहीं होगा। पाकिस्तान को इसके परिणाम भुगतने होंगे। सरकार के सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ऑपरेशन सिंदूर को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं। पीएम ने कहा है कि अगर पाकिस्तान की ओर से गोली चलती है, तो यहां से गोलों से हमले होंगे। सरकार के सूत्रों के हवाले से यह भी स्पष्ट किया गया है कि कश्मीर के मुद्दे पर भारत किसी भी तीसरे देश की मध्यस्थता नहीं चाहता है। कश्मीर में भारत के लिए एक ही मुद्दा बचा है, और वह है- पाक अधिकृत कश्मीर यानी पीओके की वापसी। बता दें कि रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्षविराम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि अमेरिका कश्मीर के मुद्दे पर दोनों देशों के बीच मध्यस्थता करवा सकता है। अब भारत ने इस बयान पर अमेरिका को स्पष्ट कर दिया है कि भारत इस मसले को घसीटना नहीं चाहता और वह अपने तरीके से पाकिस्तान को जवाब देने में सक्षम है।

अब जुबानी जंग...

रावलपिंडी में भी महसूस की भारतीय सेना की ताकत

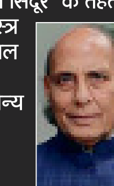

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने न केवल सीमा के पास पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर हमला किया, बल्कि उनकी ताकत पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय की मौजूदगी वाले रावलपिंडी में भी महसूस की गई।

कांग्रेस बोली- सरकार बुलाए संसद सत्र

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। यह आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारे सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित करने का भी अवसर होगा।

पीएम की मौजूदगी में सर्वदलीय बैठक बुलाएं

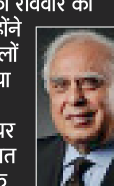

राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने सर्वदलीय बैठक बुलाए जाने की रविवार को मांग की। उन्होंने राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे इसमें शामिल होने पर तब तक सहमत न हों, जब तक सरकार यह आश्वासन नहीं देती कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसमें मौजूद रहेंगे।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

पीएम के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट, केस दर्ज

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में पुलिस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने के

मामले में प्राथमिकी दर्ज कर तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। बालगोपाल चौरसिया ने शिकायत दर्ज कराई कि शब्बीर अंसारी, जुबैर अंसारी और इजहार ने अपने फेसबुक अकाउंट पर आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट की है।

आईसीएआर के पूर्व प्रमुख कावेरी नदी में मृत मिले

मांड्या। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के पूर्व महानिदेशक एवं पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित

सुब्बन्ना अय्यप्पन, श्रीरंगपटना के निकट कावेरी नदी में मृत पाए गए। शनिवार को उनका शव पानी में बहता मिला, जिसके बाद उसे बाहर निकाल लिया गया। अय्यप्पन (70) कृषि और मत्स्य वैज्ञानिक थे। पुलिस के अनुसार, उनका दोपहिया वाहन नदी किनारे पाया गया। संदेह है कि उन्होंने नदी में छलांग लगाई होगी।

दिल्ली में राहत, मध्य भारत में आफत

देश के कई राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

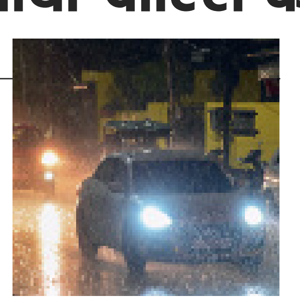

देशभर में मौसम ने अचानक करवट ली है। राजधानी दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में हल्की बारिश और रुक-रुक कर बूंदाबांदी से मौसम खुशनुमा हो गया है। चिलचिलाती गर्मी से परेशान लोगों को बड़ी राहत मिली है, लेकिन इसी के साथ ही भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अगले कुछ दिनों तक कई राज्यों में आंधी-तूफान, तेज हवाएं और बारिश की चेतावनी भी जारी की है।

मध्य और पूर्वी भारत में बढ़ेगा तापमान

मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, ओडिशा तथा झारखंड में तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि की संभावना है। इन क्षेत्रों में लू चलने की चेतावनी भी जारी की गई है। विशेष रूप से 11 से 15 मई के बीच पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश के मैदानी क्षेत्रों में गर्म हवाएं लोगों को अत्यधिक प्रभावित कर सकती हैं।

पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश की संभावना

पूर्वोत्तर राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मिजोरम, मणिपुर और त्रिपुरा में आगामी पांच दिनों के भीतर तेज बारिश तथा आंधी की संभावना व्यक्त की गई है। विशेष रूप से 11 से 15 मई के बीच असम और मेघालय में 115 मिलीमीटर या उससे अधिक वर्षा हो सकती है, जिससे बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

14 साल की छात्रा बनी मां

8 महीने पहले युवक ने किया था दुष्कर्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

दुर्ग जिले के जामगांव आर थाना क्षेत्र के एक गांव में 10वीं की भोली-भाली छात्रा से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। खास बात यह है कि एक 20 वर्षीय युवक ने उससे बहला-फुसलाकर गलत काम किया, इस बारे में छात्रा को अब भी कुछ समझ में नहीं आ रहा। घटना 8 से 9 महीने पुरानी बताई गई है। छात्रा दिशा मैदान के लिए घर से निकली थी, जिससे आरोपी नकुल साहू ने गलत काम किया। जब इस घटना ▶▶|शेष पेज 7 पर

छात्रा में खुद बचपना बच्चे को अपने भाई की तरह पाल रही

परिजनों ने बताया कि छात्रा में इस समय खुद बचपना है। उसे इस बारे में कुछ भी समझ नहीं आ रहा है। छात्रा की 4 और बहने एक भी भाई नहीं था। अब बच्चे को पांचों बहनों ने भाई बनाकर पालना शुरू कर दिया है। गांव और परिवार के लोगों को भी इस बारे में जानकारी नहीं दी गई है।

आईआईटी भिलाई ने बनाया बुक ट्रैकिंग सिस्टम

82 हजार से ज्यादा परियोजनाओं पर होना था काम

अब हर पुस्तक पर क्यूआर कोड, स्कूल तक पहुंची की नहीं, कर सकेंगे ट्रैक

आलोक तिवारी ▶▶| दुर्ग

सरकारी स्कूलों में समय पर पाठ्यपुस्तकें पहुंचाने की पुरानी चुनौती से निपटने के लिए अब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई ने एक अभिनव पहल की है। आईआईटी के विशेषज्ञों ने बुक ट्रैकिंग सिस्टम बनाया है। जिसके माध्यम से अब प्रत्येक सरकारी पुस्तक पर एक क्यूआर कोड लगाया जाएगा, जिससे पुस्तकों की छपाई से लेकर ▶▶|शेष पेज 7 पर

स्कैन करके इशू करा सकेंगे बुक

एप को सभी स्कूल के शिक्षक अपने आईडी के लॉग इन करेंगे। इसके बाद पुस्तक के क्यूआर कोड को स्कैन करके बुक इशू करा सकेंगे। इससे डेशबोर्ड में ▶▶|शेष पेज 7 पर

मोबाइल ऐप बनाएं है, हर किताब में क्यूआर कोड

आईआईटी भिलाई ने एक मोबाइल एप बनाया है। इसके अलावा हर किताब में बार कोर्ड और यूनिक बार कोर्ड होगा। इसे स्कैन करने पर किताब कब कहां छपी, किस पब्लिसर की है, ऐसी पूरी जानकारी होगी। यूनिक बार कोर्ड जो हर किताब में अलग-अलग होगा, इसे स्कैन ▶▶|शेष पेज 7 पर

3 करोड़ किताबें छापे थे, इस साल ढाई करोड़ छापेंगे

पिछले साल करीब 3 करोड़ किताबें छापी गई थी। लेकिन इस साल करीब ढाई करोड़ किताबें छापी जाएगी। प्रदेश में आईआईटी भिलाई ने विद्या समीक्षा केंद्र बनाया है। प्रदेश भर में किस स्कूल में कितने बच्चे है। एक्जेक्ट डेटा इनके पास है। इसके आधार पर अब किताबें छपेगी और स्कूलों ▶▶|शेष पेज 7 पर

SAROJ
GROUP OF HOSPITALS

नियुक्ति सूचना
(अस्पताल हेतु)
सरोज सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल
नवा रायपुर, छत्तीसगढ़ के लिए

उपलब्ध रिक्तियाँ

चिकित्सीय सेवाओं के अंतर्गत:
- चिकित्सा अधीक्षक (Medical Superintendent)
- चिकित्सक (Consultants): इंटरनल मेडिसिन, पीडियाट्रिक्स, नेफ्रोलॉजी, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, हृदय रोग (इनवेसिव व नॉन-इनवेसिव)
- तकनीकज्ञ (Technicians): कैथ-लैब, डायलिसिस, ओ.टी., एंडोस्कोपी, लैब, नॉन-इनवेसिव (हृदय रोग)
- नर्सिंग (Nursing): (ध्यान दें: न्यूनतम योग्यता – जी.एन.एम.), ए.एन.एस., इंचार्जेस, स्टाफ नर्सेज (वार्ड, क्रिटिकल केयर, ओटी, स्क्रब)
- वरिष्ठ/कनिष्ठ RMO एवं EMO: इंटरनल मेडिसिन, स्त्री रोग, पीडियाट्रिक्स, नेफ्रोलॉजी, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, हृदय रोग (CCU), कैजुअल्टी

अन्य सेवाओं के अंतर्गत:
- मुख्य प्रबंधक (GM)/प्रशासन एवं आई.टी. एग्जीक्यूटिव
- रोगी सेवा संयोजक (Patient Care Coordinator)/मेडिकल ट्रांसक्रिप्शनिस्ट
- बिलिंग एवं चिकित्सीय अभिलेख (MRD)/विपणन एवं बिक्री

अवसर – हमारी प्रगतिशील टीम से जुड़ने का!

साक्षात्कार (वॉक-इन इंटरव्यू)
17 एवं 18 मई 2025 प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक
सेक्टर-9, नवा रायपुर अटल नगर
(डाकघर-पलौद, थाना-मंदिर हसौद), जिला-रायपुर, छत्तीसगढ़-492101

संपर्क करें: +91 9289 707 393
बायोडाटा ई-मेल द्वारा भेजें:
hr@sarojhospital.com | heena@sarojhospital.com | kanika@sarojhospital.com

सीज़फ़ायर पर अंतरराष्ट्रीय मीडिया में ऐसी है चर्चा....

परमाणु शक्ति संपन्न भारत-पाक की लड़ाई बदल जाएगी व्यापक विश्व युद्ध में

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए चरमपंथी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच जंग के हालात चरम पर हैं। शनिवार को दोनों देशों ने सीज़फ़ायर का एलान किया लेकिन सीज़फ़ायर के कुछ ही घंटों के बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे पर सीज़फ़ायर के उल्लंघन के आरोप भी लगाए। विदेशी मीडिया में दोनों देशों के बीच हुए सीज़फ़ायर और उसके उल्लंघन की चर्चा है। दुनिया भर के जाने-माने अख़बारों और न्यूज़ आउटलेट्स में भारत और पाकिस्तान को लेकर लेख छपे हैं। इन लेखों में कहा गया है कि परमाणु शक्ति संपन्न दोनों देशों के बीच होने वाली लड़ाई व्यापक रूप ले लेगी। इस युद्ध से विश्व युद्ध का खतरा भी मंडराने लगेगा और महाविनाश होने की संभावना है। प्रायः सभी देशों ने सीजफायर को उचित माना है।

अमेरिकी मीडिया में कैसी चर्चा?

न्यूयॉर्क टाइम्स ने लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर संघर्ष विराम की घोषणा की और कहा कि इसमें अमेरिका की मध्यस्थता थी। भारत और पाकिस्तान के अधिकारियों ने संघर्ष विराम की पुष्टि की. हालांकि केवल पाकिस्तान ने ही अमेरिकी भूमिका को स्वीकार किया। वॉशिंगटन पोस्ट ने लिखा, सीज़फ़ायर दोनों देशों के बीच हो रही झड़पों को रोकने का प्रयास है।

ब्रिटेन के मीडिया ने कहा- 1971 में बना था बांग्लादेश

फ़ाइनेंशियल टाइम्स ने लिखा, भारत और पाकिस्तान के बीच 2016 और 2019 में हुई हालिया झड़पें कश्मीर सहित सीमावर्ती क्षेत्रों तक ही सीमित थीं। लेकिन इस बार दोनों देशों ने एक-दूसरे के हवाई ठिकानों को निशाना बनाया, ड्रोन दागे गए। टेलीग्राफ ने लिखा, भारत और पाकिस्तान युद्ध के क़रीब पहुंच गए थे। पिछली बार दोनों पड़ोसियों के बीच इस तरह के हमले तब हुए थे जब 1971 में युद्ध हुआ था। ये युद्ध स्वतंत्र बांग्लादेश के बनने के साथ समाप्त हुआ था।

सऊदी अरब ने कूटनीतिक प्रयास तेज किए ....

अरब न्यूज़ डॉट कॉम ने लिखा, भारत और पाकिस्तान ने एक-दूसरे पर सीज़फ़ायर के उल्लंघन के आरोप लगाए हैं। ये आरोप अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दोनों देशों के बीच हुए सीज़फ़ायर के एलान के कुछ घंटों के बाद ही लगाए गए। सऊदी गजेट डॉट कॉम ने लिखा, सऊदी अरब ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव को कम करने के लिए अपने कूटनीतिक प्रयासों को तेज़ किया।

बांग्लादेश और श्रीलंका के मीडिया ने क्या कहा?

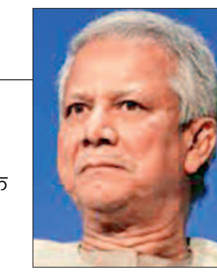

बांग्लादेश के अंग्रेज़ी अख़बार द डेली स्टार ने लिखा सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने भारत और पाकिस्तान के प्रधानमंत्रियों के सीज़फ़ायर समझौते पर पहुंचने की सराहना की। बीते तीन दशकों में दक्षिण एशियाई देशों के बीच लड़ाई से परमाणु हमले का ख़तरा पैदा हो गया था क्योंकि पाकिस्तानी सेना ने कहा था कि उनकी परमाणु हथियार वाली टॉप बॉडी की मीटिंग होगी। श्रीलंका की मीडिया ने भी सीजफायर की सराहना करते हुए कहा इससे पड़ोसी देशों को भी पैदा हो गया था खतरा।

नेपाल की मीडिया ने बोला ....

वहीं नेपाल के अख़बार काठमांडू पोस्ट ने लिखा, साउथ एशिया सेंटर की अटलांटिक काउंसिल के फेलो शुजा नावाज़ कहते हैं कि अब आगे आने वाले दिनों में सिंधु संधि को लेकर प्रमुखता से बात होगी। इससे दोनों देशों की सरकारों को जो कुछ हासिल हुआ है उसका श्रेय लेने का मौका मिल जाएगा।

पाकिस्तान उच्चायोग के अधिकारी के लिए जासूसी करते दो पकड़ाए

एजेंसी ▶▶| चंडीगढ़

पंजाब के मलेरकोटला पुलिस के हाथ एक बड़ी सफलता लगी है। पुलिस ने दिल्ली स्थित पाकिस्तान के उच्चायोग में तैनात एक अधिकारी को जासूसी गतिनिधियों से जुड़ी जानकरी देने के आरोप में 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों में एक पाकिस्तान स्थित एक हैंडलर को भारतीय सेना की महत्वपूर्ण जानकारी लीक कर रहा था और दूसरा चालक है जो जासूसी में उसकी मदद कर रहा था। पुलिस अब दोनों से पूछताछ करने में जुटी है।

आरोपी ने खुद को बताया पाक नेटवर्क का हिस्सा : डीजीपी ने बताया कि गिरफ्तार दूसरा आरोपी एक चालक है, जो जानकारी लीक करने वाले आरोपी की मदद करता है। आरोपी ने स्वीकार किया है कि वह एक नेटवर्क का हिस्सा था, जो पाकिस्तान से निर्देश प्राप्त कर भारत में अपने स्थानीय गुर्गों तक धन पहुंचाता था।

पुलिस को कैसे मिली सफलता?

पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने संयुक्त रूप से ऑपरेशन चलाया, जिसमें एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया। डीजीपी ने बताया कि इस संदिग्ध पर आरोप है कि उसने पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारी के जरिए एक पाकिस्तानी हैंडलर को भारतीय सेना की महत्वपूर्ण जानकारी लीक की थी।

हैदराबाद में अस्पताल की सीईओ कोकीन खरीदते गिरफ्तार

व्हाट्सऐप पर किया था लाखों रुपए का ऑर्डर देश

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के एक फेमस अस्पताल की सीईओ नम्रता चिगुरुपति को कोकीन खरीदते हुए गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार, महिला सीईओ 5 लाख रुपये की कोकीन खरीद रही थी। पुलिस ने सीईओ के अलावा एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह व्यक्ति सीईओ तक ड्रग्स पहुंचा रहा था। दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इस मामले में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी वेंकन्ना ने कहा कि नम्रता चिगुरुपति नाम की एक मेडिकल प्रिसक्रिप्शनर ने मुंबई में वंश नाम के ड्रग्स सप्लायर से ड्रग्स मंगवाई थी। नम्रता ड्रग्स सप्लायर वंश को पहले से जानती थी। वेंकन्ना ने आगे कहा कि पुलिस ने उनका पता लगाया और उन्हें पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान सीईओ नम्रता ने ड्रग्स पर लगभग 70 लाख रुपये खर्च करने की बात कबूल की है।

कूरियर के जरिए पहुंचा था ड्रग्स

मामले की जांच कर रही पुलिस ने बताया कि 34 साल की सीईओ नम्रता चिगुरुपति को गिरफ्तार किया गया है। नम्रता को उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह मुंबई के एक सप्लायर वंश धाकड़ से कूरियर के जरिए पांच लाख रुपए की ड्रग्स ले रही थी। पुलिस ने नम्रता के साथ ड्रग्स सप्लायर वंश धाकड़ के एक सहयोगी बालकृष्ण को भी पकड़ा है। उसने सप्लायर को ये पैसे ऑनलाइन ट्रांसफर किए।

लखनऊ में ब्रह्मोस केंद्र का उद्घाटन किया

राजनाथ बोले- सेना की धमक रावलपिंडी तक योगी ने कहा- ब्रह्मोस की तबाही पाक से पूछिए

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस एकीकरण और परीक्षण सुविधा का उद्घाटन किया। वे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा, मुझे आपसे बात करके बहुत खुशी हो रही है। मैं व्यक्तिगत रूप से शामिल होना चाहता था, लेकिन आप जानते हैं कि मैं क्यों नहीं आ सका। हम जिस स्थिति का सामना कर रहे हैं, उसे देखते हुए मेरा दिल्ली में रहना महत्वपूर्ण था। हम किसी भी परिस्थिति में रहें, देश चलता रहेगा। यहां हर साल 80-100 ब्रह्मोस मिसाइलें बनाई जाएंगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 'ये सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि भारत की सामरिक और राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रतीक है।' इस मौके पर योगी योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ब्रम्होस मिसाइल ने क्या तबाही मचाई है इसके बारे में पाकिस्तान से पूछा जा सकता है। उन्होंने कहा यह कदम रक्षा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता को मजबूत और भारत-पाक के बीच चल रहे तनावपूर्ण हालात में सामरिक शक्ति को नई धार देने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

नय भारत, घर के अंदर घुसकर मारता है

रक्षा मंत्री ने कहा, हमने केवल सीमा से सटे सैन्य ठिकानों पर ही कार्रवाई नहीं की, बल्कि भारत की सेनाओं की धमक उस रावलपिंडी तक सुनी गई, जहां पाकिस्तानी सेना का मुख्यालय मौजूद है। आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलते हुए हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि यह नया भारत है जो आतंकवाद के खिलाफ सरहद के इस पार और उस पार दोनों तरफ प्रभावी कारवाई करेगा।

कितनी ताकतवर है ब्रह्मोस मिसाइल? : ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। ये 2,500 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से करीब 300 किलोमीटर के दायरे में हमला कर सकती है। 2,900 किलोग्राम वजनी इन मिसाइलों को जहाज, जमीन या लड़ाकू विमान से दागा जा सकता है और सेना के तीनों अंग इसका इस्तेमाल करते हैं। भारत ब्रह्मोस के नए संस्करण पर भी काम कर रहा है, जो हल्की होगी और इसकी रेंज भी 300 किलोमीटर से ज्यादा होगी।

ब्रह्मोस मिसाइल ने उड़ाई पाक की नींद : वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, आपने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल के पराक्रम की झलक देखी होगी। अगर नहीं देखी तो पाकिस्तान के लोगों से मिसाइल की ताकत के बारे में पूछिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की है कि आगे से आतंकवाद की कोई भी कार्रवाई युद्ध की कार्रवाई मानी जाएगी। जब तक हम इसे पूरी तरह से कुचल नहीं देते, आतंकवाद की समस्या का समाधान नहीं हो सकता।

जल, थल और वायु से करती है वार

'ब्रह्मोस' एक लंबी दूरी सुपरसोनिक क्रुज मिसाइल प्रणाजी है। बताया जाता है कि इस मिसाइल को जमीन, समुद्र और हवा से लॉन्च किया जा सकता है। 'ब्रह्मोस' को डीआरडीओ और रूस के नैटिक पॉलीमर्स एंड ऑर्गनिक्स के संयुक्त उद्यम के तहत विकसित किया गया है। इस प्रणाली के एंटी-शिप और लैंड अटैक भूमिकाओं के लिए दो वैरिएंट के साथ डिजाइन किया गया है। इस मिसाइल को भारतीय नौसेना के साथ-साथ भारतीय सेना में भी शामिल किया गया है।

'ब्रह्मोस' को नहीं भेद पाया पाक

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पहलगाम हमले के बदला लेने के लिए भारतीय सेना पाकिस्तान के कई प्रमुख वायुसेना ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक की। यह पहली बार है कि जब 'ब्रह्मोस' को वास्तविक युद्ध में उपयोग किया जा सकता है। जवाबी हमले में पाकिस्तान के स्कार्दू, मूरिद, रफीकी, नूर खान, चूनियां, सुक्कुर जैसे एयरबेस और सियालकोट व पंसूर के ठिकानों को नुकसान पहुंचाया था। रिपोर्ट की बात मानें तो इस हमले में 'ब्रह्मोस' सुपरसोनिक क्रुज मिसाइल, स्केल्प और आधुनिक एयर लॉन्च प्रिसीजन हथियारों का इस्तेमाल किया गया है।

पाकिस्तान का अब्दाली फतह-1 और 2 बेअसर

बताया जाता है कि पाकिस्तान के पास अब्दाली, फतह-1 और 2 नाम की मिसाइलें है। पाक का दावा है कि इन मिसाइलों की मारक क्षमता 250-400 किलोमीटर की है। पाकिस्तान ने इन्हीं मिसाइलों से भारत के अलग-अलग शहरों पर हमला किया था, लेकिन इंडियन आर्मी ने इसे नाकाम कर दिया था।

आतंकी अटैक पर खुद खोली अपनी भूमिका की पोल

पुलवामा हमले में रहा पाक का हाथ... एयर वाइस मार्शल ने कबूला जुर्म

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकवादी हमले के बाद से ही भारत और पाकिस्तान के बीच उच्च स्तरीय तनाव चल रहा है। हालांकि, शनिवार को दोनों देश संघर्ष विराम पर तैयार हो गए हैं। इस बीच पाकिस्तान के एयर वाइस मार्शल औरंगजेब अहमद ने एक प्रेस कॉन्फेंस में पुलवामा हमले पर बात की। एयर चीफ ने बातों ही बातों में पुलवामा हमले को लेकर पाकिस्तान की पोल खोल दी। पाकिस्तान के एयर वाइस मार्शल औरंगजेब अहमद ने पुलवामा हमले को चालाकी से की गई 'सैन्य कार्रवाई' बताया है। उनके इस बयान का फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पाकिस्तानी वायु सेना के शीर्ष अधिकारी ने सीजफायर के बाद पाक में चल रही प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ये बयान दिया है।

एयर वाइस मार्शल ने किया स्वीकार

पाकिस्तान वायुसेना के महानिदेशक जनसंपर्क एयर वाइस मार्शल औरंगजेब अहमद ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, पाकिस्तानी लोगों को अपने सशस्त्र बलों पर गर्व और भरोसा है, जिसे हम हमेशा हर कीमत पर बनाए रखते हैं। हमने पुलवामा में अपनी सामरिक प्रतिभा के जरिए यह संदेश देने की कोशिश की थी। अब हमने अपनी परिचालन प्रगति और रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन किया है। मेरा मानना है कि उन्हें इस पर ध्यान देना चाहिए।

...तो नहीं हो सकता है कोई समझौता

अहमद ने कहा, अगर पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र, जमीन, पानी या उसके लोगों को खतरा है, तो कोई समझौता नहीं हो सकता। इसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। हम अपने देश के प्रति इसके लिए ऋणी हैं। बता दें कि पाकिस्तान ने पुलवामा हमले में शामिल होने से हमेशा इनकार किया है। इस हमले की जिम्मेदारी जैश-ए-मोहम्मद ने ली थी। पाकिस्तान ने इस मामले में बार-बार सबूत मांगते हुए भारत के आरोपों को खारिज किया है।

सीबीआई जांच की मांग

पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित रहे सुब्बण्णा अय्यप्पन, संस्था के सदस्य ने लिखा पीएम व गृह मंत्रालय को पत्र

आईसीएसआर के पूर्व महानिदेशक की संदिग्ध मौत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च (आईसीएआर) के पूर्व सदस्य वेणुगोपाल बदरावाड़ा ने पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित और आईसीएआर के पूर्व महानिदेशक सुब्बण्णा अय्यप्पन की रहस्यमयी मौत की सीबीआई जांच की मांग की है। उन्होंने इसे एक असमय और संदिग्ध मौत करार दिया है। बदरावाड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लिखे पत्र में कहा, "अय्यप्पन जी की मौत के हालात बेहद चिंताजनक हैं। उनकी स्कूटर नदी किनारे लावारिस हालत में मिली और मृत्यु का कारण अब तक स्पष्ट नहीं है। यह पूरी घटना एक कोर्ट-निगरानी वाली सीबीआई जांच की मांग करती है।"

तीन दिन बाद मिला शव : 70 वर्षीय अय्यप्पन का शव शनिवार को कावेरी नदी, श्रीरंगपट्टन (कर्नाटक) के पास से बरामद किया गया। पुलिस को संदेह है कि उन्होंने नदी में छलांग लगाई। उनके लापता होने के तीन दिन बाद शव मिला। उनका दोपहिया वाहन नदी किनारे मिला था।

गहराई तक फैला है भ्रष्टाचार, आरोप

अपने पत्र में बदरावाड़ा ने आरोप लगाया कि यह घटना आईसीएआर, एएसआरबी यानी एग्रीकल्चरल साइंटिस्ट्स रिक्रूटमेंट बोर्ड और उनसे जुड़ी संस्थाओं में व्याप्त गहराई तक फैले भ्रष्टाचार, अनियमित नियुक्तियों और शक्ति के दुरुपयोग को उजागर करती है।उन्होंने यह भी दावा किया कि आईसीएआर ने 5 मई को एकतरफा आदेश से उन्हें गवर्निंग बॉडी से हटा दिया, जो पूरी तरह से गैरकानूनी रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि आईसीएआर में भ्रष्टाचार उजागर करने वालों को चुप कराया जा रहा है, जबकि भ्रष्ट तंत्र को संरक्षित किया जा रहा है।

'ब्लू रिवॉल्यूशन' के नायक थे अय्यप्पन

सुब्बण्णा अय्यप्पन, जो मैसूर के विश्वेश्वर नगर औद्योगिक क्षेत्र में रहते थे, 7 मई को लापता हो गए थे। उनके परिवार ने विद्यारण्यपुरम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। वह अक्सर श्रीरंगपट्टन स्थित साईबाबा आश्रम में ध्यान साधना के लिए जाया करते थे। वह आईसीएआर के पहले ऐसे प्रमुख थे जो गैर-फसल विशेषज्ञ थे और भारत में 'नीली क्रांति' लाने में अहम भूमिका निभाई थी। वे अपने पीछे पत्नी और दो बेटियों को छोड़ गए हैं।

पाकिस्तान ने कर दिए थे एयरबेस पूरी तरह से नष्ट

1971 की जंग में महिलाओं ने 72 घंटे में तैयार किया था रनवे

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

साल 1971 की जंग में भुज के माधोपुर गांव की तीन सौ महिलाओं ने दिन रात एक कर भूखे प्यासे बीएसएफ की मदद से एयर फोर्स के लिए रनवे तैयार किया था, जिसे पाकिस्तान ने तबाह कर दिया था। इसके बाद अजय देवगन, सोनाक्षी सिन्हा, संजय दत्त की इसी सच्ची घटना पर आधारित फिल्म भुज द प्राइड ऑफ इंडिया आई थी। इसे लेकर वीरांगनाओं ने एक साक्षात्कार में कहा कि तब उनकी उम्र उस समय महज 21 से 28 साल के बीच थी। उन्होंने कहा कि आज भी मौका मिले तो देश के लिए लड़ने के लिए तैयार हैं और अब उनके बच्चे सेना की मदद करेंगे। 1971 की जंग की तीन बहादुर वीरांगनाएं, भुज एयरबेस रनवे को जब तैयार किया था। ये बुजुर्ग महिलाएं कहती है कि आज भी मौका मिला तो देश के लिए खड़ी रहेंगी।

कौन थी वह महिलाएं?

माधोपुर गांव की महिला सामू बैन विश्राम भंडारी, उस वक्त 21 साल की थी और अब उनकी उम्र 75 साल है। शाम बाई करसन खोखानी उस वक्त उम्र 28 की थी और आज वह 83 साल की हैं। कान बाई शिव जी उस वक्त 24 साल साल की थीं और 80 साल की हैं। बता दें कि फिल्म अभिनेता अजय देवगन के साथ इन वीरांगनाओं की तस्वीर भी हैं।

हमलों के बीच किया तैयार, लड़ाकू विमान ने भरी उड़ान

इन महिलाओं ने बताया कि युद्ध उस वक्त के विंग कमांडर कार्णिक ने मुलाकात कर रनवे बनाने के लिए मदद मांगी थी। ये सभी बताती हैं कि हम लोगों ने बिना जान की परवाह किए बगैर रनवे को 72 घंटे में तैयार किया था। पाकिस्तान की ओर क्राफ्ट लगातार हवा में उड़ते थे, सायरन बजता था तो वह पेड़ों के पीछे छिप जाते थे। बाद में निकल कर काम करने में लग जाते थे।

पाकिस्तान ने तबाह कर दिए थे एयरपोर्ट : गौरतलब है कि 1971 के युद्ध में पाकिस्तान की करारी हार हुई थी। 8 दिसंबर, 1971 को पाकिस्तान के सावेर जेट्स ने 14 बम भारत के भुज स्थित एयरफोर्स बेस पर दागे गए थे। इन धमाकों से भारतीय सेना का रनवे तबाह हो गया। इसकी वजह से सारे हवाई ऑपरेशन्स में बाधा आ गई थी। फिर इसी और बेस के पास की महिलाओं ने देश की सेना की मदद का बीड़ा उठाया और रनवे तैयार किया।

300 महिलाओं 72 घंटे में रनवे किया तैयार

पाकिस्तान की तरफ से किया गया दूसरा हमला इतना खतरनाक था कि भारतीय सेना को बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स की मदद लेनी पड़ी।इसके बाद जो हुआ उसने इतिहास ही बदलकर रख दिया। कैंप के नजदीक स्थित माधोपुर गांव की 300 महिलाओं ने दिन-रात एक कर बिना खाए-पिए लगातार मेहनत कर गईं और 72 घंटे के अंदर नया रनवे बना दिया।

बिना संसाधन बना था रनवे, इंदिरा गांधी ने दी शाबाशी

उस वक्त तो जेसीबी मशीन या अत्याधुनिक मशीन भी नहीं थी कुदाल, फावड़ा और टोकरी के जरिए रनवे बनाया था। तब तो इतने साधन भी नहीं थे। इन महिलाओं के नाम से वीर वीरांगना पंचायत गृह भी बना है, जो उनकी वीरता की गाथा को बयान करता है। उस वक्त इन्हें सरकार की तरफ से पचास हजार रुपए वीरता के रूप में पुरस्कार दिया गया था।

बस्तर जिले में अवैध कटाई को रोकने के लिए वन विभाग द्वारा नई पहल शुरू की गई है। आदिवासी बाहुल्य बस्तर में ग्रामीणों को पेड़ों के प्रति आकर्षित करने और उनकी रक्षा करने के लिए तरकीब निकाली है। अब जंगलों के पेड़ों पर कुल्हाड़ी चलाने वालों की खैर नहीं होगी। बस्तर के जंगलों को वन माफियाओं से बचाने के लिए अब आदिवासी ग्रामीण ही उनकी रक्षा करने के लिए तैयार हो गए है। कुछ दिनों पूर्व विभाग के अधिकारियों ने आदिवासी समाज की बैठक लेकर उन्हें जागरूक करने की पहल की है।

अब जंगलों के पेड़ों पर कुल्हाड़ी चलाने वालों की खैर नहीं...

हरिभूमि न्यूज / जगदलपुर। अब बस्तर के जंगलों में बेशकीमती पेड़ों का नामकरण अंचल की देवी-देवताओं से किया जा रहा है, ताकि इलाके के ग्रामीण उन पेड़ों की पूजा पाठ कर उन्हें सहज रखेंगे। वहीं पूरे बस्तर वन मंडल में माचकोट, तिरिया सहित अन्य इलाकों में ग्रामीणों की बैठक कर उन्हें उनके द्वारा ही पेड़ों का नामकरण किया जा रहा है, जिससे बस्तर के घने वन जंगल को बचाया जा सके। इस अनोखी पहल से विभाग भी काफी खुश नजर आ रहा है और पेड़ों के नाम देवी-देवताओं के रूप में रखने से बस्तर के जंगल बच सकेंगे। साथ हो विभाग के अधिकरियों के साथ-साथ ग्रामीण आदिवासी समय समय पर जगलों में जाकर पेड़ों की, पूजा कर उन्हें संरक्षित कर सकेंगे।

जंगल को बचाने देवी-देवताओं के नाम पर पेड़ों का नामकरण

देवी-देवता को पेड़ों का बना रहे संरक्षक

बस्तर जिले के वन मंडलाधिकारी उत्तम कुमार गुप्ता ने बताया कि जंगल को बचाने गांवों में ग्रामीणों की बैठक लेकर पेड़ का नामकरण देवी-देवताओं करने की समझाइश दी जा रही है। इससे जंगल को बचाया जा सके। साथ ही देवी-देवताओं को पेड़ों का संरक्षक बना रहे है, इसके बाद ग्रामीण उस पेड़ को पूजने लगेंगे।

सिविल सर्जन ऑफिस में लगी आग, दस्तावेज जलकर खाक

जांजगीर-चांपा। जिला अस्पताल से अटैच सिविल सर्जन ऑफिस में शनिवार की देर रात आग लग गई। आगजनी से ऑफिस के रिकॉर्ड रूम में रखे दस्तावेज जलकर खाक हो गए। गनीमत रही कि आग की लपटें अस्पताल तक नहीं पहुंच सकी। दमकल अगर समय पर आग पर काबू नहीं पाती, तो बड़ी जनहानी हो सकती थी। जांजगीर चाम्पा विधायक व्यास कश्यप ने सीबीआई जांच की मांग की है। विधायक का कहना है कि तत्कालीन सीएस डॉ. दीपक जायसवाल के कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार के साथ नियम विरुद्ध हुए भर्ती की शिकायत उनके द्वारा की गई थी। शिकायत के बाद अचानक रिकार्ड रूम में आग लगने को संदिग्ध बताते हुए विधायक ने प्लान के तहत आग लगाने का आरोप लगाया है। प्रभारी सीएस जिला चिकित्सालय डॉ. उमेश मरकाम रात में सिविल सर्जन कार्यालय के पीछे कक्ष क्रमांक 3 व 4 में आग लगी थी। इस घटना में दोनों कक्षों में रखे महत्वपूर्ण रिकॉर्ड जले है। एफआईआर दर्ज कराया गया है। फोरेंसिक टीम भी पहुंची थी। जांच में पूरा मामला स्पष्ट होगा।

- जिला अस्पताल से अटैच ऑफिस में आगजनी से मचा हड़कंप
- वार्ड तक नहीं पहुंची लपटें अन्यथा हो सकती थी बड़ी जनहानि

ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने के नाम पर 83 लाख से अधिक का गबन

सूरजपुर के पूर्व सीएमएचओ समेत पांच के खिलाफ हुआ अपराध दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

सूरजपुर जिले में कोरोना काल के दौरान आपदा में अवसर निकालते हुए ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना कराने के बाद फर्जी कंपनी को भुगतान कर 83 लाख रुपए से अधिक के गबन का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने कंपनी की शिकायत पर जांच उपरान्त तत्कालीन सीएमएचओ, फर्जी कंपनी संचालक समेत अन्य लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रायपुर पंडरी स्थित यूनिक इंडिया कंपनी के संचालक जयंती चौधरी द्वारा आईजी से शिकायत की गई थी कि उसके द्वारा वर्ष 2021 में उसके द्वारा ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना की गई थी लेकिन प्लांट स्थापित होने के बाद भुगतान के लिए तत्कालीन अधिकारियों द्वारा दौड़ाया गया। बाद में जानकारी दी गई कि कंपनी के नाम पर भुगतान हो गया है लेकिन राशि उसे नहीं मिली। अधिकारियों द्वारा मिलीभगत कर राशि उसकी कंपनी से मिलते जुलते फर्जी फर्म को जारी की गई। आईजी के निर्देश पर सूरजपुर पुलिस द्वारा शिकायत की जांच की गई। जांच में यह बात सामने आई कि सूरजपुर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय द्वारा गेम पोर्टल के माध्यम से ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना के लिए टेंडर निकाला गया था। इस दौरान रायपुर पंडरी के प्रज्ञा कॉम्प्लेक्स स्थित युनिक इण्डिया कंपनी के संचालक जयंत चौधरी को 83 लाख 21 हजार रूपए में प्लांट की स्थापना का 13 सितम्बर 2021 को टेंडर मिला था। टेंडर मिलने के बाद जयंत चौधरी की कम्पनी द्वारा बताए गए स्थान पर संयंत्र की स्थापना की गई और उसके बाद भुगतान के लिए संपर्क किया गया तो सीएमएचओ आरएस सिंह व अन्य अधिकारियों द्वारा टाल मटोल किया जा रहा था जिससे परेशान होकर उसने अनुबंध निरस्त करने का भी आवेदन किया गया था लेकिन इस दौरान पता चला कि अनुबंध पूर्ण हो चुका है और सम्पूर्ण राशि का भुगतान भी कर दिया गया है। जब आवेदक ने इसकी जानकारी निकाली तो पता चला कि युनिक इंडिया कंपनी दंतेवाड़ा बचेली के आरईएस कालोनी के नाम पर 83 लाख 21 हजार रूपए का भुगतान किया गया है जबकि उक्त कंपनी उसकी नहीं है। ऐसे में उसने इस मामले की शिकायत सीएमएचओ डॉ. आरएस सिंह से की थी लेकिन उन्होंने शिकायतकर्ता की कोई बात नहीं सुनी और लगातार वह वर्षों से कार्यालय के चक्कर लगाता रहा। इस बीच सीएमएचओ के रूप में कपिल देव पैकरा की पदस्थापना हो गई तो उसने नव पदस्थ सीएमएचओ से भी मामले की शिकायत की थी।

कम्पनी के बदले फर्जी फर्म को भुगतान

इन पर दर्ज किया गया मामला

पुलिस के अनुसार पूर्व सीएमएचओ डॉ. आरएस सिंह, लिपिक सहायक जेम्स कुमार बेक, सेवा निवृत्त लेखापाल विजय सिन्हा, फार्मासिस्ट सकिरन दास व दंतेवाड़ा निवासी युनिक इंडिया के संचालक आशीष कुमार बोस द्वारा मिली भगत कर 83 लाख 21 हजार रूपए का गबन किया गया। 5 व 31 जनवरी 2022 को क्रमशः 50 लाख व 32 लाख रूपए का भुगतान किया गया। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भादवि की धारा 120बी, 419, 420, 467, 468, 471 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है और मामले की जांच चल रही है।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर हादसा

ट्रक ने बाइक को लिया चपेट में, तीन की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

जिले में रविवार की शाम एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग पर दहिकोंगा के पास शाम करीब 4 बजे हुआ। जब रायपुर से जगदलपुर की ओर जा रहे एक ट्रक ने सामने से आ रही एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर गिर पड़े। ट्रक का पहिया एक महिला के सिर के ऊपर से गुजर गया। हादसे में जान गंवाने वालों में एक पुरुष दो महिलाएं शामिल हैं।

सड़क पर बिखरे अंग

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना के बाद सड़क पर शव बुरी तरह बिखर गए थे और घटनास्थल पर बेहद दर्दनाक दृश्य देखने को मिला। मृतकों की पहचान और उनके घरवालों को सूचना देने की प्रक्रिया जारी है। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से घटनास्थल पर यातायात नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। यह इलाका पहले भी सड़क दुर्घटनाओं के लिए जाना जाता रहा है। प्रशासन ने की अपील पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और सड़क पार करते समय सतर्कता बरतें।

आंगन में सो रही 2 महिलाओं को हाथी ने कुचला, दोनों की गई जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

धरमजयगढ़ वनमंडल के लैलूंगा वन परिक्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गमेकेला और भदरापारा में शनिवार की रात अपने घर के आंगन में सो रही दो महिलाओं को हाथी ने कुचल कर मार डाला। इस घटना में दोनों ही महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरी ओर सूचना मिलने के बाद वन अमला मौके पर पहुंचा और वस्तु स्थिति का जायजा लेते हुए परिजनों को सहायता राशि उपलब्ध कराई गई।

- धरमजयगढ़ वनमंडल के लैलूंगा परिक्षेत्र की घटना

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार ग्राम गेमकेला में हुई यह घटना शनिवार की रात करीब 11:30 बजे की है। जंगल से भटककर एक जंगली हाथी गेमकेला गांव में दाखिल हुआ। गांव में दाखिल होने के साथ ही हाथी एक घर की ओर बढ़ा, जिस घर के आंगन में सुनीता लोहरा सो रही थी। जब कच्ची दीवार तोड़ कर हाथी घर के आंगन में दाखिल हुआ तो उसकी आवाज से दोनों जाग गए। ऐसे में हाथी ने सुनीता को अपनी सूंड से पकड़ कर जमीन पर पटका और फिर उसे अपने पैरों से कुचल दिया। हाथी के वहां से जाने के बाद परिजन आनन-फानन में उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन प्राथमिक जांच में ही चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं दूसरी घटना भी इसी गांव की है। जहां सुशीला यादव और उसके पति घसियाराम यादव पर हाथी ने हमला कर दिया। वे दोनों आंगन में सोए हुए थे। हाथी ने हाथी ने महिला को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घसियाराम को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गांव में दहशत

लगातार दो महिलाओं की मौत और एक ग्रामीण के घायल होने के बाद गेमकेला गांव में दहशत का माहौल है। लोग घरों से बाहर निकलने में डर रहे हैं। बच्चों और बुजुर्गों में विशेष भय व्याप्त है। बताया जा रहा है कि इस क्षेत्र में करीब 21 हाथियों का दल विचरण कर रहा है। इस घटना के बाद ग्रामीणों को सतर्क रहने की अपील की गई है। और हाथियों के गांव में दाखिल होने के साथ ही सूचित करने को कहा जा रहा है।

वनभूमि में अतिक्रमण पर नागर, दो भैंसा को अमले ने किया जब्त

फरसगांव। कोंडागांव जिले में अमले ने वन भूमि पर अतिक्रमण कर जोताई कर रहे एक व्यक्ति के नागर और भैंस को जब्त किया है। प्रदेश में अतिक्रमण के खिलाफ शायद यह ऐसी पहली कार्रवाई है, जिसमें नागर के साथ भैसों को जब्त किया गया है। फरसगांव वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम पांडेआठगांव कुल्हाड़गांव के आरएफ/74 नया कक्ष क्रमांक 1048 की वन भूमि में ग्राम पांडेआठगांव के डोंगरीपारा निवासी सम्पत पिता लक्ष्मण द्वारा अतिक्रमण करने के उद्देश्य से सुबह 5 बजे अपने दो भैंसा को फांदकर नागर जोताई कार्य कर रहा था। सूचना पर कुल्हाड़गांव परिसर रक्षक वासुदेव डहरिया द्वारा मौके पर पहुंचकर पकड़ा गया। दो गवाहों के समक्ष जब्ती पत्रक भरकर पीआरओ क्रमांक 19471/22 के तहत वन अपराध दर्ज किया गया। मौके से नागर, जुवाड़ी और दो नग भैंस को जब्त कर वन प्रबंधक समिति के सहयोग से पांडेआठगांव के कांजी हाउस ने रखा गया है। मामले में भारतीय वन अधिनियम की धारा के तहत कार्रवाई की जा रही है।

- वनभूमि में जोताई करने पर की गई कार्रवाई

नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा किए गए स्थानांतरण आदेश को रद्द कर दिया

हाईकोर्ट का फैसला- एक ननि के कर्मचारियों को दूसरे में स्थानांतरित नहीं किया जा सकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

संयुक्त संचालक क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर संभाग, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग में पदस्थ असिस्टेंट इंजीनियर अनुराग शर्मा ने नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा किए गए स्थानांतरण आदेश को चुनौती दी थी। याचिका की सुनवाई जस्टिस बीडी गुरु के सिंगल बेंच में हुई। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने याचिका को स्वीकार करते हुए नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा किए गए स्थानांतरण आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि एक नगर निगम के कर्मचारियों को दूसरे नगर निगम में स्थानांतरित नहीं कर सकते हैं। याचिकाकर्ता को नगर पालिक परिषद, बिरगांव में उप अभियंता के पद पर 11 मई 2006 के आदेश के तहत पदस्थ किया गया था। इसी बीच 22 जुलाई 20214 को राज्य शासन ने अधिसूचना जारी कर नगर पालिक परिषद, बिरगांव को नगर निगम घोषित कर दिया। 28 जुलाई 2018 के आदेश के तहत नगरीय प्रशासन विभाग ने उसे सहायक अभियंता के पद पर पदोन्नत कर संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास, क्षेत्रीय कार्यालय में अटैच कर दिया। 24 नवंबर 2021 को एक आदेश जारी कर नगरीय प्रशासन एवं विकास, क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर से नगर निगम, रायगढ़ स्थानांतरित कर दिया। याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने 04 जनवरी 2022 को याचिकाकर्ता को सक्षम प्राधिकारी के समक्ष विस्तृत अभ्यावेदन पेश करने और अधिकारियों को विचार करने और निर्णय लेने का निर्देश दिया।

हाईकोर्ट में दोबारा दायर की याचिका

नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा अभ्यावेदन को खारिज करने के बाद याचिकाकर्ता असिस्टेंट इंजीनियर ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से दोबारा हाईकोर्ट में याचिका दायर की और स्थानांतरण आदेश को एक बार फिर चुनौती दी। याचिकाकर्ता ने विभागीय अधिकारियों पर नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। अधिनियम में दिए गए प्रावधान का खुलासा करते हुए बताया कि एक नगर निगम के कर्मचारियों को दूसरे नगर निगम में स्थानांतरित नहीं किया जा सकता है।

चिंतन

आतंकवाद से निपटने का तरीका भारत का अपना हो

भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम हुआ, यह एक स्वागत योग्य मूव है, लेकिन इसकी टाइमिंग और जिस तरह से इसका ऐलान हुआ, वह किसी भी भारतीय को पच नहीं रहा है। भारतीय सैनिक पाकिस्तान को करारा जवाब दे रहे थे, सेना का जोश हाई पर था, लेकिन अचानक खबर आई कि भारत और पाकिस्तान सीजफायर पर सहमत हो गए। कमाल की बात है कि भारत व पाकिस्तान से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ट्रू सोशल अकाउंट से ऐलान किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर पर सहमति बन गई है। इसके बाद भारत और पाकिस्तान की ओर से संबंधित अधिकारियों ने संघर्ष विराम के बारे में ऐलान किया। हालांकि पाकिस्तान ने इस ऐलान का पालन चार घंटे भी नहीं किया, सीजफायर तोड़ दिया व सीमा पार से गोलीबारी शुरू कर दी। इसलिए अब विपक्षी सवाल उठा रहे हैं कि आखिर ऐसी क्या बात हुई कि मजबूत स्थिति के बावजूद सरकार सीजफायर पर सहमत हुई, जब मामला द्विपक्षीय है तो अमेरिका ने ऐलान क्यों किया? क्या सरकार ने कश्मीर मुद्दे पर अमेरिकी मध्यस्थता स्वीकार कर ली है? चूंकि भारत कश्मीर को द्विपक्षीय मसला मानता है और किसी भी मध्यस्थता से इनकार करता रहा है, ऐसे में संघर्ष विराम को लेकर अमेरिका का पहले ऐलान करना भारत में लोगों को अचरज में डाल रहा है। सरकार की तरफ से यह भी कहा गया है कि पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान की करतूतों के सबूत भारत संयुक्त राष्ट्र में दुनिया के सामने रखेगा, इस ऐलान पर भी कांग्रेस का सवाल है कि क्या सरकार कश्मीर मुद्दे को फिर से यूएन ले जा रहा है? सरकार को बहुत सोच-समझ कर, आवाम के सेंटिमेंट को देखकर और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के अंतहीन खतरे के आईने में ही कोई फैसला करना चाहिए। पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश आक्रोश में था और लोग चाहते थे कि सरकार आतंकवाद के खिलाफ कड़ा एक्शन ले, सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर करके पाकिस्तान स्थित नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया और पाकिस्तान को सीधा संदेश दिया कि भारत की कार्रवाई आतंकवाद के खिलाफ है, पाकिस्तान के खिलाफ नहीं। हालांकि पाकिस्तान को यह बात समझ नहीं आई और वह आतंकवाद के खिलाफ भारत के एक्शन को अपने खिलाफ मान लिया और एलओसी पर नागरिकों को निशाना बनाकर भारी गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका मुंहतोड़ जवाब दिया गया। पाकिस्तानी फौज ने भारत के करीब 15 सैन्य ठिकानों पर मिसाइल व ड्रोन से हमले शुरू कर दिया। भारत ने सभी हमले नाकाम कर दिए। अब तक सरकार और सेना की ओर से जो भी कार्रवाई की गई है, सभी शानदार है, पाकिस्तान को सबक सिखाया गया है, लेकिन यह आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को अंजाम तक ले जाने के लिए काफी नहीं है। भारत के पास शानदार मौका है आतंकवाद के ताबूत में आखिरी कील ठोकने का, इसमें विलंब से आगे नुकसान संभव है। बेशक ऑपरेशन सिंदूर जारी है, पर पाकिस्तान कहीं से भी भरोसेमंद नहीं है, वह आगे आतंकवाद को प्रायोजित करता रहेगा, न ही अमेरिका जैसे किसी तीसरे देश की भारत को जरूरत है। भारत अपने दम पर आतंकवाद का मुकाबला कर सकता है। यह ठीक है जंग, समस्या का समाधान नहीं है, लेकिन सैन्य कार्रवाई से वार्ता के टेबल पर आने का एक व्यवहारिक व सम्मानजनक तरीका होना चाहिए। आतंकवाद व उसके प्रायोजक के खिलाफ कूटनीतिक व सैन्य एक्शन का तरीका भारत का अपना होना चाहिए।

पूर्ण विराम बिना ही संघर्ष विराम!

आतंकवाद
राज कुमार सिंह

> बेशक पहलगाम हमले की जवाबी कार्रवाई के रूप में किए ऑपरेशन सिंदूर के बीच पाक सेना की हिमाकत पर भारतीय सेना ने उसे लंबे समय तक याद रहने वाला सबक सिखाया है, लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं कि पैदाइशी शैतान, इस अचानक संघर्ष विराम से संत बन जाएगा। पाकिस्तान के सैन्य ऑपरेशन महानिदेशक द्वारा अपने भारतीय समकक्ष को फोन पर हुई बातचीत के बाद संघर्ष विराम के संदर्भ में भारत सरकार कह रही है कि हमने नीतिगत रूप से स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य में किसी भी आतंकी हमले को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा, जिसका भारत जोरदार जवाब देगा, पर पाक की ओर से ऐसा कोई बयान नहीं आया कि वह भारत विरोधी गतिविधियों का केंद्र नहीं रहेगा।

चार दिन में ही पाक को घुटनों पर ला देने के बावजूद अचानक संघर्ष विराम की असली वजह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और वहां के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ही जानते होंगे। संभव है, इस संघर्ष विराम का श्रेय लेने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके विदेश मंत्री मार्को रूबियो भी जानते हों, पर यह अतीत से हमारे कोई सबक न सीखने का संकेत भी है। 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में 26 पर्यटकों की हत्या पाक प्रायोजित आतंक की पहली घटना नहीं थी। उससे पहले भी पुलवामा और उरी पर आतंकी हमले हुए। हर बार हमने जवाबी कार्रवाई तो की, पर आतंक का समूल नाश नहीं किया। अगर किया होता तो फिर वैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होती।

बेशक पहलगाम हमले की जवाबी कार्रवाई के रूप में किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बीच पाक सेना की हिमाकत पर भारतीय सेना ने उसे लंबे समय तक याद रहने वाला सबक सिखाया है, लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं कि पैदाइशी शैतान, इस अचानक संघर्ष विराम से संत बन जाएगा। पाकिस्तान के सैन्य ऑपरेशन महानिदेशक द्वारा अपने भारतीय समकक्ष को फोन करने पर हुई बातचीत के बाद हुए संघर्ष विराम के संदर्भ में भारत सरकार कह रही है कि हमने नीतिगत रूप से स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य में किसी भी आतंकी हमले को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा, जिसका भारत जोरदार जवाब देगा, पर पाकिस्तान की ओर से ऐसा कोई बयान नहीं आया है कि भविष्य में वह भारत विरोधी आतंकी गतिविधियों का केंद्र नहीं रहेगा।

दरअसल दोनों देशों के सैन्य कार्रवाई महानिदेशकों के बीच फोन पर बातचीत के बाद संघर्ष विराम के भारतीय दावे के उलट पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने तो 10 मई की रात अपने संबोधन में संघर्ष विराम के लिए बाकायदा अमेरिकी राष्ट्रपति को धन्यवाद दिया। और भी चिंताजनक बात यह कि जिस पाक सेना प्रमुख आसिम मुनीर को पहलगाम हमले के जरिये भारत विरोधी आतंकी गतिविधियों को रफ्तार देने के लिए जिम्मेदार माना जा रहा है, उसे भी शहबाज शरीफ ने धन्यवाद दिया। क्या शहबाज, ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में भारतीय सेना द्वारा पाक और पीओके स्थित आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने पर अपनी सेना की युद्धनुमा हिमाकत को जायज ठहरा रहे हैं?

इस पूरे प्रकरण में पाक सरकार और सेना तथा खुद सेना के अंदर मतभेदों की खबरें भी आ रही हैं, पर यह पाकिस्तान का आंतरिक मामला है, जिसे उसे ही सुलझाना होगा। यह आतंकी गतिविधियों के लिए सेना को ही खलनायक ठहरा कर पाक हुक्मरानों की खुद को पाक-साफ बताने की चाल भी हो सकती है। यह सच है कि पाकिस्तान में लोकतंत्र अक्सर सेना के शिकंजे में सांसें लेता नजर आता है। 1999 में जब तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी दोस्ती का पैगाम लेकर बस से लाहौर गये थे, तब उनके पाक प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से गले मिलते हुए ही पाक सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ ने कागरिल घुसपैठ के रूप में

भारत की पीठ में छुरा घोंप दिया था। तब भी भारत से संबंधों के सवाल पर पाक सरकार और सेना में गहरे मतभेदों की खबरें आयी थीं, जिनकी अंतिम परिणति मुशर्रफ द्वारा शरीफ सरकार के तख्तापलट के रूप में हुई थी। पाक के वर्तमान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ उन्हीं नवाज शरीफ के भाई हैं और मौजूदा सेना प्रमुख मुनीर जेहादी मानसिकता के चलते, मुशर्रफ से भी ज्यादा खतरनाक माने जाते हैं।

ऐसे में चार दिनों में ही भारतीय सेना ने जिस पाक सेना को घुटनों पर ला दिया था, क्या उसे इस संघर्ष विराम से जीवनदान ही नहीं मिल जायेगा? बेशक ऑपरेशन सिंदूर में पांच बड़े आतंकियों समेत लगभग 100 आतंकवादियों तथा जैश और लश्कर सरीखे खतरनाक संगठनों के ठिकानों को नेस्तनाबूद कर देना हमारी सेना की बड़ी उपलब्धि है, पर भारत विरोधी मजहबी मानसिकता वाले पाकिस्तान में आतंकी ढांचा बनाने और आतंकियों की भर्ती में कितना समय लगता है? फिर अब तो चीन, तुर्की, अजरबैजान और बांग्लादेश भी भारत विरोधी साजिशों में उसके साथ हैं। अतीत का अनुभव भी बताता है कि सुधरने वाले की उम्मीद में पाकिस्तान पर विश्वास करना बहुत महंगा पड़ता है। आखिरकार उड़ी हमले पर जवाबी सर्जिकल स्ट्राइक के बाद पुलवामा पर हमला हुआ ही। पुलवामा के जवाब में बालाकोट एयर स्ट्राइक के बाद भी पहलगाम की बैसरन घाटी में पर्यटकों पर आतंकी हमला किया ही गया। पहलगाम हमले के बाद सरकार ने सिंधु जल संधि और पाकिस्तानी नागरिकों को जारी वीजा रद करने समेत कुछ कदम तत्काल उठाये, लेकिन उसके बाद चलती रही उच्च स्तरीय बैठकों से अर्थ निकाला गया कि इस बार भारत कुछ बड़ा करेगा, ताकि पाकिस्तान का स्थायी इलाज हो सके। ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तानी सेना की हिमाकत का जोरदार जवाब देते हुए भारतीय सेना ने जिस तरह चार दिन में ही उसके रक्षा तंत्र की कमर तोड़ दी, उसने इस नापाक पड़ोसी पर निर्णायक प्रहार के लिए अनुकूल अवसर भी उपलब्ध कराया था। बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में जारी बगावत पाकिस्तान को उसके अंजाम तक पहुंचाने का बेहतर मौका दे रही है, लेकिन अचानक संघर्ष विराम ने सब कुछ बदल दिया। बेशक भविष्य में आतंकी हमले को युद्ध की कार्रवाई मानने की भारत की नीति अर्थपूर्ण है, पर बार-बार पिट कर भी न सुधरने वाले पाकिस्तान सरीखे धूर्त के लिए इसके ज्यादा मायने होंगे नहीं।

वह संघर्ष विराम से मिली मोहलत का इस्तेमाल भारत विरोधी चौतरफा तैयारियों के लिए कर फिर उठ खड़ा होगा। भारत से चार बार बुरी तरह युद्ध हार चुका पाकिस्तान प्रत्यक्ष युद्ध में नहीं जीत सकता, यह सच बहुत पहले उसके जनरल जिया उल हक ने स्वीकार कर लिया था। इसीलिए पाकिस्तान ने अलगाववाद और आतंकवाद के रूप में लंबे अप्रत्यक्ष युद्ध की रणनीति अपनायी। मजहब के आधार पर बना पाकिस्तान आतंकवाद की नर्सरी बन कर एक नाकाम देश ही नहीं, बल्कि दुनिया में शांति और सौहार्द के लिए खतरा बन चुका है। पाकिस्तानी हुक्मरान जैसी भाषा बोल रहे हैं, वह सेना के बढ़ते दबदबे और कमजोर होते लोकतंत्र का भी प्रमाण है। इन सब हालातों के मद्देनजर भारत को अब यह समझ लेना चाहिए कि एक बार फिर पाकिस्तान का नक्शा बदले बिना वह शांति और सौहार्द से नहीं रह सकता। आतंकियों के जनाजे में पाक फौजी तथा सरकारी फूल वहां की हकीकत बयां करने के लिए काफी हैं। हमने आतंकी सांप को उसकी पूंछ दबा कर ही छोड़ दिया है, जबकि जरूरत फन कुचलने की थी। कहते भी हैं कि घायल सांप ज्यादा खतरनाक होता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

दो टूक
डा. चन्द्र त्रिखा

अब हम लिखेंगे नई इबारत

अब कोई गुंजायश नहीं बची। कोई विकल्प नहीं। न कोई शिमला-समझौता, न कोई ताशकंश। हालात पल-पल में बदल रहे हैं। इस आलेख के 'प्रिंट' में जाने तक भी बहुत कुछ घट चुका होगा। इस पड़ोसी दुश्मन को तो यह भी पता नहीं कि उसकी जेब खाली है और पेट के लिए भी सिर्फ चार-छह दिनों का राशन है। उसके बाद पाक स्थित गुरुद्वारों का लंगर! उधार या मुफ्त मिले हथियारों से आखिर कितने दिन विश्व के नक्शे पर बचा रह पाएगा यह देश? मेरा एक सहयोगी बतला रहा था- सर, हमने जहां नोटबंदी देखी, लॉकडाउन से निपटे और क्रूर कोरोना को निपटाया, तो फेर इसतै भी निपट ल्यांगे, 'बाजण दयो नै लट्ठ'। ज़ाहिर है अभी 'पाकिस्तान के टुकड़े होंगे/इन्शा अल्लाह-इन्शा अल्लाह'। एक टुकड़ा 1971 में टूटा था, अब तीन और टूटने वाले हैं। बलोचों ने तो नया झंडा व अपना नक्शा भी तैयार कर लिया है। पख्तून उनसे भी पहले कमर कसे बैठे हैं। इनसे निपटे तो 'सरायकिस्तान' की सुगबुगाहट शुरू हो जाएगी। मज़हबी जुनून व खून के छटे दरिया के मुहाने पर बसाया गया यह देश चैन की नींद कैसे सो सकता है, जहां के फौजी, जरनैल एक खूंखार आतंकी के ताबूत को भी अपने कौमी झंडे में लपेटकर कंधा देते हैं और फिर कब्र में लिटाकर उलटे हथियारों से अंतिम सलामी देते हैं। नक्शे में बदलाव कैसे आएगा, यह तो नहीं मालूम। मगर यह पड़ोसी न तो यकीनन बाबा गुरु नानक, न बाबा फरीद और न ही वारिस शाह की विरासत के काबिल है। कितनी बड़ी त्रास्दी है कि हमारे शहीदे आज़म भगत सिंह ने इसी मुल्क में पहली बार आंख खोली थी और और इसी मुल्क में फांसी को चूमा था। यदि इस पड़ोसी मुल्क को विश्व के मानचित्र पर बने रहना है तो यहां के लोगों को अपने ही फौजी अगुवाओं के खिलाफ आवाज़ उठानी होगी। पिछले 78 वर्षों में पाक ने पांचवीं बार हम पर यह युद्ध थोंपा है। वर्ष 1948, 1965 और 1971 के इलावा भी कारगिल सरीखी विजय-गाथाओं की इबारत हमारे सैनिकों व नागरिकों ने अपने खून से लिखी है। इस बार भी वही होगा, जो पहले चार बार हुआ है। मगर हर बार हमने अंतरराष्ट्रीय दबावों तले इस पड़ोसी को 'प्राण दान' दिया है। इस बार शायद नहीं दे पाएंगे। ज़ाहिर है कि वर्तमान पाकिस्तान तीन या चार टुकड़ों में बंटेगा। एक लम्बी 'प्राक्सी वार' व अघोषित युद्ध के बावजूद हमने विकास व आत्मनिर्भरता का अलाव जलाए रखा है। इन्हीं के अल्लामा इकबाल ने कहा था, 'कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी'। अब हमें समझ आ गया है कि हमारी 'हस्ती' का आधार आत्मनिर्भरता व विकास के संकल्प हैं। हम तो पांचवीं बार भी इस नापाक की नापाक साज़िशों से मुक्ति पाने में सफल रहेंगे, मगर पड़ोस में जो बचेगा, वो क्या होगा, कैसा होगा, यह अभी तय नहीं है। यह वर्ष 2000 की बात है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन भारतीय उपमहाद्वीप की यात्रा पर आए थे। उन्होंने एक बात कही थी, मगर पाकिस्तान उसे आज तक नहीं समझा। उन्होंने तब कहा था, 'जो राष्ट्रीय सीमाएं खून से बनती हैं, उन्हें आप दोबारा नहीं बना सकते।' वहीं विदेश मंत्री के रूप में यात्रा पर आई हिलेरी क्लिंटन ने साफ-साफ कहा था कि 'आप अपने घर के पिछवाड़े सांप पालेंगे और सोचेंगे कि सांप सिर्फ पड़ोसी को ही काटेगा, तो यह संभव नहीं है।' अन्य कई देशों व विदेशी गुप्तचर एजेंसियों ने भी समय-समय पर पाकिस्तान के शासकों को बताया था कि जो दहशतगर्दों के कैंप आपके यहां हैं, इसका फायदा आपको होने वाला नहीं है। यही आतंकी पाकिस्तान पर भी अटैक करते हैं। कितने ऐसे हमले वहां होते रहते हैं। कभी शिया के विरोध में तो कभी किसी मस्जिद पर ही हमला हो जाता है। वैसे पाकिस्तान के लिए यह बहुत अच्छा मौका है। जो काम करने की उसमें हिम्मत नहीं थी, वह भारत ने कर दिखाया। उनके देश में डेरा डाले आतंकियों के नौ ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। बाकी जो बचे हैं, आप खुद खत्म कर दीजिए। हमारा आपसे कोई झगड़ा नहीं है। झगड़ा बस इस बात का है कि आप हमारी संसद पर आक्रमण करते हैं। 2008 में मुंबई पर हमला करते हैं। पाकिस्तान अपने यहां बसे आतंकवाद को खत्म कर दे तो भारत से उसका रिश्ता बहुत अच्छा हो सकता है। अब सवाल ढेरों हैं जिनका जवाब सिर्फ पाकिस्तान को नहीं तलाशना, हमें भी उन सवालों पर सोचना है। तो क्या फिर कोई शिमला या ताशकंद मसविदा हमारे सामने आएगा? ये सभी प्रश्न हमारे राष्ट्रीय नेतृत्व के सामने उठे होंगे? ज़ाहिर है ऐसे सवालों के जवाब 'रेडीमेड' नहीं होते। फिलहाल स्थितियां ये हैं कि हम इस नापाक पड़ोसी को नेस्तनाबूद तो शायद नहीं कर पाएंगे? यदि इसको लंगड़ा-लूला बना भी देंगे तो क्या ऐसा टूटा-फूटा देश अपने लिए नए सहारों, नई कठौतियों की तलाश नहीं करेगा? ये कठौतियां 'मेड इन चाइना होंगी' या 'मेड इन अमेरिका' या 'मेड इन तुर्किए'? पाकिस्तान तो कठौतियों के मामले में भी आत्मनिर्भर नहीं बन पाया।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार और साहित्यकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कृष्ण योग के सूत्र

संकलित
दर्शन

भगवान श्रीकृष्ण के अनुसार सिर्फ शरीर का नियमन ही योग नहीं है, बल्कि आत्मा के साक्षात्कार के लिए किया गया हरेक प्रयास योग की श्रेणी में आता है। इसी कारण श्रीकृष्ण को योगेश्वर कहा जाता है । वे जनक हैं योग के, धाराएं बहती हैं उनसे योग की, बस जिसको जो आयाम स्पर्श करता है, वह उस आयाम पर अग्रसर हो जाता है। आप जिस योग को योग मानते है, वह पतंजलि योग है। पतंजलि सबसे बड़े वैज्ञानिक है अंतर्जगत के। उनकी पहुंच एक वैज्ञानिक मन की है। उनके पास वैज्ञानिक मसतिष्क है, लेकिन उनकी यात्रा भीतरी है। किंतु हमारे कृष्ण योगेश्वर हैं । वे दृष्टि देते हैं, स्वतंत्रता देते है, प्रेम और करुणा से आपको भरते है। वे जिससे आपको भरते हैं, वे वह स्वयं ही हैं, इसीलिए कृष्ण का योग धारा बन जाता है, आपसे आपको मिलता है और एक दिन केवल वही ही बचते हैं, आप उनमें मिल जाते हैं। कुछ कृष्ण के योग के पहलू जो केवल हम श्रवण करते हैं, पढ़ते हैं, पर वे सूत्र हैं कृष्ण-योग के 'तस्माद्योगाय युज्यस्व योगः कर्मसु कौशलम' अर्थात इससे समत्वबुद्धि योग के लिए ही चेष्टा करो, यह समत्वबुद्धि-रूप योग ही कर्मों में चतुरता है। अर्थात कर्मो में कुशलता को ही योग कहते है। कृष्ण तीन शब्दों का प्रयोग करते हैं-अकर्म, कर्म और विकर्म। कर्म वे उसे कहते हैं, सिर्फ करने को ही कर्म नहीं कहते। अगर करने को ही कर्म कहें, तब तो अकर्म में कोई जा ही नहीं सकता। फिर तो अकर्म हो ही नहीं सकता।

दूसरों की जरूरतें पूरी करना ही दान है

संकलित
प्रेरणा

महाभारत का एक प्रसंग है। एक दिन युधिष्ठिर ने वेद व्यास से पूछा कि दान बड़ा है या पूजा-पाठ और तपस्या? व्यास जी ने युधिष्ठिर को अपनी बात समझाने के लिए एक कथा सुनानी शुरू की। व्यास जी ने कहा कि एक मुद्गल नाम के महर्षि थे, वे भिक्षा मांगकर जीवन चलाते थे। भिक्षा में उन्हें आटा, खाने-पीने की चीजें, हवन सामग्री मिल जाती थीं। दान में मिली चीजों से ही वे खाना बनाते और पूजा-पाठ करते थे। कभी-कभी ऐसे दिन भी आते थे, जब उन्हें भिक्षा नहीं मिल पाती थी। अधिकतर अमावस्या और पूर्णिमा पर ऐसा हुआ करता था। इन दोनों तिथियों पर ऋषि मुद्गल से मिलने दुर्वासा ऋषि आया करते थे। दुर्वासा मुनि को खाना खिलाने के बाद उनके लिए कुछ बचता नहीं था तो उन्हें भूखे रहना पड़ता था। एक दिन फिर ऐसा ही हुआ तो दुर्वासा मुनि ने मुद्गल ऋषि से पूछा कि आप मुझे खाना देकर खुद भूखे रहते हैं, लेकिन मैंने कभी भी आपके चेहरे पर भूख के लक्षण नहीं देखे हैं, क्या आपको भूख नहीं लगती है? मुद्गलजी ने कहा कि मेरे लिए दान का महत्व सबसे ज्यादा है। अन्न दान तो सर्वश्रेष्ठ होता है, जब आपकी भूख शांति होती है, तब मैं भी तृप्त हो जाता हूं। मैं दान पुण्य कमाने के लिए नहीं करता हैं, मैं सिर्फ दूसरों की मदद करना चाहता हूं। व्यास जी ने युधिष्ठिर को आगे समझाया कि तपस्या स्वयं के लिए की जाती है, लेकिन दान हमेशा दूसरों की भलाई के लिए किया जाता है। इसलिए दूसरों की आवश्यकता की पूर्ति करना ही दान है। इसलिए दान तप से भी श्रेष्ठ है।

अंतर्मन

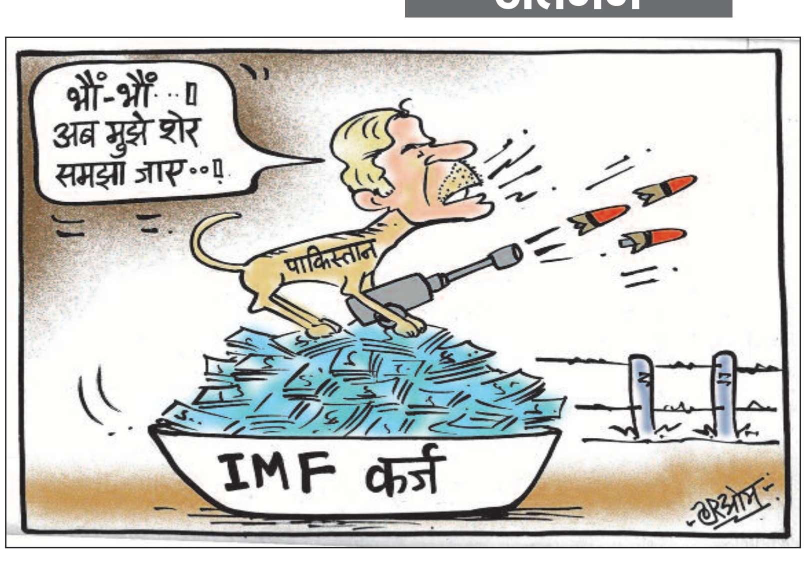

आज की पाती

मां में देख सकते हैं ईश्वर का रूप

मां का छोटा-सा शब्द अपने भीतर भावनाओं का महासागर समेटे है। मां केवल जन्मदात्री नहीं होती, वह जीवन की प्रथम शिक्षिका, प्रथम मित्र और प्रथम मार्गदर्शिका भी होती है। जब एक शिशु पहली बार रोता है, तो मां अपनी गोद और अपने स्पर्श से उसे पहली सुरक्षा देती है। मां की गोद ही बच्चे का पहला आश्रय बनती है। मां के लिए वैदिक और पौराणिक काल के ग्रंथों ने जो कहा है, वो आज भी यथावत है। वेदों ने मां को मानव जीवन में सबसे ऊंचा स्थान दिया है। वेदों से संहिताओं तक, वाल्मीकि रामायण से महाभारत तक, सारे ग्रंथों ने निर्विवाद रूप से माता को ही देवताओं से भी ऊपर माना है। जब शब्द कम पड़ जाते हैं और भावनाएं उमड़ने लगती हैं, तब मन अचानक ही मां को याद करता है। 11 मई को मदर्स डे पर मां की महती भूमिका को स्वीकार करने की जरूरत है। – *ममता वैष्णव, धमतरी*

करंट अफेयर

भारतीय रॉकेटों का इस्तेमाल करने इच्छुक अमेरिकी कंपनी

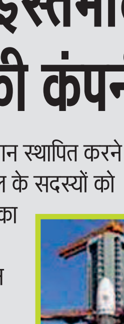

अगले साल दुनिया का पहला वाणिज्यिक अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की योजना बना रही अमेरिकी कंपनी 'वास्ट' ने चालक दल के सदस्यों को कक्षीय प्रयोगशाला में पहुंचाने के लिए भारतीय रॉकेटों का उपयोग करने में रुचि दिखाई है। 'वास्ट' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मैक्स होट ने यहां वैश्विक अंतरिक्ष अन्वेषण सम्मेलन के अवसर पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के नेतृत्व दल से मुलाकात की और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में संभावित सहयोग पर चर्चा की। यह अंतरिक्ष-आवासन कंपनी एक अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की दौड़ में है जो मौजूदा अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का अगला संस्करण होगा। मौजूदा अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का कार्यकाल 2031 तक है। कैलिफोर्निया स्थित यह कंपनी मई 2026 में 'स्पेसएक्स फाल्कन 9' रॉकेट पर एकल-मॉड्यूल अंतरिक्ष स्टेशन हेवन-1 लगाने की योजना बना रही है। होट ने बताया, 'फिलहाल, हम मई 2026 के लिए अपने लॉन्च की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।' अगले साल जुलाई तक अंतरिक्ष यात्रियों को कक्षीय प्रयोगशाला में भेजने से पहले, वास्ट की इस अंतरिक्ष स्टेशन पर कई परीक्षण करने की योजना है। हेवन-2 एक बहुत बड़ा अंतरिक्ष स्टेशन होगा।

ऑफ बीट

लाफिंग गैस के निरंतर उपयोग से मौत संभव

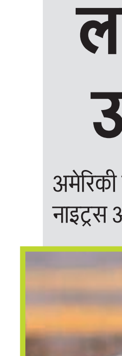

अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन अमेरिकी नागरिकों को मनोरंजन के लिए नाइट्रस ऑक्साइड उत्पादों के लगातार बढ़ते और संभावित रूप से घातक उपयोग के बारे में चेतावनी दे रहा है, विशेष रूप से युवाओं के बीच। नाइट्रस ऑक्साइड को आमतौर पर लाफिंग गैस कहा जाता है। 'गैलेक्सी गैस' और 'मियामी मैजिक' जैसे नामों से बेचे जाने वाले ये उत्पाद सस्ते हैं और गैस स्टेशन, बड़े किराना स्टोर और वॉलमार्ट सहित प्रमुख खुदरा दुकानों पर आसानी से उपलब्ध हैं। इन्हें ऑनलाइन भी बेचा जाता है। सार्वजनिक स्वास्थ्य मामलों के सहायक प्रोफेसर के रूप में इन उत्पादों का अध्ययन करने के चलते मैं जानता हूं कि ये कितने खतरनाक हो सकते हैं। लाफिंग गैस का मनोरंजन के लिये या अन्य वजहों से निरंतर उपयोग कई प्रकार की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है, और कुछ मामलों में मृत्यु भी हो सकती है। संभावित नुकसान की एक लंबी सूची : लाफिंग गैस के बार-बार इस्तेमाल से होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों की सूची लंबी है। इसमें स्मृति हानि, मतिभ्रम, सिरदर्द, चक्कर आना, चिड़चिड़ापन, रक्त के थक्के, अंगों की कमजोरी, चलने में परेशानी, आंत्र या मूत्राशय की समस्या, रीढ़ की हड्डी से जुड़ी समस्या और मस्तिष्क क्षति शामिल हैं।

ट्रेंड

प्रौद्योगिकी दिवस की बधाई

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर शुभकामनायें। यह हमारे वैज्ञानिकों के प्रति गर्व और कृतज्ञता व्यक्त करने और 1998 के पोखरण परीक्षणों को याद करने का दिन है। वे हमारे देश के विकास पथ में एक ऐतिहासिक घटना थी, खासकर आत्मनिर्भरता की दिशा में हमारी खोज में।
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

हमारी जिम्मेदारी

मैंने असम सरकार के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे राज्य के प्रत्येक जवान के परिवार से संपर्क करें। हमारी सेना देश के लिए लड़ रही है, और उनके परिवारों की देखभाल करना हमारी जिम्मेदारी है।
-हिमंत बिस्वा सरमा, सीएम, असम

'माँ' को नमन

नमन उस आदि शक्ति को, जिसे हम श्रद्धा से 'माँ' कहते हैं। आज मातृदिवस के अवसर पर हम उस ममता, धैर्य और त्याग को प्रणाम करते हैं, जिसने हमें जन्म दिया, चलना सिखाया और हर संघर्ष में हमारी सबसे मजबूत ढाल बनकर खड़ी रही।
-रेखा गुप्ता, सीएम दिल्ली

जय हिंद

यह भारत का उसूल है- न हम किसी को पहले छेड़ते हैं, न ही बाद में किसी को छोड़ते हैं। हम 140 करोड़ लोग चट्टान की तरह अपनी सेना के साथ खड़े हैं। मेरा छोटा सा संदेश.... जय हिंद।
-राघव चड्ढा, सांसद, आप

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

'एसएसएमबी 29' में नजर आएंगे महेश बाबू

मुंबई। महेश बाबू एसएस राजामौली की अगली बहुप्रतीक्षित फिल्म 'एसएसएमबी 29' में नजर आएंगे। मौजूदा वक्त में फिल्म की शूटिंग चल रही है।

हाल ही में फिल्म की शूटिंग हैदराबाद और ओडिशा में हुई थी। अब अगला मेन शेड्यूल हैदराबाद और एक अन्य लोकेशन पर होना तय है। हालांकि, अभी इस लोकेशन की जानकारी सामने नहीं आई है। 'एसएसएमबी 29' में पहली बार महेश बाबू एसएस राजामौली के साथ काम कर रहे हैं। इस फिल्म में महेश बाबू के अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन और प्रियंका चोपड़ा भी प्रमुख भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

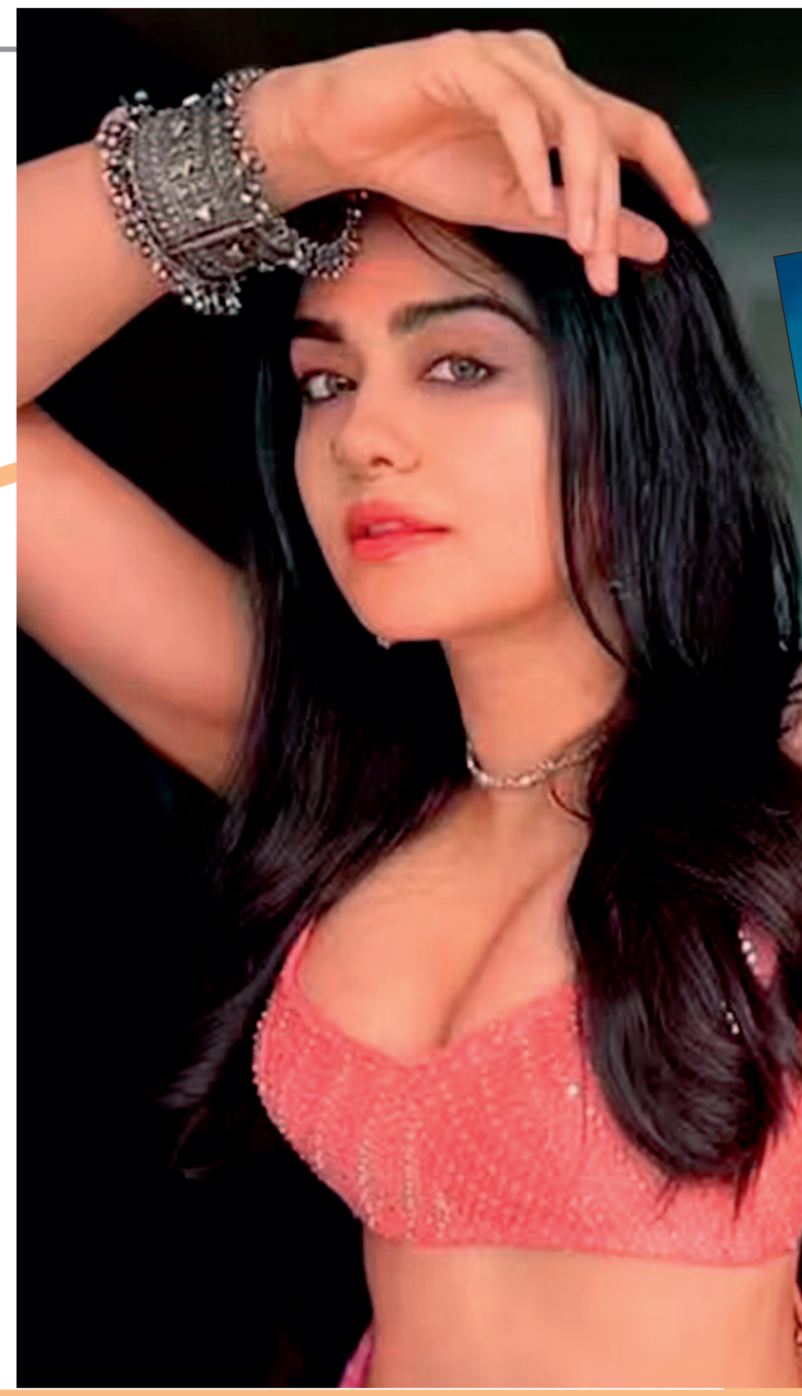

लाइफStyle

अदा

बॉलीवुड से लेकर साउथ तक कमाया नाम

बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियां ऐसी हैं जो कई कलाओं में माहिर हैं। अदा शर्मा का नाम भी उन्हीं अभिनेत्रियों में आता है। उन्होंने न सिर्फ हिंदी सिनेमा में अपनी अदाकारी से लोगों का मन मोह लिया है, बल्कि उन्होंने साउथ सिनेमा में भी अपनी अदाकारी से छाप छोड़ी है। वह कई तरह की डांस में माहिर हैं।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अदा मार्शल आर्ट भी जानती हैं। कई मौकों पर वह अपनी कला का प्रदर्शन भी करती हैं। अदा शर्मा का जन्म सपनों के शहर मुंबई में 11 मई 1992 को हुआ था। शर्मा का कोई भी फिल्मी बैकग्राउंड नहीं है इसके बावजूद उन्होंने फिल्मी दुनिया में नाम कमाया है। अदा शर्मा के पिता एस एल शर्मा तमिलनाडु से थे। वह भारतीय नैवी में थे। उनकी मां केरल से हैं और क्लासिकल डांसर हैं। कह सकते हैं कि अदा शर्मा की मां डांसर थीं इसलिए अदा का रुझान फिल्मी दुनिया की तरफ हुआ। अदा शर्मा ने अपनी पहली ही फिल्म में कमाल कर दिया था। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद अदा शर्मा ने साल 2008 में फिल्म '1920' से बॉलीवुड में कदम रखा।

इस हॉरर फिल्म की खूब तारीफ हुई। फिल्म में बेहतरीन काम करने के लिए अदा शर्मा को सर्वश्रेष्ठ डेब्यू अभिनेत्री के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड में नामांकित किया गया। इसके बाद अदा ने 2014 में फिल्म 'हंसी तो फंसी' में अदाकारी की। इसी साल अदा ने तेलुगु फिल्म 'हार्ट अटैक' में बेहतरीन काम किया। साल 2023 में 'द केरल स्टोरी' में उन्होंने मुख्य किरदार निभाया। अदा शर्मा ने अपने करियर में कई फिल्में की हैं लेकिन उन्हें सबसे ज्यादा तारीफ पहली फिल्म '1920' के लिए मिल चुकी है।

हॉलीवुड मसाला

गॉडजिला का बन रहा सीक्वल

लॉस एंजिल्स। बीते साल 2024 में गॉडजिला और कौंग की भीषण लड़ाई ने सिनेमाघरों में खूब धूम मचाई थी। मॉन्स्टरवर्स की यह छठी फिलम थी और इसने वर्ल्डवाइड 4566.06 करोड़ रुपए का कारोबार किया। यह फिल्म भारत में भी सुपरहिट साबित हुई और 112.54 करोड़ का नेट कलेक्शन किया था। अब मेकर्स ने फ्रेंचाइज की अगली फिल्म की ना सिर्फ घोषणा की है, बल्कि फिल्म के टाइटल 'गॉडजिला और कौंगः सुपरनोवा' के साथ ही 43 सेकेंड का एक टीजर वीडियो भी शेयर कर दिया है।

क्लो हुईं शाहरुख के नेकलेस की दीवानी

लॉस एंजिल्स। अमेरिकन टीवी एक्ट्रेस क्लो कार्दशियन ने अपने स्नैपचैट स्टोरी में शाहरुख खान की कुछ तस्वीरें शेयर कर उनकी तारीफ की है। उन्होंने किंग खान के बारे में लिखा, 'और निश्चित रूप से मैं 'K' नेकलेस की फैन हूं।' इसके आगे उन्होंने बताया, 'वह शानदार लग रहे थे, और यह देखना बहुत अच्छा है कि कैसे प्रतिभाशाली डिजाइनर दुनिया भर से अपनी संस्कृति और फैशन के तत्वों को इवेंट की थीम के साथ शामिल करते हैं।' आगे क्लो कार्दशियन ने बताया, 'भारतीय डिजाइनर सब्यसाची मुखर्जी द्वारा तैयार किए गए उनके लुक में भारतीय मेन्सवियर के डिजाइन तत्व शामिल किए गए हैं।' इसके अलावा उन्होंने कहा, 'मुझे किंग खान को मेट गाला में देखकर बहुत अच्छा लगा।

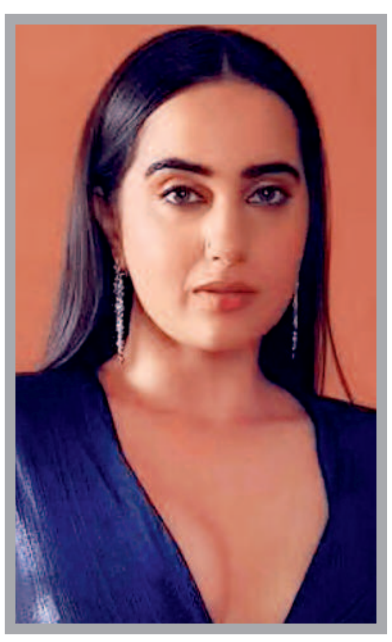

फर्जी अकाउंट का शिकार हुईं कपिला...

मुंबई। अभिनेत्री और डिजिटल इंफ्लुएंसर एक बार फिर चर्चा का हिस्सा बन गईं जब उनके नाम से एक फर्जी फेसबुक अकाउंट बन गया। इस फर्जी अकाउंट के जरिए लोगों से पैसे मांगे जा रहे हैं। अब अभिनेत्री ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए सभी फैंस को इस फ्रॉड से बचने की अपील की है। हम बात कर रहे हैं एक्ट्रेस कुशा कपिला की, जिन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए बताया कि एक फेसबुक पेज उनके नाम और तस्वीर का इस्तेमाल कर रहा है, लेकिन वह उस अकाउंट से जुड़ी नहीं हैं। उन्होंने साफ किया कि उस अकाउंट पर जो भी आपत्तिजनक संदेश भेजे जा रहे हैं या पैसों की मांग की जा रही है, उसका उनसे कोई लेना-देना नहीं है। कुशा के इस फर्जी अकाउंट के बायो में लिखा हुआ है, 'छोटा और बेवकूफ' जिसे पढ़ने के बाद फैंस भी काफी दंग हैं।

इंग्लिश में भी बनेगी ऑपरेशन सिंदूर

मुंबई। बॉलीवुड में कई फिल्ममेकर्स हैं जो इस वक्त ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बनाना चाहते हैं। इस टाइटल को कई निर्माता ट्रेडमार्क करने की सोच रहे हैं। इसी बीच एक प्रोडक्शन कंपनी ने दावा किया है उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर टाइटल का ट्रेडमार्क करवा लिया है। साथ इन लोगों ने फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' का एक पोस्टर भी जारी किया। इसी बात को लेकर ये मेकर्स ट्रोल्स भी हुए थे, इन्होंने माफी भी मांगी थी। अब फिल्म से जुड़ा नया अपडेट सामने आया है। निक्की विक्की भगनानी फिल्म्स और द कंटेंट इंजीनियर नाम के एक प्रोडक्शन हाउस ने दावा किया है कि उनके पास कानूनी तौर पर ऑपरेशन सिंदूर का टाइटल है। इसके बाद ही उन्होंने फिल्म का पोस्टर भी जारी किया है। इस फिल्म की कास्टिंग अभी नहीं हुई लेकिन जल्द ही इसके बारे में भी जानकारी प्रोडक्शन हाउस देगा।

केवल चार महीने के लिए ही था मेरा किरदार...

नई दिल्ली। टीवी अभिनेता मनीष गोयल पिछले कुछ वक्त से टीवी के मशहूर धारावाहिक 'अनुपमा' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। ऐसी खबरें चल रही हैं कि सीरियल की मुख्य अभिनेत्री रूपाली गांगुली से मतभेदों के चलते मनीष ने अनुपमा शो को छोड़ दिया है। अब चर्चाओं पर अभिनेता मनीष गोयल ने चुप्पी तोड़ते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने पूरे मामले में क्या सच्चाई है ये बताया है। अभिनेता ने कहा, अनुपमा में राघव के रूप में उनकी भूमिका कभी भी स्थायी नहीं थी और शुरू से ही यह कुछ दिनों के लिए ही बनाई गई थी। मेरा किरदार केवल चार महीने तक चलने वाला था। उसमें से मैंने पहले ही तीन महीने पूरे कर लिए हैं। मनीष ने रोल को लेकर विवाद और शो छोड़ने की अफवाहों को खारिज किया। उन्होंने कहा, जब किसी अभिनेता का कैमियो बढ़ाया जाता है, तो यह उनके लिए बहुत अच्छा काम करता है और यदि ऐसा नहीं होता है, तो भी ठीक है। क्योंकि इसके बारे में आपको पहले से ही बताया जा चुका होता है। मनीष के इस स्पष्टीकरण के बाद यह साफ है कि शो में अचानक कोई बदलाव या विवाद नहीं हुआ है। न ही उनके किरदार को किसी विवाद के चलते हटाया गया। यह पहले से ही निर्धारित था। जिसके कारण उनके चरित्र को समाप्त कर दिया गया। रूपाली गांगुली के साथ झगड़े की अफवाहों को खारिज करते हुए मनीष ने कहा, रूपाली और मेरी पहचान आज की नहीं है। मैं उन्हें तब से जानता हूं जब मैं मुंबई आया था।

किसी पागल औरत के लिए वो कभी नहीं छोड़ेंगे : सुनीता

मुंबई। किसी पागल औरत के लिए वो कभी नहीं छोड़ेंगे, क्योंकि हम एक दूसरे के बिना बिल्कुल नहीं रह सकते। मुझे पूरा यकीन है कि भगवान मेरे घर को टूटने नहीं देंगे। यह कहना है बॉलीवुड एक्टर गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा का, जिन्होंने तलाक की अफवाहों का अब सच बताया है। सुनीता ने डिवोर्स की खबरों पर अब खुद सामने आकर विराम लगा दिया है। एक इंटरव्यू में सुनीता ने अपनी जिंदगी से जुड़े कई पहलुओं के बारे में बताया। इस दौरान जब उनसे पिछले काफी समय से उड़ रहीं तलाक की अफवाहों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बेबाकी से अपनी बात रखी और साफ शब्दों में कहा कि उनके और गोविंदा के बीच ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा, 'अगर कभी ऐसा कुछ होता भी है, तो सबसे पहले मैं या गोविंदा खुद मीडिया को बताएंगे। मुझे समझ नहीं आता कि लोग बिना पुष्टि किए अफवाहों पर विश्वास क्यों कर लेते हैं।' आगे बात करते हुए सुनीता ने कहा, 'मैं और गोविंदा एक-दूसरे के बिना नहीं रह सकते। गोविंदा कभी भी अपने परिवार को छोड़ने का फैसला नहीं कर सकते और न ही वो किसी 'पागल औरत' के लिए ऐसा करेंगे।' उनका यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस की अलग-अलग प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

निरूपा रॉय से लेकर इन अभिनेत्रियों तक ने निभाए सबसे ज्यादा मां के रोल, बड़े पर्दे पर दिखाई ममता

नई दिल्ली। 'तू कितनी अच्छी है, तू कितनी भोली है, प्यारी-प्यारी है, ओ मां, ओ मां' मां को समर्पित 'राजा और रंक' फिल्म का ये गीत बॉलीवुड के यादगारों गीतों में से एक है। आज मदर्स डे के मौके पर ये गीत आपको कई लोगों के व्हाट्सएप स्टेटस और इंस्टाग्राम स्टोरी में सुनने को मिल जाएगा। हर किसी के जीवन में मां का किरदार सबसे अहम होता है। बॉलीवुड में भी कई ऐसी अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने पर्दे पर मां के किरदार को जीवंत किया है। कुछ अभिनेत्रियों ने तो एक नहीं बल्की कई फिल्मों में मां की भूमिका निभाई है।

निरूपा रॉय : 'मेरे पास मां है', अमिताभ बच्चन-शशि कपूर की 'दीवार'फिल्म का ये डायलॉग जिस मां के लिए बोला गया है वो कोई और नहीं बल्कि अभिनेत्री निरूपा रॉय हैं। हिंदी फिल्मों में मां पर बात हो और निरूपा रॉय का जिक्र न हो, ऐसा तो हो ही नहीं सकता। निरूपा रॉय ने दीवार, दो बीघा जमीन, अमर-अकबर-एंथोनी, सुहाग, मुकद्दर का सिकंदर और मर्द जैसी कई यादगार फिल्मों में मां का किरदार निभाया है। निरूपा रॉय ने अपने करियर में अमिताभ बच्चन और शशि कपूर से लेकर धर्मेंद्र और देवानंद सरीखे कई स्टार्स की मां का किरदार निभाया है। ऐसा कहा जाता है कि निरूपा रॉय ने अपने करियर में लगभग 200 फिल्मों में मां की भूमिका निभाई है। इसीलिए उन्हें बॉलीवुड की मां कहा जाता है।

दुर्गा खोटे : बॉलीवुड की ऐतिहासिक फिल्म 'मुगल ए आजम' में दिलीप कुमार के किरदार सलीम की मां का रोल तो आपको याद ही होगा। इस किरदार को निभाया था अभिनेत्री दुर्गा खोटे ने। अपने लगभग पांच दशक लंबे करियर में दुर्गा खोटे ने अधिकतर फिल्मों में मां का किरदार निभाया है। वो दिलीप कुमार से लेकर अमिताभ बच्चन और ऋषि कपूर तक की मां की भूमिका में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने नमक हराम, गोपी, इंसानियत, कर्ज, दौलत के दुश्मन और मुगल-ए-आजम जैसी फिल्मों में मां का किरदार निभाया है।

ललिता पवार : मां के कई रूप होते हैं। कभी वो ममता से भरी होती है, तो कभी उसमें एक सख्ती देखने को मिलती। ललिता पवार बॉलीवुड में दूसरे किस्म की मां के रूप में अधिक मशहूर हुईं। अपने सात दशक लंबे करियर में तकरीबन 700 से अधिक फिल्मों में काम करने के बाद ललिता पवार को प्रसिद्धि क्रूर सास और मां के किरदारों से ही मिली। उन्होंने ' अनारकल , परवरिश, अनाड़ी, जिस देश में गंगा बहती है और दुश्मन जैसी कई फिल्मों में मां का यादगार किरदार निभाया है।

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. CAOCWATETCEC3VSKP 2025007, दिनांक : 06.05.2025

कार्य का नाम: वैगन मरम्मत कार्यशाला/वाडला पुडी में NTXR जांच के लिए स्ट्रिपिंग यार्ड में 150 मीटर पिट और पेंट बूथ के पास पिट लाइन के साथ 200 मीटर लंबाई के कवर शेड का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत (₹): 9,68,57,013.56

EMD (₹): 6,34,300.00, कार्य पूरा होने की अवधि: 09 (नौ) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक : 28.05.2025 को 1200 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http:// www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा समाप्ति की तिथि से कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें। निविदाकारों / बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ना चाहिए एवं सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

उप मुख्य अभियन्ता (निर्माण-I), वाल्टियर

PR-21/CI/25-26

कई सेलेब्स ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी मां को किया याद

अनिल- सनी देओल समेत इन सेलेब्स ने किया मां को याद

मुंबई। रविवार को मदर्स डे के खास मौके पर करीना कपूर, अनिल कपूर से लेकर सनी देओल तक कई सेलेब्स सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी मां को याद किया या उनके प्रति अपना प्यार जताए। करीना कपूर और दीया मिर्जा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मदर्स डे के मौके पर प्यारी सी पोस्ट साझा की है। अपनी पोस्ट के जरिए वह मां होने के अहसास और ताकत के बारे में बता रही हैं। करीना और दीया के अलावा अंकिता लोखंडे ने भी मदर्स डे पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह मां के साथ गुजारे प्यारे पलों को शेयर कर रही हैं। इनके अलावा कई और एक्टर्स भी मदर्स डे पर सोशल मीडिया पर पोस्ट की है।

करीना ने मां की ताकत के बारे में बताया

करीना कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें मां की स्ट्रेंथ क्या होती है, इस बारे में लिखा है। करीना की पोस्ट में लिखा है कि एक मां हर दर्द को सहन करते हुए, बिना ब्रेक लिए अपने बच्चे की परवरिश करती है। वह ऐसा इसलिए कर पाती है क्योंकि उसका प्यार अपने बच्चे के लिए सच्चा होता है।

दीया ने नेचर से जोड़कर कही अपनी फीलिंग्स

दीया मिर्जा ने भी एक पोस्ट मदर्स डे पर किया है। इस पोस्ट में मदर्स डे विश किया गया है। मदर नेचर से जोड़कर दीया ने यह पोस्ट साझा की है। मदर नेचर कैसे हमने और हम उससे जुड़े रहते हैं, यही इस पोस्ट में लिखा है।

अल्लू अर्जुन : अभिनेता अल्लू अर्जुन ने भी मां के साथ तस्वीरें शेयर की हैं। साथ ही अपनी पत्नी और मां की साथ में कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इसके अलावा सभी मांओं को मदर्स डे की शुभकामनाएं दी हैं।

आपका प्यार मेरे लिए सबसे बड़ा उपहार है

सनी देओल ने अपनी मां प्रकाश कौर को मदर्स डे पर शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की है, जिसमें उन्होंने मां के साथ कई तस्वीरों की एक स्लाइड शेयर कीं और साथ ही एक इमोशनल नोट भी लिखा, जो अब सोशल मीडिया पर फैंस के बीच चर्चा का विषय बन चुका है। सनी देओल ने आज इंस्टाग्राम पर अपनी मां प्रकाश के साथ कई तस्वीरों की एक मूविंग स्लाइड शेयर की है। इन बेहतरीन और शानदार तस्वीरों की स्लाइड के साथ सनी ने कैप्शन में लिखा, 'उस महिला के लिए जिसने मुझे बिना कुछ मांगे सब कुछ दिया - आपका प्यार मेरे लिए सबसे बड़ा उपहार है। मदर्स डे की शुभकामनाएं, मां।' सनी की इस पोस्ट पर गदर अभिनेत्री अमीषा पटेल ने कमेंट में दिल वाले इमोजी बनाए हैं।

अनिल और बोनी कपूर ने मां को किया याद

हाल ही में बोनी और अनिल कपूर की मां निर्मला कपूर का निधन हुआ है। दोनों ही भाइयों ने मदर्स डे पर पोस्ट की और अपनी मां को याद किया। बोनी लिखते हैं, 'आपको अलविदा कहना सबसे मुश्किल था।'

रकुल प्रीत : रकुल प्रीत ने भी अपनी मां और सास के साथ तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा की है। इसमें रकुल लिखती हैं कि वह लकी जो एक नहीं दो मांएं मिलीं। साथ ही वह फैंस को भी मदर्स डे विश करती हैं।

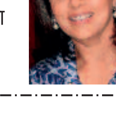

नीतू कपूर : नीत कपूर ने अपनी बेटी रिद्धिमा और बहू आलिया की तस्वीरें साझा करते हुए मदर्स डे पर सबको विश किया है।

SBI भारतीय स्टेट बैंक

केन्द्रीय भर्ती एवं पदोन्नति विभाग, कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई
फोन: 022-22820427 ; ई–मेल: crpd@sbi.co.in

आवेदन के लिए क्यूआर स्कैन करें

मंडल आधारित अधिकारियों की भर्ती

भारतीय स्टेट बैंक में नियमित आधार पर मंडल आधारित अधिकारियों के रूप में नियुक्ति के लिए पात्र भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं.

रिक्तियों की संख्या : 2964
(बैकलॉग रिक्ति सहित)

पात्रता मानदंड (आयु, शैक्षणिक योग्यता, आदि), आवश्यक शुल्क, ऑनलाइन आवेदन करने एवं ऑनलाइन शुल्क भुगतान के लिए बैंक की वेबसाइट https://bank.sbi/careers पर विज्ञापन क्र. CRPD/CBO/2025-26/03 के अंतर्गत लिंक उपलब्ध हैं. अभ्यर्थियों को परामर्श दिया जाता है कि वे विस्तृत विज्ञापन देखें और आवेदन करने एवं शुल्क भुगतान करने से पहले अपने पात्रता मानदंडों और अन्य विवरणों को सुनिश्चित कर लें.

- ऑनलाइन आवेदन दाखिल करने और शुल्क भुगतान की तिथि: 09.05.2025 से 29.05.2025 तक.

अन्य पूछताछ के लिए कृपया "CONTACT US" →"Post Your Query" लिंक के माध्यम से हमें लिखें, जो बैंक की वेबसाइट https://bank.sbi/careers पर उपलब्ध है.

स्थान: मुंबई
दिनांक: 09.05.2025
महाप्रबंधक (आरपी एंड पीएम)

खबर संक्षेप

बैंक ऑफ इंडिया का शुद्ध लाभ 82 प्रतिशत उछला

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) का जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 82 प्रतिशत उछलकर 2,626 करोड़ रुपये हो गया। बैंक की शुद्ध ब्याज आय समीक्षाधीन तिमाही में दो प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 6,063 करोड़ रुपये रही, लेकिन अन्य आय 96 प्रतिशत बढ़कर 3,428 करोड़ रुपये हो गई।

बीते सप्ताह रही सभी तेल तिलहन की कीमतों में सुधार

नई दिल्ली। मंडियों में कम आवक और मांग बढ़ने के बीच बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजार में सभी तेल-तिलहन के दाम मजबूत बंद हुए। इस सुधार के बावजूद मूंगफली और सोयाबीन का हाजिर दाम अब भी न्यूनतम समर्थन मूल्य से काफी नीचे है। सुधार पिछले सप्ताह की कीमत के मुकाबले जरूर आया है पर वास्तव में इसे सुधार कहना अनुचित होगा।

मर्सिडीज- बेंज इंडिया व बीएमडब्ल्यू ने समझौते को सकारात्मक बताया

भारत-ब्रिटेन एफटीए से लक्जरी कार की कीमतों पर विशेष असर नहीं : कंपनियां

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मर्सिडीज-बेंज इंडिया और बीएमडब्ल्यू ने भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को एक सकारात्मक घटनाक्रम बताते हुए कहा है कि इससे देश में लक्जरी कार की कीमतों पर विशेष असर नहीं पड़ेगा।

पिछले सप्ताह भारत और ब्रिटेन ने एक ऐतिहासिक व्यापार करार पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क कम होगा और ब्रिटिश कंपनियों के लिए भारत में व्हिस्की, कार और अन्य उत्पादों का निर्यात करना आसान हो जाएगा। इस करार का उद्देश्य दोनों देशों के बीच आपसी व्यापार को 2030 तक दोगुना कर 120 अरब डॉलर पर पहुंचाना है। अभी द्विपक्षीय व्यापार 60 अरब डॉलर है।

समझौते में पर्याप्त सुरक्षा उपाय शामिल

भारत ने अपने संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा के लिए समझौते में पर्याप्त सुरक्षा उपाय शामिल किए हैं और वाहन क्षेत्र में आयात शुल्क 10-15 साल में कम किया जाएगा। ब्रिटेन से पेट्रोल और डीजल इंजन वाहनों के आयात पर शुल्क रियायत पूर्व-निर्धारित कोटा तक सीमित है।

मर्सिडीज ने मुक्त व्यापार की वकालत की

मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संतोष अय्यर ने कहा, "मूल रूप से हमने हमेशा एक बहुराष्ट्रीय कंपनी के रूप में मुक्त व्यापार की वकालत की है, क्योंकि हमें लगता है कि यह बेहतर वृद्धि में मदद करता है... इसलिए मुझे लगता है कि हमारे लिए निश्चित रूप से यह एक स्वागतयोग्य कदम है।"

आज भी 15 से 16 प्रतिशत शुल्क

सीईओ अय्यर ने कहा कि भारत-ब्रिटेन समझौते और भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत के कारण ऐसी उम्मीद है कि कारों के दाम घटेंगे। अय्यर ने कहा, भारत में हम (उद्योग) जितनी कारें बेचते हैं, उनमें से लगभग 95 प्रतिशत सीकेडी के रूप में हैं। इसका मतलब है कि आज भी मुश्किल से 15-16 प्रतिशत शुल्क है।

कीमतों में भारी कटौती की उम्मीद

इसलिए कीमतों में भारी कटौती की उम्मीद करना, मुझे नहीं लगता कि एफटीए के साथ भी ऐसा होगा। उन्होंने कहा कि दूसरा महत्वपूर्ण कारक आयातित कारों के लिए कोटा-आधारित प्रणाली है।

कंपनी मुक्त बाजार पहुंच का समर्थन करती है

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष और सीईओ विक्रम पावाह ने कहा कि वाहन कंपनी मुक्त बाजार पहुंच और व्यापार बाधाओं में कमी का समर्थन करती है क्योंकि यह समग्र आर्थिक वृद्धि के साथ उपभोक्ताओं के लिए भी लाभ की स्थिति है।

- पिछले सप्ताह ऐतिहासिक व्यापार करार पर हस्ताक्षर किए गए
- एफटीए से 99 फीसदी भारतीय निर्यात पर शुल्क कम होगा
- ब्रिटिश कंपनियों को भारत में व्हिस्की, कार आदि निर्यात करना होगा आसान

एफटीए में वस्तुएं, सेवाएं और परिवहन शामिल

पावाह ने कहा, "भारत-ब्रिटेन एफटीए एक ऐतिहासिक करार प्रतीत होता है, जिसमें वस्तुएं, सेवाएं और परिवहन शामिल हैं और यह विकसित भारत के व्यापक दृष्टिकोण में योगदान देगा। हालांकि, पाहवा ने कहा कि भारतीय लक्जरी कार खंड पर इसका प्रभाव तब स्पष्ट होगा, जब इसके विवरण सामने आएंगे।

आपात स्थिति में सरकार का देश में उत्पादित तेल-गैस पर अधिकार होगा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- संशोधित तेल क्षेत्र कानून के तहत तैयार किए जा रहे नियम
- मकसद सरकार का राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देना

संशोधित तेल क्षेत्र कानून के तहत तैयार किए जा रहे नियमों के मसौदे में राष्ट्रीय आपात स्थिति में देश में उत्पादित सभी तेल और प्राकृतिक गैस पर सरकार का पूर्व-अधिकार होगा। पूर्व-अधिकार किसी पक्ष-अक्सर सरकार या मौजूदा शेयरधारक-का कानूनी अधिकार है कि वह किसी उत्पाद, परिसंपत्ति या संसाधन को दूसरों को पेश किए जाने से पहले उसकी खरीद या उसपर दावा कर सकता है। भूमिगत या समुद्र तल के नीचे से निकाले गए और पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में बदले गए कच्चे तेल के साथ ही प्राकृतिक गैस (जिसका उपयोग बिजली उत्पादन, उर्वरक उत्पादन, वाहन के लिए सीएनजी और पाइप वाली रसोई गैस के लिए किया जाता है) पर इस तरह के अधिकार का मकसद सरकार को राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देने के दौरान सार्वजनिक कल्याण सुनिश्चित करने में मदद करना है।

पट्टेदार को प्रचलित दर पर भुगतान होगा : इस अधिकार का इस्तेमाल भारत सरकार द्वारा पट्टेदार को उस समय की प्रचलित दर पर भुगतान कर किया जाएगा। हालांकि, नियमों में यह परिभाषित नहीं किया गया है कि राष्ट्रीय आपात स्थिति क्या होगा। उद्योग सूत्रों ने कहा कि युद्ध या युद्ध जैसी परिस्थितियां - जैसे कि पाकिस्तान के साथ सैन्य गतिरोध का देश ने सामना किया - या प्राकृतिक आपदाएं राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति हो सकती हैं।

विधेयक पुराने कानून का स्थान लेगा : यह विधेयक पुराने 1948 के कानून का स्थान लेगा। इस उद्देश्य घरेलू उत्पादन बढ़ाना, निवेश आकर्षित करना और देश के ऊर्जा बदलाव लक्ष्य में समर्थन करना है। ये नियम कहते हैं, "पेट्रोलियम उत्पादों या खनिज तेल के संबंध में राष्ट्रीय आपात स्थिति में भारत सरकार का हर समय पट्टे पर दिए गए क्षेत्र से निकाले गए कच्चे तेल या प्राकृतिक गैस, परिष्कृत पेट्रोलियम या पेट्रोलियम पर पूर्व-अधिकार होगा।

भारत-पाक संबंधों से तय होगी शेयर बाजार की चाल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

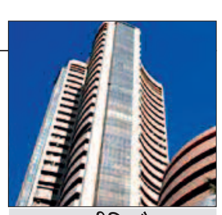

- मुद्रास्फीति और तिमाही नतीजों का भी असर होगा बाजार पर
- वैश्विक्र रुझानों से निवेशकों की भावनाएं होंगी प्रभावित

भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने के समझौते के बाद इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार की नजर भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर रहेगी। विश्लेषकों ने यह जानकारी दी।

कारोबारियों ने कहा कि इसके अलावा व्यापक आर्थिक आंकड़ों, चौथी तिमाही के नतीजों, विदेशी निवेशकों के रुख और वैश्विक रुझानों से भी निवेशकों की भावनाएं प्रभावित होंगी। भारत और पाकिस्तान ने चार दिन तक सीमापार ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद तत्काल प्रभाव से सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए शनिवार को एक समझौता किया।

'तनाव कम होने से निवेशकों पर दबाव कम हुआ है और इसे वित्तीय बाजारों द्वारा एक सकारात्मक घटनाक्रम के रूप में देखा जा सकता है। ऐतिहासिक रूप से, बाजारों ने इस तरह के भू-राजनीतिक तनाव कम होने के बाद मजबूती और उबरने की प्रवृत्ति दिखाई है। तापसे ने कहा कि सभी की निगाहें एफआईआई पर होंगी, जिन्होंने पिछले दो सप्ताह से लगातार शुद्ध खरीदार बने रहने के बाद शुक्रवार के बिकवाली की।यह सप्ताह महत्वपूर्ण होगा, जिसमें कई प्रमुख घरेलू कारक होंगे। पाकिस्तान के साथ जारी तनाव सहित भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर नजर रहेगी। व्यापक आर्थिक मोर्चे पर निवेशक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई), थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) और विदेश व्यापार सहित प्रमुख आंकड़ों पर नजर रखेंगे। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजे भी आने हैं, जिनमें टाटा स्टील, भारती एयरटेल, गेल, हीरो मोटोकॉर्प, टाटा मोटर्स, ल्यूपिन और बीएचईएल जैसी कंपनियां शामिल हैं।

पर्सनल लोन नहीं चुकाने पर हो सकती है जेल? बैंक ग्राहक के खिलाफ लेते हैं एक्शन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

किसी को भी अचानक पैसों की जरूरत पड़ सकती है। अगर आपके पास इमरजेंसी फंड और बचत नहीं है, तो आपको कर्ज लेने की नौबत आ जाती है। ऐसे में लोग पर्सनल लोन लेते हैं। ध्यान रखें कि पर्सनल लोन सबसे अधिक ब्याज दर वाला लोन होता है। इसलिए कोई दूसरा विकल्प नहीं बचे तब ही पर्सनल लोन की तरफ जाना चाहिए। कई बार लोग अपने शौक पूरे करने या शेयर मार्केट में पैसा लगाने के लिए पर्सनल लोन ले लेते हैं। फिर वे अपने बैंक लोन को चुका नहीं पाते हैं। अगर आप पर्सनल लोन नहीं चुका पाए तो बैंक क्या-क्या कर सकता है।

लीगल एक्शन

जब ग्राहक बैंक के द्वारा बार-बार चेताने पर भी लोन नहीं भरे, तो बैंक लीगल एक्शन ले सकता है। इस लीगल एक्शन में ग्राहक के खिलाफ सिविल मुकदमा दाखिल किया जा सकता है। ऐसे मामलों में कोर्ट लोन का भुगतान न करने वाले व्यक्ति को लोन को चुकाने का आदेश दे सकता है। कई मामलों में कोर्ट ऐसे लोगों से लोन की रिकवरी के लिए उनकी संपत्ति को जब्त करने और बेचने का भी आदेश दे सकता है। ऐसे मुकदमों में जेल की सजा भी हो सकती है।

लोन रिकवरी एजेंट

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के अनुसार, जब लोन देने वाला बैंक किसी व्यक्ति से कर्ज की राशि वसूलने में असमर्थ होते हैं, तो वे वसूली के लिए डेट कलेक्शन एजेंसियों को नियुक्त कर सकते हैं। डेट कलेक्शन एजेंसी के रिकवरी एजेंट कर्ज न चुकाने वाले व्यक्ति के साथ उत्पीड़न कर सकते हैं, जिससे काफी तनाव और चिंता हो सकती है।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड, सुपरवाइजर, फिल्ड अधिकारी, कंप्यूटर ऑपरेटर, योग्यता 10वीं, स्नातकोत्तर, वेतन योग्यतानुसार संपर्कः- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, भर्ती कार्यालय, साकरा चौक सिलतरा रायपुर, सिटी ऑफिस, 434 चतुर्थतल प्रोगेसिव पॉइंट लालपुर रायपुर छत्तीसगढ़ 7746000016, 7747000019, 7747000016, 7746000019.(RO-074)

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 50 ऊंचाई 5.5 इंच योग्यता 5वी से 12वीं वेतन 12000 से 19500 तक (ESIC, PF, Bonus और रहना फ्री) खाने की सुविधा दस्तावेज (आधार कार्ड, पेन कार्ड, 10वीं अंकसूची, बैंक पासबुक, 8 पासपोर्ट फोटो) कार्यालय शॉप नं. 08 प्रथम तल, कमला सुपर बाजार, तेलघानी चौक, रायपुर छत्तीसगढ़ फोन 0771-4036689 मों. 9770304037, 8120957510.(RO-7305)

आवश्यकता है- रायगढ़, रायपुर में गार्ड की नौकरी हेतु 5,8,10 पास हाईट 5 फीट 6 इंच, 4 फोटो, आधार कार्ड सहित मिले रहने, खाने की सुविधा, वेतन 14500 से 19000 तक MO. 8109070600. (RO-7086)

ऑफिस/फील्ड कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस व फील्ड कार्य हेतु होशियार व अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है, जिन्हें संपूर्ण रायपुर शहर की जानकारी हो एवं घूम-घूम के फील्ड कार्य करने का अनुभव हो। स्मार्ट लड़के संपर्क करें। 93005-93000.(RO-7215)

सेल्समैन/ऑफिस स्टाफ

आवश्यकता है- एजेंसी में काम करने हेतु ऑफिस स्टाफ (पुरुष एवं महिला), सेल्समैन एवं सप्लायर की आवश्यकता है। (वेतन योग्यतानुसार + रहने की सुविधा) अंबिका इंडस्ट्रीज,प्रोफेसर कॉलोनी रायपुर 9993232732, 9993433481. (RO-391)

ड्रायवर/चौकीदार

आवश्यकता है- 04- टाटा एस ड्राइवर (10000 से 15000), 02- ई रिक्शा ड्राइवर (8000 से 10000), 01- टेलीकॉलर (8000 से 10000), एवं फार्म हाउस हेतु 01 चौकीदार की (10000 से 12000+ रहने की सुविधा) 7974351591, 6352179578 मां एड एजेंसी, रायपुरा रायपुर(RO-13858)

टीचर/ऑफिस स्टाफ

आवश्यकता है- BRIGHT PUBLIC SCHOOL Teacher & office staff Qualification - graduation/ b.ed Language - English Experience - 0-5 year Salary - 7000-15000 Add.- Godhi, mandir Hasoud Contact - 8602300418. (RO-7349)

केयर टेकर

आवश्यकता है- Mother's Pride School में केयर टेकर की आवश्यकता है। पताः रायपुर और अमलेश्वर(दुर्ग) पदों की संख्याः 04 रहने की सुविधा निःशुल्क रहेगी। संपर्क करें - 8319023876. (RO-7350)

शिक्षक/वार्डन

आवश्यकता है- जीवनआनंद वृद्धाश्रम एवं डॉ.आंबेडकर आदिवासी आश्रम शाला बच्छेराभाठा डोंगरगढ़ में शिक्षक - 02पद योग्यता - BA, BED, वार्डन-02पद- BSW, MSW, सामाजिक कार्यकर्ता-01- M.A Sociology, लेखपाल - 01पद. Computer tally, नर्स - 01पद - ANM, GNM, रसोइया - 04 पद एवं चौकीदार-02पद-8वी पास की आवश्यकता है। संपर्कः- 88392-86346, 88392-88830.(आरो नं.-744)

ड्रायवर

आवश्यकता है- कार ड्राइवर की उम्र, 18-28 , ड्यूटी टाइम 10:30 से 8:30 बजे तक, वेतन 15000/- देवपुरी रायपुर संपर्कः- 9302708426, 8448107841.(RO-662)

हरिभूमि

आवश्यकता है- ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। 30 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है। ड्यूटी टाईम प्रतिदिन सुबह 9 से रात 8:30, रविवार ड्यूटी टाईम सुबह 9 से दोपहर 3:00 (सूचना :- जेसीबी, हाइड्रा, आदि जैसी गाड़ी चलाने वाले संपर्क ना करें) सैलरी 21000/- प्रतिमाह। रहने, खाने- पीने, बाइक, पेट्रोल की व्यवस्था नहीं दी जाएगी। जो तत्काल जॉइन कर सके वही संपर्क करें, बेवजह कॉल ना करें। पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, कॉल :- 9644720222. (RO-03)

चौकीदार/चपरासी

आवश्यकता है- अग्रसेन फार्मेसी कॉलेज, ग्राम-डंगनिया (दुर्ग-बालोद मेन रोड) में चौकीदार/चपरासी पद हेतु आवासीय परिवार (पति/पत्नी) की आवश्यकता है। संपर्क करे: 8959544444.(आरो नं.-743)

आवश्यकता

आवश्यकता है- संतेज सोलर प्रा. लिमिटेड. रायपुर में संपूर्ण छत्तीसगढ़ हेतु चैनल पार्टनर के लिए लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है संपर्क करे 9302265992, 7987422370.(RO-D)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- आफिस कार्य दुर्ग स्थित अधिवक्ता कार्यालय में आफिस कार्य करने हेतु लड़की की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार कॉल / मेसेज 7999847673 समय - 12 से 5 तक (आरो नं.-739)

एकाउंटेंट/वेल्डर

आवश्यकता है- रायपुर रिश्ता लोहा बाजार में एकाउंटेंट-1 आटोकेड ऑपरेटर-1 वेल्डर-4 हेल्पर-6 टर्नर-2 फिटर-4, सोशल मीडिया ऑपरेटर-2 मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव-4 (लड़का/लड़की) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9893070113. (RO-37656)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

पेट्रोल पंप कर्मी

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप में कार्य करने हेतु - पेट्रोल पंप सुपरवाइजर एवं पेट्रोल /डीजल डालने हेतु स्टॉफ की आवश्यकता, (समय -12:00 से शाम 04:00 तक) संपर्क मो. न. - 9685652002/ 8085098391 पता - 15 रिक्रिएशन ग्राउंड चौबे कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) (RO-7346)

सुपरवाइजर/मार्केटिंग

आवश्यकता है- टेक्निकल सिविल साइट सुपरवाइजर, ड्राइवर, डिजिटल मार्केटिंग स्टाफ, हाउसकीपिंग स्टाफ व्हाट्सप्प करे 8839996498 सिटीहार्ट रेजिडेंसी कैलाशविहार कैलाशपुरी (RO-7345)

कुली/हेमाल

आवश्यकता है- दाल मिल में कुली कार्य+ हमाली कार्य के साथ काम करने वाले मजदूर की 450 प्रतिदिन 01 कुशल ड्राइवर की वेतन 15000/- से प्रारंभ लाइसेंस एवं आधार कार्ड के साथ संपर्क करें। कन्हैयालाल संतोष कुमार दाल मिल बंजरपारा सड्डू विधानसभा रोड रायपुर- 7725800600, 9407943129.(RO-7339)

शोरूम कार्य

आवश्यकता है- टाइल्स एवं सेनेटरी के शोरूम में कार्य हेतु युवकों की आवश्यकता है। सम्पर्क मनन इंटरप्राइजेज, विधानसभा रोड , मोवा थाना के सामने, रायपुरः मोबाइलः 9827109679.(RO-76)

कम्प्यूटर/टैली

आवश्यकता है- महिला कम्प्यूटर, टैली एकाउंट, हिन्दी से इंग्लिश लेटर टाइपिंग, पीए, आफिस वर्क, पुरुष- मेडिकल मशीन/ आर्थो ऑर्थोपेडिक, समान मार्केटिंग & सर्विस, समान लाने लेजाने हेतु पुरुष, गार्ड (दिन+ डॉग हेतु), कार ड्राइवर 14000- 25000 पता- पिनाका मेडिकल, Sec-11 कमल विहार रायपुर 9326609234. (RO-37677)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

दुकान कार्य

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु लड़के चाहिए, कम्प्यूटर ऑपरेटर (टैली) - (अनुभव 1 साल) काउंटर सेल्समैन, कार्य समय 11:00 AM to 9:00 PM, राधा इंटरप्राइजेस, स्टेशन रोड, रायपुर 9425504853.(RO-360)

आवश्यकता है- नर्मदा पारा गुढियारी स्थित दुकान में काम करने हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है जिसे गाड़ी चलाना आता हो । वेतन योग्यतानुसार । संपर्क करे 9425517126. (RO-69)

आवश्यकता है- हार्डवेयर शॉप में काम करने आठवीं पास लड़के लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन 300रु से 500 रु प्रतिदिन, योग्यतानुसार। जैन हार्डवेयर एंड टूल्स , बांबे मार्केट रायपुर मोबाइल- 9229101124. (RO-398)

आवश्यकता है- डीजे साउंड सिस्टम दुकान में काम करने के हेतु अनुभवी/ बिना अनुभवी लड़कों की एवं टाटा ऐस चलाने ड्राइवर की आवश्यकता संपर्कः दीपक साउंड सर्विस फूलचौक, जोरापारा, कालीमाता मंदिर पास 98271-14645, 9131139179. (RO-660)

Education शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ - *फेल विद्यार्थी समय बचाए* :- पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वीं, 12वीं निश्चित सफलता के साथ पास करेः- B.ED, B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLYTECHNIC, B.Tech, (*अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे*) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा। संपर्कः- *Bharti Education Academy* *Sector-6 Bhilai* Mo.- 9826196515, 9826896515 (आरो न.-7179)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

Property प्रापर्टी

प्लाट/जमीन

बेचना है- चंद्रखुरी कौशल्या माता मंदिर से 500 मीटर पहले दिशा कॉलेज के पास 5600 वर्गफीट आगे पीछे रोड 600/- प्रति वर्गफीट से (2) माना बनरसी में 21742 वर्गफीट प्लॉट फ्रंट 127 का (3) बैरन बाजार कुंदन पैलेस के पास ढेबर आर्केड के नीचे दो दुकान लगभग 600 वर्गफीट संपर्कः- 9009604000..(RO-7344)

प्लॉट उपलब्ध है- दुर्ग बायपास टोलप्लाजा, किआ शोरूम के पास रेसिडेंशियल व कमर्शियल सर्व सुविधा युक्त प्लाट - विकसित क्लोज्ड कैंपस, CC रोड, नाली, मंदिर, स्ट्रीट लाइट, मैरिज हॉल सहित। तुरंत मकान बना सकते हैं। संपर्कः 7247006610, 7247006609. (आरो न.-7175)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

बेचना है- रायपुर,भनपुरी उरकुरा रेल्वेस्टेशन सामने 1, 27,192 फ़ीट csidc की जगह जिसमें 60000 फ़ीट कंस्ट्रक्शन किया है 12000 फ़ीट नया हैवी शेड + 48000 फ़ीट RCC कंस्ट्रक्शन का नया गोदाम + ऑफिस बना है जी.ई.रोड, रविशंकर यूनिवर्सिटी पास 32000 फ़ीट जगह जिसमें 23000 फ़ीट RCC ऑफिस गोदाम दोनों तुरंत बेचना है 9826850000.(RO-meeth)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - जनकल्याण योजना अंतर्गत पूरे छत्तीसगढ़ मे लोन सिर्फ आधार कार्ड पर -(50,000/- से 25 लाख तक) (1% ब्याज वार्षिक) प्रॉपर्टी, पर्सनल, बिजनेस, दुकानदारी, ग्रुप लोन, सिविल ख़राब लोन पाए, संपर्क - 9289384524. (RO-865)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वादों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि क्लासीफाईड

Healthcare

गुप्त रोगो का सफल ईलाज

- गुप्त रोग, नामर्दी
- लिंग में छोटापन।
- शीघ्र पतन
- पेशाब से धातू जाना।
- लिंग में ढीलापन,
- शुक्राणु की कमी।
- शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
- जड़ीबुटी द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें।
- चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।

निःसंतान दम्पति आज ही मिलें
आज ही संपर्क करें
स्टेशन रोड,सीमरन होटल के सामने रायपुर, छ.ग.
9826038170

समस्या का स्थाई समाधान केवल आयुर्वेद में

- क्या आप को किसी प्रकार के वायरल या संक्रमण जन्य रोग हैं हेपाटाइटिस (ABC) या हर्पिस रोग स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी, छाले, चमड़ी का फटना खुजली, लाल होना, रुबेला, या सिफलिस, गोनोरिया (सूजाक), HIV (AIDS) रोग है।
- समस्त प्रकार के लाईलाज चमड़ी रोग सोरायसिस सिर एवं शरीर से ताँबे रंग के छिलके, रूसी, जोड़ों में दर्द, उँगलियों का टेढ़ा होना, नाखूनों का सड़ना।
- समस्त प्रकार के यौन समस्या, यौन कमजोरी एवं यौन रोग ध्यान रहें पुरुष के प्रकृति जन्य (इंद्रिय) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई भी उपाय नहीं है। सावधान!

वायटो रिसर्च एन्ड स्किन केयर सेंटर आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे दुर्ग
मोबाईल नं.- 9425555659
9617789223, 9303242200

भारत और पाकिस्तान ने एक-दूसरे पर किया इन हथियार का इस्तेमाल....

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान में युद्धविराम हो गया है। इससे पहले दोनों देशों ने एक-दूसरे पर 4 दिन तक हमले किए। भारत ने पाकिस्तानी वायुसेना के कई एयरबेस को तबाह कर दिया और वायु रक्षा प्रणाली को भी नुकसान पहुंचाया। वहीं, सीमा पर गोलीबारी से कई भारतीय नागरिकों की जान गई और नागरिकों ढांचों को भी नुकसान पहुंचा। आइए जानते हैं हमले में दोनों देशों ने किन-किन हथियारों का इस्तेमाल किया।

भारत के सिर्फ इन्ही हथियारों से पाक घबराया

भारत ने पाकिस्तान की मिसाइलों और ड्रोन को मार गिराने के लिए उन्नत वायु रक्षा प्रणालियों का इस्तेमाल किया। इनमें रूस में निर्मित एस-400, सतह से हवा में वार करने वाली आकाश मिसाइल, बराक-8 मिसाइल और एल-70 जैसी एंटी-एयरक्राफ्ट गन शामिल हैं। आकाश पूरी तरह से स्वदेशी प्रणाली है, जो 25 से 30 किलोमीटर के दायरे में दुश्मन के विमानों को तेजी से नष्ट कर सकती है।वहीं, S-400 400 किलोमीटर के दायरे में लक्ष्यों को तबाह कर सकती है।

भारत ने पाकिस्तान पर दागे ये भी हथियार : भारत ने पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को बर्बाद करने के लिए राफेल लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया। इनमें स्केल्प और हैमर जैसी मिसाइलें लगाकर आतंकी ठिकानों को तबाह किया गया। ये बेहद आधुनिक मिसाइलें हैं, जो अपनी सटीकता के लिए जानी जाती हैं। इसके अलावा भारत ने इजरायल में बने आत्मघाती हारोप ड्रोन का भी इस्तेमाल किया। इन ड्रोन्स ने लाहौर के नजदीक तक पाकिस्तानी वायु रक्षा प्रणाली को ध्वस्त कर दिया।

पाकिस्तान ने कौन से हथियार इस्तेमाल किए....

पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर और सीमावर्ती राज्यों में ड्रोन दागे, जिन्हें भारतीय वायु रक्षा प्रणाली ने मार गिराया। इनमें से ज्यादातर ड्रोन तुर्की में बने थे। बताया जा रहा है कि ये तुर्की की कंपनी असीसगार्ड द्वारा बनाए गए सोंगर ड्रोन थे। पाकिस्तान ने जेएफ-17 लड़ाकू विमानों का भी इस्तेमाल किया। ये चीन के सहयोग से बनाए गए चौथी पीढ़ी के लड़ाकू विमान है। पाकिस्तान 2010 से इनका इस्तेमाल कर रहा है।

पाक ने पीएल -15 मिसाइल भी दागीं

पाकिस्तान वायु सेना ने चीन में बनी PL-15 मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया। ये हवा से हवा में वार कर सकती हैं। ये मिसाइलें 200-300 किलोमीटर की दूरी तक लक्ष्य को भेदने में सक्षम है। यह ध्वनि की गति से 5 गुना अधिक तेजी से लक्ष्य की ओर बढ़ती है। हाल ही में चीन ने इन्हें पाकिस्तान को भेजा था। ये पहली बार है, जब पश्चिमी हथियारों के खिलाफ PL-15 का इस्तेमाल किया गया है।

पुतिन के सीजफायर के ऑफर पर जेलेंस्की का बड़ा बयान

खत्म होने वाला है रूस-यूक्रेन युद्ध...! 'खूनखराबा एक दिन भी और क्यों चले'

एजेंसी ▶▶| कीवी

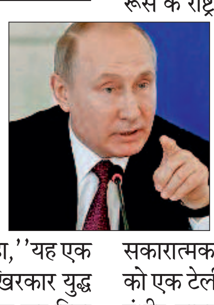

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच शांति की एक नई पहल जगी है। इस बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ऐलान किया की है कि वे आगामी 15 मई को इस्तांबुल में यूक्रेनी प्रतिनिधियों के साथ बिना किसी शर्त के बातचीत शुरू करने को तैयार हैं। इस पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा,''यह एक सकारात्मक संकेत है कि रूस ने आखिरकार युद्ध को समाप्त करने पर विचार करना शुरू कर दिया है। पूरी दुनिया बहुत लंबे समय से इसका इंतजार कर रही थी।

पुतिन ने बिना शर्त बातचीत का प्रस्ताव रखा

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के साथ सीधी और बिना शर्त बातचीत शुरू करने का ऐतिहासिक प्रस्ताव रखा है। यह वार्ता 15 मई से तुर्की के इस्तांबुल में शुरू होने की उम्मीद है। फरवरी 2022 से शुरू हुए रूस-यूक्रेन युद्ध के 39 महीनों के बाद यह पहली बार है जब पुतिन ने इस तरह का सकारात्मक कदम उठाया है। दरअसल, शनिवार को एक टेलीविजन संबोधन में पुतिन ने कहा, रूस गंभीर बातचीत चाहता है, ताकि यूक्रेन के साथ संघर्ष के मूल कारणों को दूर करते हुए एक स्थायी शांति की ओर बढ़ा जा सके।

यूक्रेनी राष्ट्रपति बोले- हम युद्ध रोकने तैयार

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म X पर एक पोस्ट लिखी. जिसमें उन्होंने कहा,''किसी भी युद्ध को वास्तव में समाप्त करने का पहला कदम युद्ध विराम है. ऐसे में एक दिन के लिए भी हत्या जारी रखने का कोई मतलब नहीं है. हम उम्मीद करते हैं कि रूस 12 मई से शुरू होने वाले पूर्ण, स्थायी और विश्वसनीय युद्ध विराम की पुष्टि करेगा और यूक्रेन इसे पूरा करने के लिए तैयार है।

एसआईए की बड़ी कार्रवाई

अब भीतर के गद्दारों की बारी, कश्मीर में आतंकी मददगारों के 20 ठिकानों पर छापेमारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने देश को झकझोर दिया था। इस हमले में 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी, जिनमें अधिकांश पर्यटक थे। पूरे देश में आक्रोश फैल गया और सरकार पर सख्त कार्रवाई का दबाव बना। अब उसी का असर दिखने लगा है। भारत ने पहले ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया और अब जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के छिपे हुए मददगारों यानी स्लीपर सेल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया गया है।

एक साथ छापे, देशविरोधी नेटवर्क ध्वस्त : राज्य जांच एजेंसी ने दक्षिण कश्मीर के चारों जिलों में एक साथ 20 स्थानों पर छापेमारी की है। इन जगहों से भारी मात्रा में आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल डिवाइसेज, और संदिग्ध सामग्रियां बरामद की गई हैं। कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जांच एजेंसी का दावा है कि ये लोग पाकिस्तान में बैठे आतंकी आकाओं से सीधे संपर्क में थे और लश्कर-ए-तैयबा तथा जैश-ए-मुहम्मद जैसे संगठनों के इशारे पर काम कर रहे थे।

गिरफ्त में आए देशद्रोही तत्व : एसआईए के मुताबिक शुरुआती जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि जिन लोगों को हिरासत में लिया गया है वे सक्रिय रूप से भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल थे। वे न सिर्फ आतंकी साजिश में हिस्सा ले रहे थे बल्कि सांप्रदायिक तनाव और जन असंतोष को हवा देकर सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करने की कोशिश कर रहे थे।

स्लीपर सेल के जरिए फैलाई जा रही थी नफरत

तकनीकी खुफिया जानकारी से पता चला है कि ये स्लीपर सेल व्हाट्सएप, टेलीग्राम और सिग्नल जैसे प्लेटफॉर्म के जरिए सुरक्षा बलों और रणनीतिक ठिकानों की जानकारी पाकिस्तान भेज रहे थे। यही नहीं, ये लोग ऑनलाइन कट्टरपंथी प्रचार में भी शामिल थे, जिससे घाटी में नफरत फैलाने और भारत की एकता को तोड़ने की साजिश रची जा रही थी।

आतंकवाद की शाखाओं को काटना जरूरी

अब सरकार की रणनीति साफ है न सिर्फ आतंकियों को खत्म करना है, बल्कि उनके स्लीपर सेल, फंडिंग नेटवर्क और प्रचार तंत्र को भी खत्म करना है। यही वजह है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकी सहयोगियों और ओवर ग्राउंड वर्कर्स की पहचान कर उन पर सीधा वार किया जा रहा है।

जैकेट के शेष

पारिवारिक कार्यक्रम से...

क्रमांक जेएच-05, डीपी -7584 के साथ एक्सीडेंट हो जाने से माजदा वाहन में सवार 14 लोगों की मौत हो गई। घायलों को उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खरोरा और मेडिकल कॉलेज रायपुर भेजा गया है।

इधर, दो मजदूर...

अली (22) वर्ष के रूप में की गई है। मजदूर शालीमार कंपनी के सड़क निर्माण कार्य से जुड़े हुए थे। पुलिस अफसर के अनुसार, कंटेनर बाहर से बंद था और एक खिड़की थी, जो बाहर से बंद थी। जिन दो मजदूरों की मौत हुई है, वे दोनों खाना बनाने की तैयारी कर रहे थे। इस दौरान सिलेंडर ब्लास्ट हुआ और कंटेनर के अंदर धुंआ भर गया। इस वजह से परमान तथा एक अन्य मजदूर बेहोश हो गए। तीसरा मजदूर कंटेनर के अंदर ही था, लेकिन वह सिलेंडर से काफी दूर था। इस वजह से वह बेहोश नहीं हुआ। सिलेंडर ब्लास्ट होने के बाद तीसरा मजदूर अंदर से अपने अन्य साथी मजदूरों को आवाज लगाकर खिड़की खुलवाया और खिड़की के रास्ते बाहर निकलकर अपनी जान बचाई।

शेड उड़ने की वजह से कंटेनर में व्यवस्था : मजदूरों के रुकने की व्यवस्था पूर्व में झोपड़ी एवं टिन के शेड बनाकर की गई थी। 10 दिन पूर्व आए आंधी-तूफान से मजदूरों का शेड उड़ गया, इस वजह से मजदूरों के रुकने की व्यवस्था कंटेनर में की गई थी। सिलेंडर मेब्लास्ट होने की वजह से कंटेनर काफी क्षतिग्रस्त हो गया। फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया।

बाहर से बंद था कंटेनर : कंटेनर के अंदर 20 से 25 मजदूरों की रहने की व्यवस्था थी। घटना के समय अन्य मजदूर साइट में काम करने गए थे, अन्यथा स्थिति और भयावह हो सकती थी। पुलिस के मुताबिक, कंटेनर में रह रहे दो से तीन मजदूर बाजार सब्जी खरीदने गए थे। इसलिए उन लोगों ने कंटेनर को बाहर से बंद कर दिया था। इस वजह से कंटेनर के अंदर फंसे मजदूर बाहर नहीं निकल पाए और उनकी मौत हो गई।

पेज एक के शेष

'सबूत' का दम, अब...

बॉर्डर स्टेट्स में स्थित सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश की। हमनें उन्हें हवा में ही मार गिराया। एक भी टारगेट सक्सेस नहीं होने दिया। इसके बाद हमने पाकिस्तान को जवाब देते हुए सख्त कार्रवाई की, जिसमें पाकिस्तानी सेना के 35 से 40 सैनिक और अफसर मारे गए। बॉर्डर और एलओसी पर हुई पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी में हमारे 5 जवान शहीद हुए हैं। डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा 8-9 मई की रात को, पाकिस्तान ने सीमाओं के पार हमारे हवाई क्षेत्र में ड्रोन और विमान भेजने की हिमाकत की। बड़े पैमाने पर बुनियादी सैन्य ढांचे को निशाना बनाने के कई असफल प्रयास किए गए। पाकिस्तान ने जब नियंत्रण रेखा पर फिर से उल्लंघन किया तो भारत ने आर्टिलरी फायरिंग से मुंहतोड़ जवाब दिया। डीजीएमओ ने बताया कि भारतीय सेना ने किसी भी पाकिस्तानी विमान को भारतीय सीमा में नहीं घुसने दिया, लेकिन इस समय इतना जरूर कह सकते हैं कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कई अत्याधुनिक विमानों को मार गिराया।

डीजीएमओ राजीव घई ने बताया, सेना ने सीमा पार के आतंकी परिदृश्य को समझने के लिए बहुत मेहनत की। सुरक्षाबलों ने सूक्ष्मता से काम किया और आतंकी शिविरों और प्रशिक्षण स्थलों की पहचान की। कार्रवाई करने के लिए कई जगहें सामने आईं, लेकिन हमने गहन विचार-विमर्श किया, हमें एहसास हुआ कि इनमें से कुछ आतंकी केंद्र अब मौजूद नहीं हैं।

8 महीने पहले युवक ने...

की जानकारी छात्रा ने परिजनों को दी, तो मामला गांव के प्रमुख लोगों तक पहुंचा। लड़के माफी मांग ली, सभी ने बात खत्म होना समझ लिया। इस बीच, छात्रा को चक्कर आना, उल्टियां आना शुरू हो गया। आसपास के डॉक्टरों को दिखाया गया। डॉक्टरों ने बताया कमजोरी की वजह से ऐसा हो रहा है, दवा दे दी गई। छात्रा को पता ही नहीं चला कि वह गर्भवती है। इस बीच अप्रैल महीने में वह अपने मामा के घर सुकमा गई। जहां अचानक पेट में दर्द हुआ। छात्रा को अस्पताल ले जाया गया, सोनोग्राफी कराई गई। इसके बाद पता चला कि वह करीब 8 महीने के गर्भ से है। इसके बाद वहीं उसकी डिलीवरी कराई गई। छात्रा ने एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। बाद में उसने जामगांव आर थाने पहुंचकर इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए नकुल साहू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने युवक के खिलाफ 4 सीएचएल, 65 (1) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया है।

आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल : नाबालिग की शिकायत पर पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी के खिलाफ अनाचार, पाक्सो के तहत जुर्म दर्ज कर जांच में लिया गया है। शादी का झांसा देकर आरोपी अनाचार किया था।

-अनूप लकड़ा, एसडीओपी पाटन

अब हर पुस्तक पर...

वितरण तक की पूरी प्रक्रिया पर निगरानी रखी जा सकेगी। हर साल लाखों की मात्रा में किताबें छापी जाती है। बावजूद शिकायत रहती है कि बच्चों को समय पर किताबें नहीं मिली। पिछले साल सरकारी स्कूल की हजारों किताबें रद्दी में पाया गया था। ऐसी गड़बड़ी ना हो और जरूरत के हिसाब से ही पुस्तक छापे जाए। इसके लिए यह नई तकनीक राज्य सरकारों और पाठ्यपुस्तक निगम ने आईआईटी के साथ मिलकर सुनिश्चित किया है। इस बुक ट्रैकिंग सिस्टम की मदद से किताबें समय से पहले छात्रों तक पहुंच जाएगी। बीच में किसी भी प्रकार की देरी या गड़बड़ी को तुरंत ट्रैक किया जा सकेगा। प्रत्येक पुस्तक पर लगे क्यूआर कोड को स्कैन करके यह पता लगाया जा सकेगा कि वह किताब कब और कहां छपी, किस स्कूल को भेजी गई और कितने समय में छात्र तक पहुंची। ऐसा प्रदेश में पहली बार हो रहा है। इस पर आईआईटी भिलाई ने काम भी शुरू कर दिया है। यह सिस्टम न केवल पारदर्शिता बढ़ाएगा, बल्कि लाखों छात्रों को समय पर पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके जरिये डाटा भी संकलित किया जाएगा, जो भविष्य में वितरण प्रक्रिया को और बेहतर बनाने में उपयोगी रहेगा।

स्कैन करके इशू...

दिखेगा कि किस स्कूल ने कितना बुक इशू करा लिया है। किस स्कूल ने नहीं कराया है। इस तरह से पूरे प्रदेश के 56 हजार सरकारी स्कूल के करीब ढाई लाख बच्चों को दिए जाने वाली किताबों, 24 पब्लिशर, 6 डिपो सभी के एक-एक बुक और एक-एक बच्चे को किताब मिली की नहीं। इसका पूरा रिकार्ड रहेगा।

3 करोड़ किताबें छापे...

तक भेजी जाएगी। इससे अतिरिक्त पुस्तक छापकर शासन को जो नुकसान होता था, वह नहीं होगा।

मोबाइल ऐप बनाएं है...

करने से किताब को ट्रेक किया जा सकेगा। जैसे ऑनलाइन शॉपिंग के बाद हम अपने आर्डर को ट्रैक करते हैं।

शिवाजी महाराज की 91 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण

मालवन। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने के करीब नौ महीने बाद रविवार को उसी स्थान पर शिवाजी की 91 फुट ऊंची नयी प्रतिमा का अनावरण किया गया। पिछली 35 फुट ऊंची प्रतिमा स्थापना के आठ महीने से भी कम समय में पिछले साल अगस्त में ढह गई थी, जिसके कारण सरकार के खिलाफ व्यापक आक्रोश फैल गया था। उस प्रतिमा का अनावरण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चार दिसंबर 2023 को नौसेना दिवस समारोह के दौरान किया था। इस प्रतिमा के ढहने के कारण मूर्तिकार-ठेकेदार जयदीप आप्टे को गिरफ्तार कर लिया गया था। मालवन के किले में नयी प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस बात का पूरा ध्यान रखा गया है कि नयी प्रतिमा किसी भी वातावरण में कम से कम 100 साल तक टिकी रहे। प्रतिमा के रखरखाव का जिम्मा इसे बनाने वालों को दिया गया है। 'यह प्रतिमा 91 फुट ऊंची है और इसका आधार 10 फुट ऊंचा है।'

ओडिशा में 10 हजार के जाली नोट जब्त, एक गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| भद्रक

ओडिशा पुलिस ने जाली नोट चलाने के मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है और उसके कब्जे से 10,000 रुपये मूल्य के जाली भारतीय नोट जब्त किए हैं। पुलिस अधिकारी ने कहा कि मामला शनिवार दोपहर को तब सामने आया जब दो युवकों ने भद्रक ग्रामीण थानांतर्गत आनंद बाज़ार में जाली नोटों का उपयोग करके सामान खरीदने का प्रयास किया। एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, आनंद बाजार के पास देवपाल गांव के निवासी दो संदिग्धों ने 200 रुपये के नोटों का इस्तेमाल करके किराने का सामान खरीदा। जब एक युवक ने 200 रुपये के दूसरे नोट से खरीदने का प्रयास किया, तो दुकानदार को इसकी बनावट और छपाई के कारण संदेह हुआ। दुकानदार उत्कलमणि पांडा ने कहा, /"जब मैंने नोट को छुआ तो मुझे लगा कि कुछ गड़बड़ है। मैंने इसे पास के अन्य दुकानदारों को दिखाया, और हमें तुरंत पता चल गया कि यह नकली है। विरोध करने पर, युवकों ने भागने की कोशिश की, लेकिन स्थानीय लोगों ने उन्हें पकड़कर पुलिस को सूचित कर दिया। एक आरोपी भाग गया, जबकि दूसरे को निवासियों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन के न्यायालय में मामला
क्रमांक:- 202504101500039
मामले की श्रेणी राजस्व

विषय:- अ-6 सन् 2024-2025

बीजाभाठा प.ह.न. 00046[126(0.1500 हे.)]

पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- अनिल घाची. अनावेदक पक्षकार- जय कुमार सांखला,

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम बिजाभाठा प.ह.नं. 46 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक अनिल घांची पिता मनाराम घांची निवासी ग्राम रायपुर द्वारा ग्राम बिजाभाठा प.ह.नं. 46 तहसील पाटन स्थित भूमिस्वामी जय कुमार सांखला पिता इंदरचंद सांखला के नाम दर्ज भूमि ख.न. 126 रकबा 0.15 हे को पंजीकृत बैनामा दिनांक 18.03.2024 से क्रय आधार पर प्रमाणीकरण किये जाने हेतु सहित आवेदन प्रस्तुत आवेदन आधार पर प्रकरण विचाराधीन है।

अतः कि आवेदक अनिल घांची पिता मनाराम घांची द्वारा पंजीकृत बयनामा से उपरोक्त दर्शित भूमि क्रेता के नाम नामांतरण की कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 13.05.2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21.04.2025 को जारी किया जाता है

मुहर

भूपेन्द्र सिंह
नायब तहसीलदार
पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)

आम सूचना

ICICI Bank
पंजीकृत कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, चकली सर्किल के पास, ओल्ड पादरा रोड, वडोदरा- 390 007
कारपोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स मुंबई 400051

स्वर्ण ई-नीलामी सह आमंत्रण सूचना

नीचे उल्लिखित ऋणधारकों को स्वर्ण आभूषण के एवज में आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड ("ICICI Bank") से उन्हें उपलब्ध कराई गई ("सुविधा") में बकाया धनराशि को चुकता करने हेतु सूचना जारी की जा चुकी है। चूँकि ऋणधारक सुविधा अन्तर्गत बकाया भुगतान करने में असफल हो चुके हैं, हम 22 मई, 2025 को बंधक स्वर्ण आभूषणों की ई-नीलामी व्यवहृत करने को बाध्य हैं। आईसीआईसीआई बैंक बिना किसी पूर्व सूचना के किसी खाता को हटाने का/ई-नीलामी की तारीख में परिवर्तन करने का अधिकार रखता है। नीलामी ऑनलाईन https://gold.samil.in पर 12:30 बजे अपराह्न से 3:30 बजे अपराह्न के बीच आयोजित की जायेगी। विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए कृपया दी गई वेबसाईट का अवलोकन करें। ऋणधारक की मृत्यु की स्थिति में उसके वैध उत्तराधिकारी पर सभी नियम एवं शर्तें लागू होंगी।

ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम
181562002189	कविता राय
शाखा का नाम : चांपा	
177462002208	राजू कुमार बंजारे
शाखा का नाम : चिरमिरी	
162562002077	अभिषेक पराशर
शाखा का नाम : दल्ली राजहरा	
197762001167	प्रहलाद जैन
371762002834	मोहम्मद जुनेद नुरानी
शाखा का नाम : कोंडागांव, छत्तीसगढ़	
328162002683	श्रादू कश्यप
328162005678	आसिम सोम
328162005680	जग्गू राम
शाखा का नाम : कोरबा	
035362003680	लक्ष्मीन बाई
035362003684	शांति बाई
134762002004	सतीश साहू
शाखा का नाम : सक्ती	
444562000112	अमरीका यादव
शाखा का नाम : सरायपाली	
783262000209	जितेश चौधरी
शाखा का नाम : हैदराबाद-बोटानिका निलासद्वार	
470362000039	निशांत शर्मा
शाखा का नाम : हैदराबाद-कोसागुमदा	
277362004923	चेतन कश्यप

दिनांक : 12.05.2025
स्थान : बस्तर, कोरबा, दुर्ग, रायगढ़, रायपुर, कोंडागांव, नारायणपुर, मुंगेली, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, महेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, जशपुर, सुकमा, सरगुजा, जांजगीर-चांपा, सक्ती, बालोद, बलरामपुर (छत्तीसगढ़), बेमेतरा, कोरिया, महासमुंद, उत्तर बस्तर कांकेर, खरसिया, बस्तर

सही - प्राधिकृत अधिकारी
कृते, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

आम सूचना

ICICI Bank
पंजीकृत कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, चकली सर्किल के पास, ओल्ड पादरा रोड, वडोदरा- 390 007
कारपोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स मुंबई 400051

स्वर्ण ई-नीलामी सह आमंत्रण सूचना

नीचे उल्लिखित ऋणधारकों को स्वर्ण आभूषण के एवज में सुविधा में प्रदर्शित धनराशि को चुकता करने हेतु सूचना जारी की जा चुकी है। आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड (ICICI Bank) से उन्हें ("सुविधा") उपलब्ध कराई गई। चूँकि ऋणधारक सुविधा अन्तर्गत बकाया भुगतान करने में असफल हो चुके हैं, हम 22 मई, 2025 को बंधक स्वर्ण आभूषणों की ई-नीलामी व्यवहृत करने को बाध्य हैं। आईसीआईसीआई बैंक बिना किसी पूर्व सूचना के किसी खाता को हटाने का/ई-नीलामी की तारीख में परिवर्तन करने का अधिकार रखता है। नीलामी ऑनलाईन https://jewel-auction.procuretiger.com पर 12:30 बजे अपराह्न से 3:30 बजे अपराह्न के बीच आयोजित की जायेगी। विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए कृपया दी गई वेबसाईट का अवलोकन करें। ऋणधारक की मृत्यु की स्थिति में उसके वैध उत्तराधिकारी पर सभी नियम एवं शर्तें लागू होंगी।

ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम : कोसागुमदा	
132805003947	चैतन कश्यप

दिनांक : 12.05.2025
स्थान : बस्तर

सही -
प्राधिकृत अधिकारी
कृते आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

राशिफल

मेष — धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृष — वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

सिंह — सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कन्या — किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

तुला — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

धनु — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर — व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

कुंभ — मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

मीन — परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

शब्द पहेली - 5864

बाएँ से दाएँ
1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे
2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली- 5863 का हल

■	सो	नि	या	गां	धी	■	म	हा	न	ता
खा	ना	■	प	■	र	क्ष	क	■	म	ल
ना	■	म	न	सि	ज	■	र	ग	■	मे
ब	ला	त	■	■	वा	दा	■	म	ह	ल
दो	■	दा	■	क	ला	■	आ	■	व	■
श	य	न	क	क्ष	■	दि	शा	ही	न	ता
■	म	■	प	■	ह	ल	■	न	■	क
का	ज	ल	■	शा	म	■	■	त	ह	त
म	■	त	य	■	व	फा	दा	र	■	व
चो	र	■	की	म	त	■	म	■	का	र
र	म	जा	न	■	न	य	न	ज	ल	■

सूडोकु नवताल- 5874

★★★✯☆ मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5873 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

बायर्न म्यूनिख ने जीता बुंडेसलिगा खिताब

मुलर ने विदाई मैच में मनाया ट्रॉफी का जश्न

2-0 से मोनचेंग्लादबाक को हराया

34वां रिकॉर्ड खिताब बायर्न के नाम

31वें मिनट में हैरी केन ने दागा गोल

25 गोल के साथ सत्र में केन शीर्ष स्कोरर

90वें मिनट में ओलिसे ने किया दूसरा गोल

एजेंसी ▶▶| बर्लिन

दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी थॉमस मुलर के घरेलू मैदान पर आखिरी मैच में बोरुसिया मोनचेंग्लादबाक पर 2-0 की जीत के साथ बायर्न म्यूनिख ने बुंडेसलिगा (जर्मनी की शीर्ष घरेलू लीग) खिताब का जश्न मनाया। बायर्न के कप्तान मैनुअल नेउर ने ट्रॉफी उठाने के बाद उसे जर्मनी के दिग्गज खिलाड़ी मुलर को थमा दिया। मुलर ने टॉफी की ऊपर उठाकर जश्न मनाया।

बायर्न म्यूनिख के घरेलू मैदान पर जब इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने इस ट्रॉफी को पकड़ा तो एक बार फिर से भावनाओं का सैलाब उमड़ पड़ा। केन अपने करियर में कई बार खिताब के करीब पहुंच कर चूक गए हैं। यह शीर्ष स्तर पर उनके करियर की पहली ट्रॉफी है। बायर्न ने पिछले सप्ताह ही बुंडेसलिगा में रिकॉर्ड 34वां खिताब अपने नाम किया था। केन ने मैच के 31वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। वह 25 गोल के साथ लीग के मौजूदा सत्र में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी है। माइकल ओलिसे ने 90वें मिनट में मैच का दूसरा गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी।

खबर संक्षेप

भारतीय भारोत्तोलक देवी चौथे स्थान से निराश

जियांगशान। भारतीय भारोत्तोलक निरुपमा देवी को रविवार को यहां एशियाई चैंपियनशिप में महिलाओं की 64 किग्रा वर्ग में क्लीन एंड जर्क में दो असफल प्रयासों के कारण चौथे स्थान पर रहकर कांस्य पदक से हाथ धोना पड़ा। एशियाई युवा भारोत्तोलन चैंपियनशिप की पदक विजेता 24 वर्षीय निरुपमा देवी क्लीन एंड जर्क में 115 किग्रा ही उठा पाईं जबकि 120 किग्रा और 125 किग्रा उठाने का उनका प्रयास विफल रहा। इससे स्नैच में 91 किग्रा से उनका गैर-ओलंपिक वर्ग में कुल वजन 206 किग्रा हो गया।

सप्तक तलवार संयुक्त 48वें स्थान पर खिसके

गिरोना। भारतीय गोल्फर सप्तक तलवार यहां फॉन्टानल्स गोल्फ क्लब में 'चैलेंज डी एस्पाना' के तीसरे दौर में दो ओवर 73 के निराशाजनक कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 48वें स्थान पर खिसक गए।

शुरुआती दो दौर में 69 और 66 का कार्ड खेलने वाले तलवार का कुल स्कोर अब पांच अंडर है। वह पहले दो दौर की लय को तीसरे दौर में जारी नहीं रख सके। वह इसमें एक बर्डी के मुकाबले तीन बोगी कर बैठे। फ्रांस के क्लेमेंट चार्मसन पांच अंडर 66 का कार्ड खेलने के बाद कुल 15 अंडर के स्कोर के साथ तालिका में शीर्ष पर है।

स्नेह राणा 15 विकेट लेकर बनीं प्लेयर ऑफ द सीरीज

भारत बना त्रिकोणीय श्रृंखला का चैंपियन श्रीलंका को रौंदा, स्मृति मंधाना का शतक

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

स्मृति मंधाना की आक्रामक शतकीय पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने महिला त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला के फाइनल में रविवार को यहां श्रीलंका को 97 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। मंधाना ने 101 गेंदों पर 116 रन की शानदार पारी खेली।

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 342 रन का बड़ा स्कोर खड़ा करने के बाद स्नेह राणा के चार और अमनजोत कौर के तीन विकेट से श्रीलंका की पारी को 48.2 ओवर में 245 रनपर समेट दिया। श्रीलंका के लिए कप्तान चमारी अटापट्टू ने सबसे ज्यादा 66 गेंद 51 रन का योगदान दिया। नीलाक्षी डिसिल्वा ने 48 रन की पारी खेली। मंधाना ने 21 रन पर मिले जीवनदान का फायदा उठाते हुए अट्टापट्टू के खिलाफ लगातार चार चौके जड़कर वनडे करियर का 11वां शतक पूरा किया। सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल (30) के साथ 89 गेंद में 70 रन की साझेदारी टूटने के बाद मंधाना ने तेजी से रन बनाना शुरू किया। उन्होंने हरलीन देओल (47 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 106 गेंद में 120 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी को देवमी विहंगा ने मंधाना को आउट कर तोड़ा।

अर्धशतक से चूकीं बल्लेबाज

कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स ने इसके बाद तेजी से रन जुटाए लेकिन दोनों अर्धशतक पूरा करने से चूक गयीं। हरमनप्रीत ने 30 गेंद में चार चौके और एक छक्का की मदद से 41 रन की पारी खेली जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 123 रन बनाने वाली जेमिमा ने 29 गेंद की ताबड़तोड़ पारी में चार चौके की मदद से 44 रन बनाए। दीप्ति शर्मा (नाबाद 20) और अमनजोत कौर (18 रन) ने आक्रमक रवैया जारी रखा जिससे भारत ने आखिरी 10 ओवर में 90 रन बटोर कर स्कोर को 340 रन के पार ले जाने में सफल रहा।

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4	6
प्रतिका का वत्सला बो रनवीरा	30	49	2	0
मंधाना का समरविक्रमा बो विहंगा	116	101	15	2
हरलीन का एवं बो विहंगा	47	56	4	0
हरमनप्रीत का मदारा बो सुगंधिका	41	30	4	1
रोड्रिग्स का सिल्वा बो सुगंधिका	44	29	4	0
घोष का स्था. करुणारत्ने बो मदारा	08	09	0	1
कौर का स्था. करुणारत्ने बो मदारा	18	12	2	0
दीप्ति शर्मा नाबाद	20	14	3	0
क्रांति गौड़ नाबाद	00	01	0	0

अतिरिक्त : 18, कुल : 50 ओवर में 342/7
गेंदबाजी : मदारा 10-0-74-2, विहंगा 10-0-69-2, सुगंधिका 10-0-59-2, रनवीरा 10-0-62-1, चमारी 8-0-61-0, वत्सला 2-0-17-0.

श्रीलंका	रन	गेंद	4	6
हसिनी परेरा बो अमनजोत	00	03	0	0
विष्मी गुणारत्ने बो अमनजोत	36	41	5	0
चमारी अटापट्टू बो राणा	51	66	6	1
नीलाक्षी का हरलीन बो राणा	48	58	5	0
हर्षिता का मंधाना बो अमनजोत	26	32	4	0
देवमी का स्नेह बो श्री चरणी	04	06	1	0
अनुष्का का अमनजोत बो राणा	28	41	2	0
पियूमी वत्सला रन आउट	09	13	1	0
सुगंधिका कुमारी रन आउट	27	29	5	0
मलकी मदारा बो राणा	00	01	0	0
इनोका रनवीरा नाबाद	00	00	0	0

अतिरिक्त : 16, कुल : 48.2 ओवर में 245/10
गेंदबाजी : अमनजोत 8-0-54-3, क्रांति गौड़ 5-0-22-0, दीप्ति 10-0-43-0, श्री चरणी 10-0-55-1, स्नेह राणा 9.2-1-38-4, प्रतिका 5-0-18-0, हरलीन 1-0-12-0.

कोलकाता से बाहर हो सकता है फाइनल मुकाबला

आईपीएल 16 या 17 मई से शुरू होने की संभावना

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के कारण स्थगित इंडियन प्रीमियर लीग 16 या 17 मई को फिर से शुरू हो सकती है और इसके फाइनल का आयोजन कोलकाता से बाहर किए जाने की संभावना है।

शनिवार को संघर्ष विराम की घोषणा ने लीग को फिर से शुरू करने की उम्मीद जगा दी है जिसे नौ मई को एक सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया गया था। आईपीएल संचालन परिषद के सदस्यों और भारतीय क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों ने लीग को फिर से शुरू करने की योजना पर रविवार को चर्चा की। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि बोर्ड अब भी उपयुक्त कार्यक्रम बनाने पर काम कर रहा है। शुक्ला ने कहा, 'अभी तक आईपीएल पर कोई निर्णय नहीं हुआ है। बीसीसीआई अधिकारी समाधान पर काम कर रहे हैं। बीसीसीआई सचिव, आईपीएल अध्यक्ष फ्रेंचाइजी और सभी के साथ बातचीत कर रहे हैं इसलिए बहुत जल्द हमें निर्णय के बारे में पता चल जाएगा। टूर्नामेंट को जल्द से जल्द फिर से शुरू करने के प्रयास किए जा रहे हैं।'

चार शहरों में ही होंगे मैच

शुक्ला ने कहा, 'सबसे अधिक संभावना है कि मैच चार स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे और दिल्ली तथा धर्मशाला को और मैचों की मेजबानी नहीं मिलेगी। इन स्थानों से सभी उपकरण पहले ही हटा दिए गए हैं।' सूत्र ने यह भी कहा कि क्वालीफायर एक और एलिमिनेटर के लिए स्थल में कोई बदलाव नहीं होगा जिसकी मेजबानी हैदराबाद को करनी थी लेकिन कोलकाता संभवतः एक जून को होने वाले फाइनल की मेजबानी से चूक सकता है क्योंकि उस दिन शहर में बारिश का पूर्वानुमान है।

सरकार की मंजूरी जरूरी

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, 'अगले कुछ दिनों में हम लीग के शेष मैचों की मेजबानी करने वाली फ्रेंचाइजी, प्रसारकों, प्रायोजकों और राज्य संघों के साथ परामर्श शुरू करेंगे। इस समय आईपीएल के महत्व को देखते हुए इसे फिर से शुरू करने के समय को अंतिम रूप देने से पहले भारत सरकार की मंजूरी लेना भी विवेकपूर्ण और आवश्यक होगा।' यह संभव है कि पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स को बृहस्पतिवार को रद्द हुए मैच के लिए एक-एक अंक दिया जाए।

नीरज दोहा डाइमंड लीग में पेश करेंगे चुनौती

दोहा। स्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 16 मई को प्रतिष्ठित डाइमंड लीग प्रतियोगिता के दोहा चरण में तीन अन्य हमवतन खिलाड़ियों के साथ हिस्सा लेंगे। यह किसी डाइमंड लीग प्रतियोगिता में भारत के सबसे अधिक प्रतिभागी हैं। यहां 2023 (88.67 मीटर) में खिताब जीतने और 2024 (88.36 मीटर) में दूसरे स्थान पर रहे नीरज पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में किशोर जेना के साथ हिस्सा लेंगे। जेना ने 2024 में भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था और 76.31 मीटर के थ्रो के साथ नौवें स्थान पर रहे थे।

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
सीला मलहम®
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देखे ....
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

दीपिका, सालुंखे ने जीता कांस्य सात पदक से अभियान खत्म

एजेंसी ▶▶| शंघाई

भारत की सबसे सफल तीरंदाज दीपिका कुमारी सेमीफाइनल में मिली हार के बाद शानदार वापसी करते हुए रविवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप चरण दो की रिकर्व स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर अपना सम्मान बचाने में सफल रही जबकि पार्थ सालुंखे ने पहली बार पोडियम पर जगह बनाई। भारत का अभियान इस तरह से सात पदकों के साथ खत्म हुआ।

कम्पाउंड तीरंदाजों ने इससे पहले शनिवार को दो स्वर्ण के साथ पांच पदक जीतकर दबदबा कायम किया था। इसमें तीन पदक में मधुरा धामनगंकर का योगदान रहा। उन्होंने व्यक्तिगत स्वर्ण के साथ महिला और मिश्रित टीम में पदक जीत कर तीन साल बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी का जश्न मनाया। दीपिका को अंतिम चार मैच में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी लिम सिहियोन ने महिला रिकर्व व्यक्तिगत मुकाबले में 7-1 के अंतर से हराया।

दीपिका ने पोडियम पर बनाई जगह

भारत की 30 साल की तीरंदाज ने हालांकि सेमीफाइनल की निराशा को पीछे छोड़ते हुए कांस्य पदक के मैच में कोरिया की एक अन्य खिलाड़ी कांग चेन योंग के खिलाफ 7-3 की जीत के साथ पोडियम पर अपनी जगह पक्की की। दीपिका ने सेमीफाइनल में हार का सामना करने के बाद कांस्य पदक के मैच में अधिक धैर्य और रणनीतिक स्पष्टता दिखाई। पहला सेट 27-27 से बराबरी पर समाप्त हुआ, लेकिन दीपिका ने दूसरे सेट में 28 अंक बनाकर 3-1 की बढ़त बना ली। पूर्व विश्व चैंपियन कांग ने हालांकि वापसी करते हुए दीपिका के 27 के मुकाबले 30 अंक के साथ स्कोर को 3-3 से बराबर कर दिया। चार बार ओलंपिक खेल चुकी दीपिका ने अनुभव का शानदार इस्तेमाल करते हुए तीनों निशाना 10 अंक पर साध कर 5-3 की बढ़त कायम की। उन्होंने इसके बाद कांग के 28 के मुकाबले 29 अंक जुटाते हुए अपनी जीत पक्की कर ली।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झाईं, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयॉथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्ट्डी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपेथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दाश M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑम्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेण्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लाप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

हरिभूमि
बिलासपुर संस्करण के 25वें स्थापना दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...
श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत
सांसद-कोरबा लोकसभा क्षेत्र
शुभेच्छु:- किरण चौरसिया (सांसद प्रतिनिधि)
नूतन सिंह ठाकुर (अधिवक्ता)
सभापति-नगर पालिक निगम, कोरबा
विकास महतो
प्रदेश मंत्री- भारतीय जनता पार्टी (छ.ग.)
गोपाल मोदी
जिला अध्यक्ष-भाजपा, जिला-कोरबा
संजय भावनानी
जिला उपाध्यक्ष-भाजपा, जिला-कोरबा
विकास झा
प्रदेश कोषाध्यक्ष-भाजयुमो (छत्तीसगढ़)
पद्मिनी प्रीतम देवांगन
अध्यक्ष-नगर पंचायत, छुरीकला
अजय जायसवाल
अध्यक्ष-नगर पंचायत पाली, जिला-कोरबा
पुष्पेन्द्र शुक्ला
सांसद प्रतिनिधि (NTPC) सीपत
अध्यक्ष-ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, हरदीबाजार, जिला-कोरबा (छ.ग.)
पोषक दास महंत
सांसद प्रतिनिधि-एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर,
अध्यक्ष-डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर
रोहित राठौर
भाजपा नेता
मे.रोहित कुमार राठौर ट्रेवल्स, दीपका
विनय सोनकर
पूर्व उपाध्यक्ष-नगर पंचायत, पाली
डॉ.शतदल नाथ
डायरेक्टर-सिद्धि विनायक हॉस्पिटल, कोरबा
डॉ.प्रीति उपाध्याय
MBBS, MD (Obs & Gynic, Gold Medalist),
Sr Consultant high risk pregnancy & infertility specialist.
Krishna Hospital
डॉ.अजय शेष MD Pathology
Guinness World Record Holder
(Longest Speech Marathon)
डॉ.संजय गुप्ता
प्राचार्य-इंडस पब्लिक स्कूल, दीपका
श्रीकांत बुधिया
अध्यक्ष-जिला उद्योग संघ, कोरबा
पवन अग्रवाल
संचालक- Auto Centre Group
शैलेष सिंह ठाकुर
भाजपा कार्यकर्ता, पाली, जिला-कोरबा (छ.ग.)
तुलेश्वर कौशिक
भैसमा, जिला-कोरबा (छ.ग.)
संतोष खरे
हिरामणी वैष्णव
राष्ट्रीय कवि
प्रोसेस टेक्नीशियन, भारत एल्यूमिनियम कं. लिमिटेड
संतोष सिंह
TOT MEMBER
CORPORATE CLUB MEMBER
BIMA BHUSHAN RATNA AWARD
LIC OF INDIA
सियाराम बंजारे
महासचिव- WUSHU मार्शल आर्ट, कोरबा
जिला-कोरबा (छ.ग.)
पार्थ श्रीवास्तव
67th नेशनल स्कूल गेम्स मेडलिस्ट
खेलो इंडिया यूथ गेम्स बिहार 2025 फोर्थ पोजीशन

> जलवायु परिवर्तन यानी क्लाइमेट चेंज का सामना दुनियाभर की आबादी कर रही है। इस वजह से बाढ़, तूफान के साथ ही तापमान में बढ़ोतरी की वजह से असहनीय गर्मी मुख्य रही है। जलवायु परिवर्तन की ये चुनौतियां सिर्फ पर्यावरणीय ही नहीं है।

जलवायु परिवर्तन की वजह से 10 सालों में खाद्य कीमतों में दोगुने बढ़ोतरी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इसका मानव जीवन पर व्यापक असर पड़ना तय माना जा रहा है। कुल जमा वैज्ञानिक मान रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन की वजह से मानव को आर्थिक के साथ ही शारिरिक नुकसान होना तय है। जलवायु परिवर्तन की वजह से एक तरफ जहां फूड प्रोडक्ट यानी खाद्य पदार्थों के दामों में दोगुने तक की भी बढ़ोतरी होगी तो वहीं जलवायु परिवर्तन मानव की नींद का भी बड़ा दुश्मन बन सकता है।

दुनिया भर में बढ़ती महंगाई के आंकड़ों का किया विश्लेषण

तापमान में 10 डिग्री की बढ़ोतरी

नींद के डेटा का विश्लेषण के तहत यूनिवर्सिटी के रिसर्चर ने लोगों की नींद के 20 मिलियन से अधिक में रातों की निगरानी की। जिसमें पाया गया है कि अगर किसी रात तापमान में 10 डिग्री की बढ़ोतरी होती है तो लोगों की भरपूर नींद ना लेने की संभावनाएं 20 फीसदी तक बढ़ जाती हैं। रिसर्चर ने अनुमान लगाया है कि तापमान में बढ़ोतरी के कारण इस सदी के अंत तक चीन में प्रत्येक व्यक्ति प्रति वर्ष लगभग 33 घंटे की नींद खो सकता है।

तापमान में बढ़ोतरी नींद के लिए कर रही संकट पैदा

जलवायु परिवर्तन की वजह से तापमान में बढ़ोतरी होती है, जो भोजन के बाद किसी मनुष्य के लिए आवश्यक नींद के लिए बड़ा संकट पैदा कर रही है। हालांकि, हम तापमान को कम करने के लिए एयरकंडीशनर चला रहे हैं, लेकिन उसके बाद भी रात में बढ़ता तापमान हमारी नींद में खलल डाल रहा है। इसको लेकर चीन की फुडन यूनिवर्सिटी ने लोगों की नींद के डेटा का विश्लेषण किया है।

2035 तक दोगुने होंगे फूड प्रोडक्ट के दाम

जलवायु परिवर्तन की वजह से तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। इस वजह से कृषि संकट गहराया है और इस वजह से खाद्य पदार्थों के दामों में बढ़ोतरी हुई है। इस संबंध में यूरोपिय सेंट्रल बैंक के जलवायु परिवर्तन से दुनिया भर में बढ़ती महंगाई के आंकड़ों का विश्लेषण किया है। आंकड़ों के बाद बैंक ने अनुमान लगाया है कि 2035 यानी अभी से 10 साल बाद गर्म तापमान की वजह से मंहगाई में 0.5 से 1.2 फीसदी की दर से वार्षिक बढ़ोतरी होगी. जबकि खाद्य कीमतों के दामों में दोगुनी की बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है।

रोचक खबरें

कंकालों का द्वीप, जहां हैं हड्डियां ही हड्डियां, बिखरे पड़े हैं दांत

लंदन। दुनिया में बहुत सी अलग-अलग जगहें हैं और उनका अपनी-अपनी खासियत है। कुछ जगहें इसलिए मशहूर हैं, क्योंकि वो बहुत खूबसूरत हैं और कुछ जगहें इसलिए जानी जाती हैं। क्योंकि, वहां का इतिहास काफी रोचक होता है। आज एक ऐसी जगह के बारे में आपको हम बताएंगे, जहां का इतिहास इतना डरावना है कि सामान्य आदमी का दिमाग हिल सकता है।

18वीं से 19वीं सदी के बीच इस द्वीप में कुछ ऐसा हुआ, जिसके सबूत आज भी यहां जगह-जगह पर बिखरे हुए है। इनकी तस्वीरें किसी की भी रातों की नींदें उड़ाने के लिए काफी है। जिस तरह पत्थर बिखरे रहते हैं, वैसे यहां इंसानों की हड्डियां और दांत बिखरे है। यही वजह है कि इसे डेडमैंस आइलैंड यानि मुर्दों का द्वीप कहा जाता है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 200 सालों में इस जगह पर कोई भी नहीं गया है, क्योंकि यहां कंकालों, हड्डियों और इंसानी अवशेषों के अलावा कुछ भी नहीं है। लंदन से 40 मील की दूरी पर मौजूद इस भुतहे द्वीप में कैदियों को दफनाया जाता था। यहां पर 200 सालों तक कैदियों के जहाज़ आते थे और उन्हें यहीं मरने के लिए छोड़ दिया जाता था। उनके शरीर धीरे-धीरे यहीं खत्म हुए, जिनकी हड्डियां और दांत बिखरे मिलते है। जो ताबूत आए, वे कई जगह खुले ही पड़े है।

तस्वीरें सोने तक नहीं देंगी

साल 2017 में बीबीसी ने स्पेशल परमिशन के तहत यहां एंट्री थी। उसकी प्रेजेंटर नताली ग्राहम ने इस द्वीप को देखते ही कहा था ये बेहद अजीब है और उसे कल्पना भी नहीं थी कि धरती पर ऐसा नज़ारा भी कहीं दिख सकता है। अब वो ये तस्वीर भूल नहीं पाएंगी। वहीं, उनके साथ ने कहा कि ये किसी हॉरर फिल्म से कम नहीं था, जहां हड्डियां और ताबूत ही थे। इसके बारे में कई कहानियां है। कुछ लोग कहते हैं कि यहां सिर्फ मुर्दों का राज चलता है या फिर यहां दानवों ने आकर लोगों को खा लिया और उनका दिमाग ले लिया।

शादी में लड़की ने चुपके से चुकंदर के टुकड़ों से किया मेकअप

नई दिल्ली। शादी के मौकों पर कई अनोखी चीज़ें भी देखने को मिलती रहती हैं। कभी दूल्हा दुल्हन के मजेदार लम्हें देखने को मिल जाते हैं तो कभी विदाई में कुछ अनूठा पल निकल कर आ जाता है। रिसेप्शन पार्टी में भी कई बार हट कर घटनाएं हो जाती हैं और हमें कुछ वायरल वीडियो मिल जाते हैं। एक वायरल वीडियो में एक लड़की ने बहुत ही अनोखी और मजेदार बात दिखा दी। उसने रिसेप्शन पार्टी के स्टाल में से स्लाद की प्लेट में से चुकंदर निकाल कर चुपके से मेकअप की तरह इस्तेमाल किया, वीडियो ही वायरल हो गया। यूं तो चुकंदर के कई तरह के कई तरह के फायदे गिनाए जाते हैं। इसे कभी खून बढ़ाने वाला बताया जाता है तो कभी इसे त्वचा को चमकदार बनाने के नुस्खे के तौर पर आजमाया जाता है। इस सब्जी में आयरल , पोटेशियम, फोलेट और विटिमिन सी भरपूर होता है और सेहत के लिए इसे बहुत ही ज्यादा फायदेमंद बताया जाता है। पर क्या इसके अलावा भी इस्तेमाल किया जाता है। इस वीडियो में तो इसे लड़की ने लिपिस्टिक की तरह इस्तेमाल करने के आइडिया दे दिया। वीडियो में हम देखते हैं कि एक लड़की शादी की रिसेप्शन पार्टी में आई हुई है।

मां ने बेटी के सिर पर मज़ाक में फोड़ा अंडा, पकड़ ले गई पुलिस

स्टॉकहोम। जिनके भी घर में बच्चे हैं, उनके घरों में बच्चों को डांटना और कभी-कभी उन्हें अनुशासित रखने के लिए सज़ा भी दी जाती है। हालांकि कई देशों में इस तरह की पैरेंटिंग पर सख्ती से रोक है और अगर कोई ऐसा करता हुआ पाया जाता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई भी की जाती है। इसी तरह बच्चों के साथ मज़ाक भी माता-पिता करते हैं, जिसका मतलब ये नहीं वे उसे नुकसान पहुंचाना चाहते है। कई बार ऐसा होता है कि हम अपने ही बच्चों से मज़ाक-मज़ाक में कुछ अतरंगी चीज़ें कर देते है। इसका मकसद हमेशा नुकसान पहुंचाना ही नहीं होता है। हालांकि, एक मां को ये मज़ाक भारी पड़ गया। उसने सोचा भी नहीं होगा कि इतनी सी बात के लिए उसे पुलिस और कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगाने पड़ जाएंगे।

स्वीडन से एक अजीबोगरीब घटना सामने आई है।यहां के हेलसिंगबॉर्ग में रहने वाली एक 24 साल की महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसके पीछे की वजह आपको हैरान कर देगी।मामला साल 2023 का है, जब इस महिला ने सोशल मीडिया पर चल रहे एक वायरल ट्रेंड के तहत अपनी बेटी के सिर पर अंडा फोड़ दिया। दरअसल, इस ट्रेंड के तहत लोग सिर पर अंडा फोड़ते हैं। जब मां ने अपनी बेटी के सिर पर अंडा फोड़ा तो बेटी को ये अच्छा नहीं लगा और उसने बोला कि उसे दर्द हुआ। हालांकि, मां हंसती रही और उसने अपना वीडियो शेयर कर दिया। ये वीडियो जैसे ही पुलिस तक पहुंचा, तो उन्हें ये अंदाज़ नापसंद आया और उन्होंने महिला को अपनी बेटी को परेशान करने के लिए गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस से प्रतिनियुक्ति पर बल में लिए जाएंगे अधिकारी

अब राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल भी, बिना वारंट गिरफ्तारी-तलाशी कर सकेगी फोर्स

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

> छत्तीसगढ़ में अब एक और सशस्त्र बल के गठन की तैयारी है। औद्योगिक सुरक्षा के नाम से गठित यह बल इस लिहाज से शक्तिशाली हो सकता है कि इसके अधिकारी बिना वारंट किसी की भी गिरफ्तारी कर सकेंगे। साथ ही इन्हें वारंट के बिना भी किसी भी जगह तलाशी का अधिकार होगा। यह बल राज्य के औद्योगिक परिसरों को सुरक्षा देने का काम करेगा और इसके बदले मिलने वाली राशि सरकार के खजाने में जमा होने से शासन को वित्तीय लाभ भी होगा।

खास खबर

सरकार ने छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल विधेयक विधानसभा से पारित कराया है। विधेयक को राज्यपाल की अनुमति मिलने के बाद यह लागू होगा। सरकार का मानना है कि बढ़ती औद्योगिक गतिविधियों को लगातार सुरक्षा प्रदान करने के लिए औद्योगिक गतिविधियों के दौरान होने वाली कानून व्यवस्था में गतिरोध को कानूनी रूप से सुरक्षा प्रदान करने के लिए इस बल के गठन की जरूरत है। राज्य में औद्योगिक एवं व्यावसायिक वातावरण अनुकूल बनाने के लिए इस विशिष्ट बल की जरूरत है।

राज्य सरकार के इस औद्योगिक सुरक्षा बल को कई अधिकार दिए जाएंगे, लेकिन इसमें सबसे महत्वपूर्ण यह भी है कि बल का कोई भी सदस्य वारंट के बिना भी गिरफ्तारी कर सकेगा। विधेयक में इसे स्पष्ट करते हुए बताया गया है कि किसी कर्मचारी या अधिकारी को या बल के किसी सदस्य को कर्तव्य के निष्पादन में या कर्तव्य के निर्वहन से रोकने या भयभीत करने के इरादे से रोके या किसी प्रकार से बाधा पैदा करे, या ऐसा करने का प्रयास करे। उसे बिना वारंट के गिरफ्तार करने का अधिकार इस बल को होगा।

खास बातें

- राज्यपाल से अनुमति मिलने के बाद लागू होगा विधेयक
- औद्योगिक और व्यावसायिक वातावरण अनुकूल बनाने की तैयारी
- संदिग्धों की पहचान से औद्योगिक परिसरों की पुख्ता होगी सुरक्षा

औद्योगिक संस्थानों को सुरक्षा देने से होगी कमाई भी

सरकार ने पारित कराया है विधेयक

फाइल फोटो

बिना वारंट तलाशी का अधिकार

इस बल के पास वारंट के बिना तलाशी लेने का अधिकार भी होगा। इस संबंध में विधेयक में कहा गया है कि जब बल के किसी सदस्य को यह विश्वास करने का कारण हो कि परिनियोजन के स्थान में कोई ऐसा अपराध, जो कि धारा 9 में विनिर्दिष्ट किया गया है, कारित किया जा रहा है और अपराधी को बच निकलने या अपराध के साक्ष्य को छिपाने का अवसर दिए बिना, बिना तलाशी वारंट प्राप्त नहीं किया जा सकता है तो वह अपराधी को निरुद्ध कर सकेगा। साथ ही उस व्यक्ति के सामान की तत्काल तलाशी ले सकेगा और यदि वह उचित समझे तो ऐसे किसी व्यक्ति को, जिसके बारे में उसे यह विश्वास करने का कारण हो कि उसने अपराध कारित किया है, गिरफ्तार कर सकेगा।

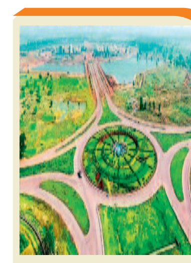

नवा रायपुर में होगा मुख्यालय पौने 12 करोड़ आएगा खर्च

छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल का मुख्यालय नवा रायपुर अटलनगर में स्थापित किया जाएगा। इस बल के गठन के लिए पुलिस अधिकारियों को बल में प्रतिनियुक्ति दी जाएगी। सरकार का अनुमान है कि बल के गठन में करीब पौने 12 करोड़ रुपए खर्च होंगे। वहीं जब यह बल राज्य के औद्योगिक संस्थानों को सुरक्षा प्रदान करेगा तो उसके एवज में मिलने वाली राशि राज्य के खजाने में जाएगी।

लॉन्च होते ही स्पेसशिप के हो गए थे चार टुकड़े

अब 53 साल बाद आसमान से नीचे गिरा सोवियत कोस्मोस 482

वॉशिंगटन। सोवियत युग का एक पुराना स्पेसशिप, जिसे दशकों पहले शुक्र ग्रह पर भेजा गया था वो शनिवार को पृथ्वी पर बेकाबू होकर गिर गया। यह यान करीब 53 साल पहले लॉन्च किया गया था, लेकिन ये मिशन असफल रहा था. यूरोपीय संघ की स्पेस एजेंसी ने इसकी वायुमंडल में वापसी की पुष्टि की है। दरअसल, 53 सालों से स्पेस में फंसा सोवियत अंतरिक्ष यान 10 मई को आखिरी बार पृथ्वी पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के मुताबिक, यह मध्य अंडमान द्वीप से 560 किलोमीटर पश्चिम में हिंद महासागर में गिरा। इससे पहले, यूरोपीय स्पेस एजेंसी ने एक अपडेट में कहा था कि कोसमोस 482 को जर्मनी के ऊपर रडार में आखिरी बार देखा गया था। इसे लेकर कुछ दिन पहले ही यह बताया गया था कि कोसमोस 482 पृथ्वी पर दुर्घटनाग्रस्त हो जाएगा। हालांकि, इसे शुरू में शुक्र ग्रह पर जाना था, लेकिन तकनीकी समस्याओं ने मिशन में समस्या आने से तब से यह पृथ्वी पर मंडराता रहा. जब से यह खुलासा हुआ है कि यह निष्क्रिय उपग्रह गिर जाएगा, तब से वैज्ञानिक इस बात का अनुमान लगा रहे हैं कि यह कब होगा।

चीन का श्रवण कुमार, बच्चों की तरह मां को पीठ पर लादे घूमता है बेटा!

बीजिंग। हर इंसान की ख्वाहिश होती है कि उसके बच्चे इतने काबिल बनें कि वो कामयाब होने के साथ-साथ, अपने माता-पिता का भी ध्यान रख सकें। हालांकि, हर कोई इतना लायक नहीं होता, जितना चीन का एक बेटा है। आमतौर पर चलने-फिरने में नाकाबिल हो चुके माता-पिता का लोग ख्याल तो रखते हैं, लेकिन ये बेटा जो कर रहा है, वो आपने पहले कभी शायद ही देखा हो। बचपन में आपने मां को अपने बच्चे को कांधे या पीठ पर बिठाकर घुमाते-टहलाते हुए बहुत बार देखा होगा। इस वक्त चीन का एक बेटा अपनी मां को इसी तरह पीठ पर लादकर दुनिया घुमा रहा है। आपने श्रवण कुमार की कहानी तो ज़रूर सुनी होगी, जिन्होंने अपने अंधे माता-पिता को तीर्थ कराने के लिए उन्हें कंधे पर उठाया था। इ

मां को पीठ पर लादे घूम रहा है बेटा

एक रिपोर्ट के मुताबिक सिचुआन प्रांत के हुइडॉन्ग काउंटी के रहने वाले चाइ वानबिन सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके है। 51 साल के चाइ वानबिन को देखकर आपको श्रवण कुमार की कहानी याद आ जाएगी, जिन्होंने माता-पिता को कंधे पर टांगकर चार धाम की यात्रा कराई थी। चाइ भी अपनी मां को अपनी पीठ पर लादकर ही कहीं जाते है। 88 साल की उनकी मां को पैरालिसिस है और वे व्हील चेअर पर ही रह सकती है।

हवा में तैरती है ये एयरबाइक, अब आप भी पंछियों की तरह कर सकेंगे ग्लाइड

वारसॉ। हवा में कौन नहीं उड़ना चाहता है। आज भी इंसान का सपना है कि वह पंछियों की तरह हवा में उड़ सके। अभी यह केवल हेलीकॉप्टर और हवाई जहाज के जरिये हो पाया है। लेकिन, उनमें वह उड़ान और आसानी नहीं होती है, जैसी कि एक पंछी में होती हैं। पर पोलैंड की एक कंपनी ने यह सपना सच कर दिखाया है। उसने ऐसी एयरबाइक बनाई है जिसके जरिए इंसान पंछियों की तरह हवा में ग्लाइड कर सकेंगे। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो तेजी से वायरल होता दिख रहा है। इसे विज्ञान फंतासी की तरह बनाया है और यह बाइक स्टार्स में दिखाई गई स्पीडर बाइक से प्रेरित लग रही है।हैरानी की बात तो ये है कि एक समय पर बाइक हवा में ही धीरे से रुक जाती है और फिर से धीरे धीरे दिशा बदल कर आगे बढ़ जाती है। फिलहाल कंपनी ने अभी तक एयरबाइक की विस्तृत जानकारी का खुलासा नहीं किया है।

बहुत तेजी से उड़ सकता है ये

पोलैंड की वोलोनॉट ने पहली होवरबाइक व्हीकल बनाया है जो अन्य वाहनों की तरह ईंधन का इस्तेमाल नहीं करती है। कंपनी का दावा है कि यह करीब 200 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा में उड़ सकती है। वीडियो में यह उपकरण आराम से हवा में पंछी की तरह ग्लाइड करता लग रहा है और उसमें किसी तरह की फड़फड़ाने या कंपन की प्रक्रिया का भीअहसास नहीं हो रहा है।

आदिवासी परंपरा! खरगोन और झाबुआ जिलों में प्रमुख रूप से निभाई जाती है यह रस्म

शादी से पहले मां बेटे को कराती है स्तनपान

खरगोन। आधुनिक भारत में लोग अपनी सभ्यता को छोड़ फॉरेन कल्चर को अपना रहे हैं। शादी ब्याह में भी रीति-रिवाज से परे, डेस्टिनेशन वेडिंग और प्री वेडिंग शूट को महत्व दे रहे हैं, लेकिन इन सब चीजों के बावजूद आदिवासी समाज के लोग आज भी अपनी मूल संस्कृति, रीति रिवाज और परंपराओं से जुड़े हुए हैं। इसका ताजा उदाहरण है भिलाला समाज की एक ऐसी परंपरा, जो सैकड़ों वर्षों से खरगोन सहित आदिवासी क्षेत्रों में विवाह में निभाई जा रही है।

जिस परंपरा की हम बात कर रहे हैंआमतौर पर इसे कई लोग गलत नजरिया से भी देख सकते हैं, लेकिन इस समाज में इस परंपरा को विवाह के दौरान निभाने का मकसद बेहद ही अलग और भावनात्मक और सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। दरअसल, विवाह के दौरान दूल्हे की मां के स्तनों पर गुड़ लगाकर बेटे को स्तनपान कराया जाता है।

यह परंपरा भिलाला समाज में खासकर खरगोन सहित झाबुआ जिले में प्रमुख रूप से निभाई जाती है।

याद दिलाया जाता है मां का फर्ज

पंवार कहते है कि, आखरी बार स्तनपान इसलिए कराया जाता है, ताकि बेटे को यह एहसास रहे कि पत्नी, बच्चों के अलावा उसे मां की जिम्मेदारी भी उठाना है। उसके बुढ़ापे का वही सहारा है। क्योंकि, इसी मां ने अपना दूध पिलाकर तुम्हें पाला-पोसा है। इसलिए, बड़े होकर मां के दूध का कर्ज और फर्ज भूल मत जाना।

होंठों को पतला-मोटा करें और आकर्षक बनायें.
इंजेक्शन व लेसर व्दारा.
कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, जी.ई. रोड, चौबे कालोनी एवं गंगा डायग्नोस्टिक्स के उपर, कलर्स माल के पास, पचपेढ़ी नाका, रायपुर (छ.ग.)
Mobile 9827143060
Ajay Advt.

SHREE NARAYANA HOSPITAL
Quality Health Care for All..
NABH
किडनी रोग विभाग
- किडनी प्रत्यारोपण (Kidney Transplantation)
- स्टेट ऑफ आर्ट डायलिसिस यूनिट
- डेडिकेटेड क्रिटिकल केयर यूनिट
- किडनी बायोप्सी
- एवी फिश्चुला, परमाकैथ, ग्राफ्ट
आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, सी.जी.एच.एस., सभी कोरपोरेट संस्थाओं एवं सभी इंश्योरेंस कंपनियों से ईलाज की सुविधा उपलब्ध
डॉ. कृष्णा सोमानी
M.D., D.M.
(नेफ्रोलॉजिस्ट एवं किडनी ट्रांसप्लांट फिजिशियन)
देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)
www.snh.org.in
9300373737

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com